विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 72 अंक 279 पृष्ठ 12

रीवा, सोमवार 07 जुलाई, 2025

आषाढ़ शुक्ल पक्ष 12, विक्रम संवत् 2082

नगर ▪▪ मूल्य 5 रुपए

अंग्रेजों की धरती पर भारत ने रचा इतिहास

58 साल में पहली बार बर्मिंघम में जीता टेस्ट

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हराया पांच मैचों की सीरीज एक-एक से बराबर

बर्मिंघम, जेएनएन। भारतीय टीम ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 336 रन से हराकर इतिहास रच दिया है। एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 271 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। भारत की एजबेस्टन में यह पहली जीत है। इससे पहले टीम ने आठ मुकाबले खेले थे और सात में हार का सामना करना पड़ा था और एक मैच ड्रॉ रहा था। भारत ने इस मैदान पर अपना पहला मुकाबला 1967 में खेला था। पिछली बार 2022 में भारत को इस मैदान पर सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। भारत के 587 रन के जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर ढेर हुई थी। पहली पारी में चार विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप ने दूसरी पारी में छह विकेट झटके।

मंदिरों से अस्पताल तक पानी ही पानी, भयावह घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

छतों पर जलीं चिताएं, मरीज अस्पतालों में फंसे, कई जगह रेलवे ट्रैक भी पानी में डूबे

नई दिल्ली, जेएनएन

इस बार समय से पहले आए मानूसन ने उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक पूरे देश में अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर चिताएं घाट की छत पर जलने लगीं हैं, तो वहीं शहडोल के अस्पताल में मरीज पानी में फंस गए हैं। शहडोल जिला अस्पताल में इलाज करा रहे एक मरीज के मुताबिक, 'इतना पानी भर चुका है कि कहीं निकल नहीं पा रहे हैं, बेड पर ही बैठे हैं। ट्रीटमेंट भी सही से नहीं हो पा रहा है। टॉयलेट भी नहीं जा पा रहे हैं। जिला अस्पताल के सभी वार्डों में पानी भरा है।'

हालात यह है कि पानी से प्रभावित इलाकों में केवल गांव या शहर नहीं हैं, यह जीवन के हर हिस्से को अस्त व्यस्त कर चुका है। पहाड़ों से लेकर मैदान तक पानी का कहर जारी है। हिमाचल में बादल फटे, पुल बह गए, लोग मारे गए। छत्तीसगढ़ में ट्रक नदियों में समा गए और कॉलोनियों में पानी इतना बढ़ गया कि गाड़ियां डूबने लगीं। गोदावरी में मंदिर डूब गए हैं। यह संकट केवल मौसम का नहीं, प्रशासनिक तैयारियों और जल-प्रबंधन की विफलता की तस्वीर भी है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

मंडला: अस्पताल ने मरीजों की भर्ती पर लगाई रोक, दीवारों में उतरा करंट

जागरण, मंडला/शहडोल। मध्यप्रदेश के 21 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबलपुर में बरगी डैम के 9 गेट खोल दिए गए, जिससे नर्मदा नदी का जलस्तर और तेजी से बढ़ा। उमरिया जिले में जोहिला डैम के गेट खोले गए। सबसे चिंताजनक स्थिति शहडोल जिला अस्पताल की रही, जहां सर्जिकल वार्ड समेत तीन वार्डों में पानी घुस गया, जिससे मरीजों और स्टाफ को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कटनी, मंडला और डिंडोरी जैसे जिलों में जलभराव के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के मौसम में अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। डायरिया, उल्टी-दस्त, सर्प दंश सहित बारिश जन्य कई बीमारियों से गंभीर मरीजों को भर्ती करना जरूरी हो जाता है, लेकिन मंडला के सरकारी अस्पताल ने नोटिस चस्पा कर मरीजों के भर्ती होने पर रोक लगा दी है। अस्पताल में केवल इमरजेंसी सेवा चालू रखी गई है। डॉक्टर्स यहां केवल मरीजों को देखकर पर्चा बना रहे हैं। भर्ती होने के लिए जिला स्तर पर लोगों को जाना पड़ रहा है। यह अजीबोगरीब स्थिति मंडला जिले के घुघरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बनी है। यहां बीएमओ ने 5 जुलाई को नोटिस चस्पा कर दिया है। इसमें मरीजों को भर्ती करने पर रोक लगा दी है। असल में बारिश के कारण अस्पताल के जर्जर भवन की हालत और भी खराब हो गई है। छतों से पानी टपक रहा है, जो कमरों और वार्डों में भर रहा है। वहीं दीवारों से करंट उतर रहा है। बीएमओ डॉ. नीरज राज का कहना है कि मरीजों की सुरक्षा को देखते हुए यह रोक लगाई गई है। मगर बीएमओ के इस नोटिस को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर खिंचाई हो रही है। लोगों की नाराजगी इस बात को लेकर है कि बारिश पूर्व अस्पताल भवन की मरम्मत क्यों नहीं कराई गई। अस्पताल प्रबंधन बारिश के पहले हाथ पर हाथ रखे क्यों बैठा रहा। लोगों की नाराजगी देखते हुए बीएमओ ने अब नया आदेश जारी कर स्पष्ट किया कि निर्माणाधीन नए भवन में अस्थायी व्यवस्था की जा रही है। अस्पताल में इस अव्यवस्था से लोगों को खासी परेशानी हो रही है। भारी बारिश के बीच उन्हें इलाज के लिए जिला मुख्यालय तक जाना पड़ रहा है।

हिमाचल प्रदेश: बादल फटे, पुल बहे, मौतें बढ़ीं

हिमाचल में मानसून अब तक 78 जानें ले चुका है। इनमें से 50 की मौत लैंडस्लाइड, बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं में हुई हैं। मंडी जिले की चौहार घाटी में तीन पुल बह गए और गांवों का संपर्क टूट गया। कुल्लू जिले के राहनीनाला में कार खाई में गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। चंबा में बादल फटने से कंधेला नाले पर बना पुल बह गया। प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है, लेकिन हालात चुनौतीपूर्ण हैं।

उत्तराखंड: स्थिति पर नजर

उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री मार्ग पर स्थित सिलाई बैंड और ओजरी बैंड क्षेत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हवाई सर्वेक्षण किया है। भारी बारिश के कारण पहाड़ी मार्ग बाधित हैं और भूस्खलन की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

गुजरात: सूरत में बाढ़ जैसे हालात

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश के कारण सूरत, नवसारी और छोटा उदयपुर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सूरत के 52 काजवे ओवरफ्लो होने से सड़कों पर आवागमन ठप हो गया है। छोटा उदेपुर में सड़क पार कर रहा एक ट्रैक्टर बह गया।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश के साइबर बदमाश रांची में गिरफ्तार

रांची, जेएनएन। झारखंड सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच ने सात साइबर अपराधियों को दबोचा है। इनमें से ती न अपराधी मध्य प्रदेश के हैं। इनकी गिरफ्तारी राजधानी रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित ओलिव गार्डन होटल से हुई है। यह गिरोह म्चयुअल बैंक खातों के जरिए चीनी ठगों से मिलीभगत कर अवैध ट्रांजैक्शन करता है। चीन में बैठे अपराधी खातों का रिमोट एक्सेस प्राप्त कर लाखों-करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करते थे। साइबर अपराधी दीपक, सौरभ, प्रभात, लखन, शिवम, अनिल और प्रदीप को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी बिहार और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। इनके पास से 12 मोबाइल, 11 सिम कार्ड, 14 एटीएम, एक लैपटॉप, एक चेक बुक बरामद हुए हैं।

आईसीएआई सीए रिजल्ट 2025

फाइनल, इंटर व फाउंडेशन परीक्षा के नतीजे घोषित

नई दिल्ली, जेएनएन। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने मई 2025 सत्र के सीए फाइनल, इंटरमीडिएट और फाउंडेशन परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए हैं। अभ्यर्थी icai.org, icaiexam.icai.org और icai.nic.in पर जाकर अपने स्कोरकार्ड देख और डाउनलोड कर सकते हैं। इस बार फाइनल और इंटर परीक्षा के नतीजे दोपहर 2 बजे और फाउंडेशन परीक्षा के नतीजे शाम 5 बजे घोषित किए गए। हालांकि परिणाम इससे पहले ही वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए थे। इस वर्ष के टॉपर्स में ऑल इंडिया रैंकिंग में रंजन काबरा प्रथम, निशिता बोथरा दूसरे और मानव राकेश शाह तीसरे स्थान पर रहे हैं। आईसीएआई के अनुसार, किसी एक बार में सभी पेपरों में कुल 70 फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त ■ शेष पृष्ठ 7 पर

राजौरा की सचिवालय से विदाई मंडलोई होंगे सीएम के एसीएस

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य शासन ने रविवार को देर शाम भारतीय प्रशासनिक सेवा के 9 अधिकारियों के स्थानांतरण कर दिए। इसमें मुख्यमंत्री के अपर सचिव डॉ. राजेश राजौरा भी प्रभावित हुए है। उन्हें एसीएस सीएम के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है। अब नीरज मंडलोई सीएम के अपर मुख्य सचिव होंगे। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की पिछले कई दिनों से टल रही स्थानांतरण सूची रविवार को जारी कर दी गई, जिसमें 9 वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारियों में परिवर्तन किया गया है। इनमें चार अपर मुख्य सचिव स्तर के एक प्रमुख सचिव स्तर के और चार सचिव स्तर के अधिकारी प्रभावित हुए है। सबसे बड़ा फैसला काफी समय से मुख्यमंत्री सचिवालय को संभाल रहे अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा को लेकर लिया गया। उन्हें एसीएस सीएम की जिम्मेदारी वापस ली गई है। उनके स्थान पर ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई को अपर मुख्य सचिव बनाया गया है।

नीरज मंडलोई

सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है, जिसमें सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे को नगरीय विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। जबकि अब तक यह जिम्मेदारी उठा रहे संजय कुमार शुक्ल अब सामान्य प्रशासन विभाग के एसीएस का दायित्व संभालेंगे। इसी तरह से राज्य शासन ने उच्च शिक्षा के आयुक्त निशांत वरवडे को भी हटा दिया, उन्हें किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग में पदस्थ किया गया है। ऐसी खबरें सामने आ रही थी कि उनके विभागीय मंत्री के साथ तालमेल नहीं था।

वर्ष 2009 बैच के अधिकारी प्रबल सिपाहा को उच्च शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग का आयुक्त बनाया गया है। सहकारिता विभाग का काफी समय बाद अतिरिक्त प्रभार वाले अधिकारी से मुक्ति मिली है। अब डीपी आहूजा मछुआ कल्याण से सहकारिता विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। अब तक यह जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल बतौर अतिरिक्त प्रभार के तौर पर संभाल रहे थे। इस फेरबदल में एम. सेलवेन्द्रन, राखी सहाय के भी विभाग बदले गए है। जबकि तन्वी हुड्डा को मध्य प्रदेश वित्त निगम इंदौर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

एक साल पावरफुल रहे राजौरा

मध्यप्रदेश में मुख्य सचिव के पद की दौड़ में सबसे आगे रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉ. राजेश राजौरा डॉ. मोहन यादव सरकार में पिछले लगभग एक साल तक पावरफुल रहे। उन्होंने सीएम डॉ.यादव के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए जीआईएस जैसे बड़े आयोजन को सफल कराया,तो सीएम के साथ उन्होंने विदेश यात्रा के दौरान निवेशकों से बेहतर तालमेल भी बनाए। कहा जा रहा है कि जब डॉ.राजौरा सीएस की कुर्सी नहीं पा सके, तो उन्हें सीएम ने अपने सचिवालय का एसीएस बना दिया और तब सीएम ने सीएम सचिवालय में पदस्थ दो प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह और संजय शुक्ला को हटा दिया था। गौरतलब है कि राघवेन्द्र सिंह वही अधिकारी है,जिन्हें डॉ. यादव ने सीएम बनते ही सबसे पहले भरोसा करते हुए अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि बाद में सिंह को उद्योग विभाग जैसा महत्वपूर्ण विभाग सौंपा गया। इसी विभाग के जरिए सीएम प्रदेश में निवेश और रोजगार की दिशा में तेजी से काम कर रहे है। ऐसे में डॉ. राजौरा की सीएम की टीम से विदाई को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही है।

टीकमगढ़ में नरबलि: झंडे के नीचे मिला कटा सिर, पास ही पड़ा था युवक का धड़

मृतक के कैंसर से पीड़ित पिता की भी रविवार को हुई है मौत, पुलिस जांच शुरू

जागरण, टीकमगढ़। प्रदेश के टीकमगढ़ में एक युवक का सिर और धड़ अलग-अलग मिलने से हड़कंप मच गया। युवक का सिर काटकर अलग रखा था, जबकि थोड़ी दूर ही धड़ पड़ा था। कटा हुआ सिर एक चबूतरे पर लगे झंडे के नीचे रखा मिला है।

मामले में नरबलि की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों की सूचना पर चंदेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची व शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जतारा अस्पताल भेजा है। रविवार को ही युवक के कैंसर पीड़ित पिता का भी निधन हो गया। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की। इधर, बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंच गए। घटना रविवार को जिले के विजयपुर की है।

जतारा के एसडीओपी अभिषेक गौतम के मुताबिक, मृतक की पहचान अखिलेश कुशवाहा (उम्र 32 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अखिलेश के पिता गोला कुशवाहा कैंसर से पीड़ित थे। रविवार सुबह 4 बजे उनका निधन हो गया। घर में मां भी है, जो मानसिक रूप से कमजोर बताई जा रही है। परिवार में मृतक अखिलेश का 3 साल और 17 साल का भाई भी है। फिलहाल पूरे मामले में ग्रामीणों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

हमने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया: केंद्र सरकार

नई दिल्ली, जेएनएन। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी राइटर्स का एक्स अकाउंट भारत में 'कानूनी मांग' के जवाब में रोक दिया गया है। एक्स पर इस अकाउंट पर जाने पर अब एक नोटिस दिखता है कि भारत में यह अकाउंट फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

राइटर्स का एक्स अकाउंट ब्लॉक करने का मामला

हालांकि, भारत सरकार ने साफ किया है कि उसने ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया है, और वह एक्स के साथ मिलकर इस मुद्दे को सुलझाने में जुटी हुई है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, 'राइटर्स को ब्लॉक करने का सरकार की ओर से कोई आदेश नहीं है, हम एक्स के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं ताकि समस्या का समाधान निकाला जा सके।' मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान रॉयटर्स समेत सैकड़ों अकाउंट्स को ब्लॉक करने की मांग की गई थी, लेकिन उस समय रॉयटर्स का हैंडल ब्लॉक नहीं हुआ था।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामला

मोइत्रा, यादव और पीयूसीएल की सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं

नई दिल्ली, जेएनएन। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के आदेश को चुनौती देते हुए महुआ मोइत्रा, योगेंद्र यादव और पीयूसीएल (पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज) ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिकाएं दायर की हैं। तीनों याचिकाकर्ताओं ने 24 जून को जारी आयोग के आदेश को संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19(1)(अ), 21, 326 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 22 तथा निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 21-ए का उल्लंघन बताया है।

राजनीतिक विश्लेषक और सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव की याचिका में कहा गया है कि यह प्रक्रिया मनमानी, असंवैधानिक और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए नागरिकों से केवल 11 दस्तावेज मांगना, जिनमें आधार, राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड शामिल नहीं हैं, एक दुरूह और भेदभावपूर्ण शर्त है।

महुआ मोइत्रा की याचिका

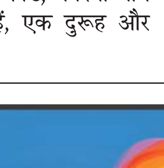

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि इस आदेश को पूरे देश में लागू करने से रोका जाए, ताकि अन्य राज्यों में भी मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया न शुरू हो। उन्होंने इसे जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया।

हिंदी के नहीं, बस थोपे जाने के खिलाफ: उद्धव

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र में प्राथमिक कक्षाओं कक्षा 1 से 5 में हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाए जाने के फैसले के खिलाफ आयोजित 'आवाज मराठिचा' रैली के एक दिन बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) ने रविवार को स्पष्ट किया कि उनकी आपत्ति हिंदी भाषा से नहीं, बल्कि उसके थोपे जाने से है। साथ ही उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के समर्थन से खुद को अलग करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की लड़ाई सिर्फ प्राथमिक शिक्षा में जबरन हिंदी लागू करने के विरोध तक सीमित है। रैली में उद्धव और राज ठाकरे दो दशकों बाद एक मंच पर आए। रैली के दौरान राज ठाकरे ने सवाल उठाया, 'उत्तर प्रदेश या राजस्थान में तीसरी भाषा क्या है? हिंदी राज्यों पर नहीं थोपी जाती, तो गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर क्यों?' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टालिन ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कहा कि, 'तमिलनाडु की भाषा-संघर्ष की लड़ाई अब महाराष्ट्र तक पहुंच गई है।'

शिवसेना (उभाठा) के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा, 'हम हिंदी भाषा या उसके बोलने वालों के खिलाफ नहीं हैं। हिंदी हमारी फिल्मों, रंगमंच और संगीत का हिस्सा है। लेकिन हम इसके शैक्षिक थोपे जाने का विरोध करते हैं।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की स्थिति दक्षिण राज्यों से अलग है। 'दक्षिण भारत में कई राज्य हिंदी को पूरी तरह नकारते हैं, न खुद बोलते हैं, न दूसरों को बोलने देते हैं। लेकिन हमारी ऐसी भावना नहीं है। हम हिंदी बोलते हैं, समझते हैं और मानते हैं। हमारा विरोध अनिवार्यता के खिलाफ है, न कि भाषा के।'

बड़ा विवाद | अरबपति टेक दिग्गज ने राष्ट्रपति ट्रंप से अनबन के बाद लॉन्च की 'अमेरिका पार्टी'

मस्क कभी नहीं लड़ पाएंगे राष्ट्रपति का चुनाव

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति टेक दिग्गज एलन मस्क के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया है कि मस्क पूरी तरह से अमेरिका की सक्रिय राजनीति में उतर आए हैं। यहां तक कि उन्होंने खुद की राजनीतिक पार्टी तक बना डाली है। उन्होंने इस राजनीतिक दल का नाम 'अमेरिकन पार्टी' रखा है। एलन मस्क ने नई पार्टी की घोषणा करते हुए रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि यह नई पार्टी अमेरिका के दो-दलीय व्यवस्था के खिलाफ एक वैकल्पिक मंच होगा।

एलन मस्क ने नई पार्टी का ऐलान ऐसे समय में किया है जब कुछ दिन पहले ट्रंप ने उन्हें अमेरिका से बाहर निकालने की धमकी दे डाली थी। नई पार्टी के ऐलान के साथ ही इस बात की भी चर्चा तेज हो गई है कि क्या एलन मस्क अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकते हैं?

"हम एक-पार्टी सिस्टम में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं। अमेरिका पार्टी लोगों को उनकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए काम करेगी।

एलन मस्क
नई पार्टी की घोषणा के बाद

हालांकि मौजूदा नियमों के मुताबिक, मस्क कभी राष्ट्रपति नहीं बन पाएंगे। अमेरिका के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति वही व्यक्ति बन सकता है, जिसका जन्म अमेरिका में हुआ हो। इसका साफ मतलब है कि ऐसा कोई भी व्यक्ति अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में खड़ा नहीं हो सकता है, जिसका जन्म अमेरिका से बाहर हुआ हो, चाहे उसके पास कई सालों से अमेरिका की नागरिकता ही क्यों न हो। मस्क का जन्म अमेरिका में नहीं हुआ है। वे दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में जन्में थे। यहां से वह पढ़ाई के लिए कनाडा शिफ्ट हुए और कनाडा में पढ़ाई के बाद अमेरिका आए। तब से वह अमेरिका में ही रह रहे हैं।

मस्क ने यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सार्वजनिक मतभेद के बाद की है। कभी ट्रंप के बेहद करीबी और 2024 के चुनाव में उनके सबसे बड़े पॉलिटकल डोनर रहे एलन मस्क का राष्ट्रपति के साथ 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर कड़वाहट भरा झगड़ा हुआ। उन्होंने बिल का कड़ा विरोध किया और ट्रंप प्रशासन के अंतर्गत नवगठित सरकारी दक्षता विभाग से बाहर हो गए थे। मस्क ने अमेरिका की वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था की आलोचना की और कहा, 'जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है, तो हम एक-पार्टी प्रणाली में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं।'

ट्रंप ने दी थी मस्क को डिपोर्ट करने की धमकी

ट्रंप ने मस्क को अमेरिका से डिपोर्ट करने की धमकी इसी तथ्य को लेकर दी थी कि उन्होंने अमेरिका की नागरिकता हासिल करने के लिए फर्जीवाड़ा किया है। दरअसल, एलन मस्क स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका आए थे, लेकिन यहां आकर वे पढ़ाई पूरी करने के बजाय बिजनेस करने लगे थे, जो कि नियमों का उल्लंघन था।

साहित्य सृजन

वर्षा की गजल

देख धरती की तपन करुणा भरे नभ मेघ छाएँ
होने लगी बरसात तो फिर मोरनी की पीर गायें
बंद कलियों के सुहाने सपन के मनुहार जागे
पल्लवों के अंजुमन के रागनी के तार जागे
पवन को भी लाज आये देख...
उड़ चले आंचल दगांचल, रिसने लागे तटबंध
सूखे निर्धारों में प्राण जागे सरित नव सागर
मिलन को चल पड़ी श्रृंगार साजे विरती गुमसुम
ठगी सी क्यों ? न प्रियतम आज आये। देख....
कश्तियां अठखेलियां लहरों से जा करने लगी हैं
मीन प्यासी नीर मचले वासना जगने लगी है
अधर सूखे कंठ सुखों में नया संचार आये
पपिहा, कोयल फिरकते ज्यू नया मधुमास आये। देख...
नवगंध लेकर चल पड़ी पुरवा घटा घिरने लगी है
नव सृजन के अंकुरण से अब घटा सजने लगी है
गांव खेतों पनघटों में पैजनी बजने लगी है
मेरी अंतर वेदना सुन तुम न मेरे पास आये।
देख बूंद के उन्मुक्त वैभव से छटा तटबंध खोले
गुलशनों में जा मचलते भौरों का अनुराग बोले
नयन में निंदिया उनींदी करवटों में रात जाये।
देख संतप्त मन को उल्लसित करने लगीं
रिमझिम फुहारे लोरी गा के
कोई आंचल मेरी निंदिया ज्यौं दुलारे
ढलती बेला में कोई ऋतुराज घर आंगन बुहारे
हो गये स्वर्णिम सपन सब दफन,
पहले क्यो न आये ? होने लगी बरसात
तो फिर मोरनी की पीर गायें

डॉ. जवाहर सिंह गहरवार, हिनौता

आबै वाले हां त्योहार

बारिशों की बूँद संग मन इतराए है
कहीं पे फुहार कहीं कीच उपजाए है।।
पुलकित हुआ है मन देख हरियाली को।
साथ सखी बैठ गई लेके चाय प्याली को।
सखी साथ साथ सब नाच रहीं गाय रहीं।
तीज त्योहार हँसी खुशी से मनाय रहीं।।
हालचाल पूछ रहीं कोउ मुस्काय रहीं।
कोउ बतिआए रहीं कोउ सरमाय रहीं।।
त कोउ आगे पीछे आय हाथ को हटाय रहीं।
कोउ बैठि सोई कोई कोउ दौड़ धाय रहीं।।
छटा को बिखेरे सजी दुल्हन सी है धरा।
डाल डाल पात पात तरु हैं हरा भरा।।
मेंहदी से पिउ नाम हाथ लिखवाय रहीं
त कोउ आय पीछे से हाथ का डोलाय रहीं।।
प्रीति प्रेम मेल जोल प्रिय का बताय रहीं।
कोउ खिसिआय रहीं कोउ खिसबाय रहीं।।

प्रीति शर्मा 'परी', नईगढ़ी शिवराजपुर

पावस प्रसंग

तप्त रवि किरणों से आकुल,
है धरा संतप्त व्याकुल।
गगन को अपलक निहारे,
मौन महि करती इशारे।
वाष्प रूपी पत्र देकर,
भेजती निज दुःख सारे।
कह रही जल बिन्दुओं से,
प्रियतमा की प्यास हर लो।
मैं सँवर जाऊँगी मुझसे,
एक पल तो प्यार कर लो।।1।।
सुन व्यथा नभ नेह जागा,
व्यर्थ का अभिमान त्यागा।
प्रियतमा की पीर हरने,
लगा महि से प्रेम करने।
प्रस्फुटित हो पड़ी करुणा,
लगे दृग से अश्रु झरने।
कह उठा नभ अवनि से,
इन अश्रुओं को उर में भर लो।
मैं सँवर जाऊँगी मुझसे,
एक पल तो प्यार कर लो।।2।।
नेह नभ स्पर्श पाकर,
खिल उठी महि मुस्कुरा कर।
हरित तृण के ओढ़ चूनर,
नववधू सी सज सँवर कर।
गगन के शुभ नेह जल से,
भर लिए सर सरित सागर।
कह रही हे! जलद जल बन
मेरे उर अंतर बिचर लो।
मैं सँवर जाऊँगी मुझसे,
एक पल तो प्यार कर लो।।3।।

अशोक त्रिपाठी 'माधव', शहडोल

भारत मां के बेटे

हम भारत मां के सपूत है शीष चढ़ाने आए हैं।
माता तेरे दुश्मन को हम जड़ से मिटाने आए हैं।
पहलगाम में छल से दुश्मन ने तेरे लाल मारा है ।
खुशियों को एक पल में उसने तहस नहस कर डाला है।
जो मेंहदी हाथों में ढंग से रच भी न पाई थी ।
कस्मे वादों के सपने वो बुन भी ना पाई थी ।
उनके आंसू के आगे सातों सागर छोटे हैं।
जब मेंहदी वाले हाथों अपने कंगन को तोड़े हैं।
बेकसूरों का तुमने निर्मम खून
बहाया है ।
स्वर्ग से सुंदर काश्मीर को तुमने खूब रुलाया है।
सुनो देश के नौजवानों अब तुम सब संकल्प करो ।
इन नाग फ़नों को डसने से पहले ही संहार करो।
हो संकल्पित देश पूरा एक साथ
संधान करो ।
एक भी दुश्मन रह न जाए ऐसा तुम प्रहार करो।

तरुणेन्द्र तिवारी, सहेबा मनगवां

ऐसा व्यंग्यकार हिन्दी कहानी में कोई और नहीं : संजीव

कहानी समाज और सच की टकराहट विषय पर हुई चर्चा

जागरण, सतना। मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल व जिला इकाई सतना द्वारा हिन्दी सहित्य सम्मेलन का आयोजन 5 जुलाई को अमौधा कला सतना के विट्स कॉलेज में किया गया। कथा के यथार्थ लोक में अमरकांत व जन्मशती विमर्श के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुप्रतिष्ठित आलोचक, संपादक एवं अनुवादक संजीव कुमार रहे। अध्यक्षता ख्यातिलब्ध कलाकार महेश कटारे ने की। जाने माने साहित्यकार व फिल्म समीक्षक प्रहलाद अग्रवाल, राजीव कुमार शुक्ल, डॉ सत्येन्द्र शर्मा, सुषमा मुनीन्द्र, सपना सिंह, डॉ दिव्या जैन धवन भी परिचर्चा में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन वन्दना अवस्थी दुबे, अमित शुक्ला, शुभम बारी ने और साहित्य मंत्री डॉश्रद्धा श्रीवास्त ने विमर्श का संचालन किया। इस आयोजन में मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल के अध्यक्ष पलाश सुरजन, महामंत्री अभिषेक वर्मा, जिला इकाई सतना के सचिव श्रीश पांडेय मौजूद रहे। आकार वेलफेयर सोसायटी ने इस आयोजन की शुरूआत में बघेली लोकगीत प्रस्तुत किए। सोसायटी के सदस्यों ने एक थी गौरा का नाट्य मंचन किया। जिसमें आकार कुशवाहा,रुपाली कृष्णानी, पूजा विश्वकर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, सागर सेन, अयांश श्रीवास्तव, सावित्री, अमित शुक्ल ने अभिनय किया। मुख्य विमर्श की शुरूआत में अतिथियों ने कथा के यथार्थ लोक में अमरकांत की स्मारिका का विमोचन किया।

अमरकांत हिन्दी कहानी इतिहास के गौरव हैं

डॉ सत्येंद्र शर्मा ने कहा अमरकांत ने अपनी कहानियों से राजनैतिक सामाजिक आर्थिक परिदृश्य बदला है। अब हमारे घर की जरूरतें उद्योगपति तय करता है। समय के संत्रास को अमरकांत ने कैसे पकड़ा है कितनी बारीकी से शब्दों में पिरोया यह देखने लायक है। सुषमा मुनीन्द ने अपनी बात रखते हुए कहा कि अमरकांत प्रगतिवादी, यथार्थवादी रचनाकार थे। उनके छोटे कलेवर की कहानी बड़ा फलक बनाती हैं। सपना सिंह ने अपने दिन याद करते हुए कहा कि बचपन में पिता के पास संस्करण था जिसे पढ़ा और उसमें जिंदगी और जोंक पढ़ी। पलाश के फूल को अर्से बाद फिर से पढ़ा। पुरुष पैसा पावर को स्त्रियों के प्रति शोषण का हथियार बना लेते हैं। उन्होंने लड़का. लड़की कहानी के पात्र पर चर्चा की और एक थी गौरा की कहानी की मुख्य पात्र गौरा की सरलता बताई। विदा की रात कहानी पर प्रकाश डाला। प्रह्लाद अग्रवाल ने कहा अमरकांत से पचासों बार मिला। बहुत सहज थे और परंतु कम बोलते थे। डॉ दिव्या जैन ने अमरकांत के नारी विमर्श पर कहा कि उनकी कहानियों में अलग अलग तरह के नारी पात्र नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता हैए अमरकांत ने पूरी तरह मनोवैज्ञानिक कहानियां लिखी हैं। राजीव कुमार शुक्ल ने कहा मैं प्रगतिशील आंदोलन से जुड़ा और अमरकांत को पढ़ा तबपता चला उनकी कहानियों में ऐसे पात्र हैं जो कमजोरए दबे कुचले हैं। उनकी कहानी के तमाम शब्द और कहीं नहीं मिलते। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रतिष्ठित आलोचक एवं अनुवादक संजीव कुमार ने बताया दो खंड की लगभग 100 कहानियां मैंने पढ़ी। उम्दा से अति साधारण चीजें ज्यादा मिलती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ख्यातिलब्ध कथाकार महेश कटारे ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन ने जो अवसर प्रदान किया हैए यह मूल्यवान है।

प्रतिभाशाली छात्रों को मिली प्रोत्साहन राशि

जागरण, उचेहरा । बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ाने शासन द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना का लाभ सरस्वती विद्यालय के बच्चों को भी मिलाज्ञात हो बीते दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बीते वर्ष 2022-23 के हाई स्कूल के क्षात्र क्षात्राओ को है प्रोत्साहन योजना के तहत लैपटॉप की राशि 25 हजार रूपये प्रदान की गई। ज्ञात हो कि बीते सत्र हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की परीक्षा में सरस्वती शिशु मंदिर के ग्राम अटरा ध् श्याम नगर के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में सरस्वती शिशु मंदिर अटरा के पूर्व छात्रों ने सर्वाधिक अंक अर्जित किए हैं जिनमे प्रोत्साहन राशि पाने वाले बच्चो को शासन की यह महती योजना का लाभ मिला । श्यामनगर के छात्र अभय गुप्ता पिता डॉक्टर अशोक गुप्ता , मिथिलेश प्रजापति पिता सुदामा प्रसाद प्रजापति,अटरा के लक्ष्मण कोरी पिता राम सहाय कोरी , ध्रुव गुप्ता पिता सात्विक प्रसाद गुप्ता ध्रुव विश्वकर्मा पिता राम प्रकाश विश्वकर्मा एआकाश दाहिया पिता पप्पू दहिया कु दिव्या पांडेय कुसीमा तिवारी पिता केशव प्रसाद तिवारी को शासन द्वारा क्षात्रों के हित में चलाई जा रही प्रोत्साहन योजना का लाभ मिलने से प्रदेश के मुखिया के प्रति जहां अभिभावकों ने आभार ब्यक्त किया वहीं विद्यालय परिवार ने बच्चो के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते विद्यालय परिवार की ओर से शासन के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की है।

सक्रिय कार्यकताओं को संगठन में मिलेगा मौका : प्रमोद शर्मा

सतना । आम आदमी पार्टी सतना जिला इकाई की मासिक कार्यकारिणी बैठक आज दिनांक 6 जुलाई को दोपहर 1 बजे जिला कार्यालय रीवा रोड कलकत्ता नर्सरी के बगल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ अमित सिंह ने की तथा विशिष्ट उपस्थिति जिला प्रभारी प्रमोद शर्मा की रही। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, बूथ, सेक्टर, ब्लॉक एवं विधानसभा स्तर की गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जनसमस्याओं को लेकर आंदोलन की रणनीति भी तय की गई, जिसमें सतना नगर निगम की लापरवाही, सीवर और जलभराव की समस्या, सड़क सुधार तथा जनता से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर ज़िला स्तरीय आंदोलन की रूपरेखा बनाई गई।

रविवार को शहर के कई जगहों पर नुक्कड़ नाटक कर स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

जागरण, सतना। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 एवं सफ़ाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम सतना की आईईसी टीम द्वारा शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 6 जुलाई को शहर के विभिन्न स्थानो में नुक्कड़ नाटक और कठपुतली शो के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को घरों से निकलने वाले कचरे के चार प्रकार कृ गीला कचरा सूखा कचरा सैनिटरी कचरा एवं घरेलू हानिकारक कचरा को अलग.अलग करने के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद करए उसके स्थान पर पुनरू उपयोग की जाने वाली वस्तुओं को अपनानेए स्वच्छ परिवेश और स्वच्छ विद्यालय बनाए रखने का संदेश दिया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम शहर के वार्ड 16दृ कृपालपुर,वार्ड 17 ट्रांसपोर्ट नगर वार्ड 32 धवारी वार्ड 30 महादेवा वार्ड 05 वेंकटेश लोक इन आयोजनों में संबंधित वार्ड के दरोगा एवं सिपाहीगण ने भी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराईए जिससे अभियान की प्रभावशीलता और भी बढ़ी।

रबर प्लांटेशन से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार और जलवायु परिवर्तन होगा : प्रो भरत मिश्रा

जागरण, सतना। रबर बोर्ड भारत सरकार और महात्मा गांधी चित्रकूट विश्वविद्यालय के मध्य माह मई में हुए अकादमिक एमओयू के परिपेक्ष्य में कृषि प्रक्षेत्र रजौला में फिज़ीबिलिटी स्टडी ऑन रबर प्लांटेशन इन मध्य प्रदेश के अंतर्गत 1.7 एकड़ जमीन पर रबर प्लांटेशन का शुभारंभ किया गया। प्लांटिंग सेरमनी के अवसर पर 300 की संख्या में रबर के पौधों का रोपण हुआ। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा और रबर बोर्ड के एक्सक्यूटिव डायरेक्टर एम वासनथगेसन आई.आर.एस इस विशेष कार्यक्रम के प्रमुख सूत्रधार रहे। इस मौके पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने रबर प्लांटेशन और प्रोडक्शन के इस प्रोजेक्ट को परिवर्तन कारी कार्यक्रम बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र के किसानों की आर्थिक स्थिति में मजबूती के साथ साथ क्षेत्र की जलवायु में भी परिवर्तन होगा। रबर बोर्ड भारत सरकार के अधिशासी निदेशक एमण् वासनथगेसन ने बताया कि आज रोपित रबर के पौधे 6 वर्ष उपरांत प्राकृतिक रबर का उत्पादन करेंगे। जमीन में रोपित रबर के पौधे सामान्य गमलों में रोपित पौधों से कई गुना अधिक रबर उत्पादन करने में सक्षम होंगे। प्राकृतिक रबर का मूल्य और गुणवत्ता भी अधिक होती है। रबर प्लांटेशन में संलग्न इस क्षेत्र के किसानों की आर्थिक दशा

में भी सुधार होगा। प्रारंभिक वर्षों में रबर प्लांटेशन कर रहे किसान अपने खेतों में सहफसली खेती भी कर सकेंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रो एच एस कुशवाहा और सह संयोजक डॉ शिव शंकर सिंह ने संयुक्त रूप से संचालन करते हुए आयोजन की पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

लम्बे समय से जला है ट्रांसफार्मर, परेशान हो रहे लोग

उचेहरा रामनगर । बिजली विभाग द्वारा की जाने वाली मनमानी किसी से छिपी नही है। हालात ये है कि उचेहरा का ट्रांसफार्मर लम्बे समय से जला पड़ा है कई बार विभागीय अधिकारियो को अवगत कराते हुये ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की गई मगर अब तक ट्रांसफार्मर नही लग पाया है ।जिसके चलते बरसात के दिनो में आम जनमानस को भारी समस्याओ का सामान करना पड रहा है। किसानो को भी समस्याए पैदा हो रही है ऐसा लगता है जैसे इस गांव के लिए बिजली एक सपना बन कर गई है। जनप्रतिनिधियो ने भी अभी तक इसओर अपनी नजरे इनायत नही की है।

सज्जनपुर मंडल में मनाई गई डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

जागरण, सतना। भारतीय जनता पार्टी मंडल सज्जनपुर के ग्राम सतरी में बृहद कार्यक्रम के तहत भारतीय जनसंघ के संस्थापक राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पर्याय प्रखर राष्ट्रवादी महान शिक्षाविद डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती मंडल में धूम धाम से मनाई गई इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष बालेंद्र गौतम रहे अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह परिहार ने कीए कार्यक्रम में सर्वप्रथम डॉक्टर मुखर्जी की प्रतिमा पर धूप दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

मंडल अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में सेवा सप्ताह में चलाए गए कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम तहत बूथ स्तर पर किए गए वृक्षारोपण के बारे में विस्तार से बात रखी बालेंद्र गौतम जी ने डॉक्टर मुखर्जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा देश के लिए दिए गए योगदान व बलिदान के बारे में विस्तार से बात रखी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अलका सिंह, दिगपाल सिंह,राजेश गौतम, पुशाई प्रजापति, शैलेन्द्र सिंह, शिवशंकर सोनी, भरतनारायण सिंह, दिनेश दहिया, जानी शुक्ला, नंदकिशोर कुशवाहा, सुनील तिवारी, गोपाली साकेत, राजेंद्र सिंह, पद्म प्यासी, जितेंद्र अदलादिवासी रघुनंदन रजक, पिंटू प्रजापति, बाबूजी तिवारी, कृष्णपाल पांडे, रघुवेंद्र सिंह, शिवशंकर शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

फिजी में रामलीला मंचन कर अरुणा ने बढ़ाया विन्ध्य का गौरव

जागरण, रीवा। भारत सरकार द्वारा भेजे गये सांस्कृतिक दल ने फिजी देश में रामलीला मंचन कर भारतीय संस्कृति की विरासत को साझा किया। जिसके कलाकारों का फिजी देश के राजदूत और उप प्रधानमंत्री ने मंच पर सार्वजनिक अभिनंदन एवं सम्मान कर आभार ज्ञापित किया। ज्ञातव्य है कि देश की साहित्य शोध संस्था मुंबई और सनातन धर्म संस्था के तत्वाधान में रामलीला अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव में भाग लेने भारत से सत्रह सदस्यीय दल फिजी में रामायण के प्रचार-प्रसार हेतु आमंत्रण पर भेजा गया था। जिसमें 26 मई से 08 जून तक उन्होंने विभिन्न शहरों में रामलीला प्रसंगों का यादगार मंचन किया। प्रवासी भारतीय बाहुल्य फिजी में भारतीय संस्कारों, परम्पराओं की जीवन शैली आज भी जीवित है। फिजी को अगर छोटा भारत कहा जाये तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी। अभी हाल ही में दल स्वदेश लौटा है। हिन्दू धर्म परिषद महिला शाखा की प्रचार सचिव एवं कलाकार डॉ. अरुणा पाठक को भी रामलीला मंचन करने गये दल में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होने भगवान श्रीराम की माता कौशल्या का पात्र निभाया और अपनी यादगार उपस्थिति दर्ज कराई।

विभिन्न शहरों में उनको मंच संचालन का भी अवसर प्राप्त हुआ। फिजी देश में हुये रामलीला मंचन के दल में शामिल होकर डॉ. अरुणा पाठक ने विन्ध्य के गौरवशाली इतिहास में एक और स्वर्णिम पन्ना जोड़ने का कार्य किया है जिससे समूचे विंध्य क्षेत्र में हर्ष है। ज्ञातव्य है कि वे ख्यातिलब्ध कवियित्री के रूप में भी जानी जाती हैं। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी ने आगामी 20 जुलाई को डॉ. अरुणा पाठक का अभिनंदन एवं सम्मान करने की घोषणा की है। परिषद के आजीवन संरक्षक सुरेश विश्नोई, संयोजक सुमित माँजवानी, संरक्षक डॉ. सी.बी.शुक्ला, डॉ. के.के.परौहा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. राहुल मिश्रा, डी.पी.सिंह परिहार, अविराज, संजय तिवारी मुन्नू, डॉ. रश्मि शुक्ला, अवधेश श्रीवास्तव, विजय मोहन तिवारी, अध्यक्ष प्रो. प्रवीण चन्द दुबे, महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. गीता शुक्ला गीत, युवा अध्यक्ष विकास सेन आर्यन, कार्यकारी अध्यक्ष उमेश कुशवाहा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये अपनी बधाई प्रेषित की है। इस उपलब्धि पर कलम परिवार के सदस्यों ने भी अपनी बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं।

जिले के 14 गाँवों में कार्य सीखने जाएंगे छात्र

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय सतना के कृषि संकाय द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव रावे कार्यक्रम के अंतर्गत आज बीएससी कृषि सात सेमेस्टर के छात्रों का सतना ज़िले के 14 चयनित गाँवों में अटैचमेंट प्रारंभ किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण कृषि परिवेश से जोड़ना और उन्हें खेती.किसानी की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है।सभी छात्र अपने.अपने निर्धारित गाँवों में पहुँचे जहाँ उन्हें आगामी कुछ सप्ताह तक रहकर किसानों के साथ कार्य करना है।कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले दिनों में छात्र फसल प्रबंधन, मृदा परीक्षण, पशुपालन, किसान इंटरव्यू, कृषि जागरूकता कार्यक्रम आदि गतिविधियाँ करेंगे। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने छात्रों को शुभकामनाएँ दीं और उम्मीद जताई कि यह अनुभव उनकी शिक्षा और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कांग्रेस ओबीसी आरक्षण पर आजादी के बाद से राजनीति करती आ रही है : गणेश सिंह

जागरण, सतना। संसद की अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ सांसद श्री गणेश सिंह ने अपने जारी एक बयान में कहा है कि मध्य प्रदेश की कांग्रेस मात्र अध्यादेश लाकर प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का जो झूठा षडयंत्र वोट के खातिर किया था जिसे हाईकोर्ट ने तत्काल रोक दिया अंत में सर्वोच्च न्यायालय ने भी दायर याचिका को खारिज कर दिया कांग्रेस ने दुबारा विधानसभा में एक बिल पास कराया उसमें ओबीसी की कुल जनसंख्या प्रदेश में 27 प्रतिशत है इस बिल को कोर्ट में चैलेंज कर दिया गया अगर सही आंकड़े जनसंख्या का देते तो कोर्ट एक बार पक्ष में निर्णय ले सकती थी वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय की 50 प्रतिशत का कैप लगा हुआ है यदि उससे बाहर निकलना है तो सही आंकड़ों के साथ विधानसभा में फिर एक बार बिल लाना होगा जो प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है रास्ता 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदेश में ओबीसी देने का यही है इसके बाद संविधान के नौवीं अनुसूची में संसद को इस पारित विधेयक को मंजूरी देनी होगी अन्यथा सुप्रीम कोर्ट दायर याचिकाओं में 50 प्रतिशत के कैप का उल्लंघन मानकर फिर रोक देगी।

रेल टिकटों की कालाबाजारी रोकने 15 जुलाई से आधार नंबर जरूरी

नए रेलवन ऐप में मिलेगी नौ सुविधाएं, टिकट बुक करने वाले के पर्सनल आईडी पर आएगा ओटीपी

जागरण, रीवा। रेलवे यात्री सुविधाओं के लिए एक ही प्लेटफार्म पर रेलवन ऐप के माध्यम से सुविधा लेकर आ गया है। पहले ही दिन ऐप में अपडेट आ गया। टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए 15 जुलाई से आधार नंबर अपडेट करने के बाद ओटीपी आएगा। उसके बाद ही यात्री टिकट बुक करवा पाएंगे। पहले दिन ऐप को डाउनलोड करने के बाद पता चला ऐप ठीक तरीके से काम कर रहा है। टिकटों की बुकिंग भी आसानी से हो रही है। पीएनआर नंबर डालने के बाद स्टेट्स पता चल रहा है और अन्य सुविधाएं भी ठीक तरीके से कार्य कर रही है। इसके पहले रेलवे की सुविधा के लिए कई तरह के अलग ऐप जैसे टिकट, ट्रेन की लाइव लोकेशन और शिकायत के लिए अलग ऐप डाउनलोड करना पड़ता था। अब एक ही रेलवन ऐप के माध्यम से यात्रियों को मोबाइल में नौ तरह की सुविधाएं मिल जाएगी। उनको कई तरह के ऐप डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि कोई यात्री 10 या 15 टिकट बुक करता है तो टिकट बुक कराने वाले व्यक्ति के उसके पर्सनल आईडी पर ओटीपी आएगा। अब स्लीपर के टिकट बुक करने पर ओटीपी आएगा या नहीं, ये जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं है। ऐप के बारे में बहुत सारी जानकारी 15 जुलाई के बाद ही स्पष्ट होगी।

पहले ही दिन ऐप में अपडेट

ऐप डाउनलोड करने वालों ने बताया कि ये रेलवे की एक बहुत अच्छी पहल है। अब सारी सुविधाएं एक ही ऐप पर मिलेगी। रेलवन ऐप ठीक तरीके से काम कर रहा है। टिकट की जानकारी, ट्रेन सर्च, ट्रेन की लाइव लोकेशन, कोच पोजिशन, फूड आर्डर सहित अन्य सुविधाएं ठीक तरीके से काम कर रही हैं। ये ऐप पहले दिन अन्य ऐप की तरह ही काम कर रहा है।

ऐप के माध्यम से मिलेगी ये सुविधाएं

इस ऐप के माध्यम से यात्री आरक्षित टिकट में जाने के बाद (सामान्य, महिला लोअर बर्थ, दिव्यांग, तत्काल एवं प्रीमियम तत्काल, अनारक्षित), जनरल टिकट के विकल्प दे रहा हैं।

सीधी जागरण

दैनिक जागरण रीवा 07 जुलाई 2025 www.dainikjagranmpcg.com

11 राज्य 31 संस्करण

सूर्य उदय - अस्त
06.54 अस्त : आज
05.17 उदय : कल

शहर का तापमान
32.0 0 अधिकत
25.0 0 न्यूनतम

मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

हजारों सहारा निवेशकों की नहीं मिल रही जमा पूंजी

जागरण मनमानी

पोर्टल में विवरण दर्ज होने के बाद बताया जा रहा अमान्य

निवेशकों की राशि वापस होने की उम्मीदें हो रही धूमिल

जागरण, सीधी

देश भर में निवेशकों द्वारा सहारा में कई सौ करोड़ रुपए जमा कराए गए हैं। जिसकी वापसी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा चुनाव से पूर्व सहारा निवेशकों की बड़ी समस्या का समाधान करने के लिए सहारा रिफंड पोर्टल लंच किया गया था। पोर्टल के जरिए सहारा की चार को.ऑपरेटिव सोसायटी के निवेशकों को आवेदन करने को कहा गया था। उक्त आवेदन के बाद 45 दिन के अंदर संबंधित निवेशक को जमा राशि में 10 हजार रुपए अधिकतम प्रथम किस्त में उसके द्वारा दिए गए बैंक एकाउंट में भेजने की व्यवस्था बनाई गई थी। विडम्बना यह है कि सहारा रिफंड पोर्टल के लांच होने के बाद से सीधी जिले के हजारों निवेशकों द्वारा ऑनलाईन जानकारी भेजी गई साथ ही सहारा द्वारा दिए गए बाण्ड की कांपी भी स्कैन करके लोड कराई गई। सीधी जिले के हजारों निवेशक अपनी जमा पूंजी को पाने के लिए ऑनलाईन आवेदन किए। पर कुछ समय बाद आवेदन करने वाले सभी निवेशकों के मोबाईल पर यह मैसेज आया कि जिस योजना में उनके द्वारा निवेश किया गया है उसका विवरण मैच नहीं कर रहा है। इस वजह से अपने सहारा कार्यालय से संपर्क करें अथवा फिर से बाण्ड के संबंध में पूरी जानकारी ऑनलाईन भेजें। यह सूचना मिलने के बाद हजारों निवेशकों द्वारा दोबारा भी ऑनलाईन अप्लाई किया गया। बावजूद इसके उनके खाते में कोई राशि नहीं भेजी गई। इस संबंध में अप्लाई करने के बाद निवेशक के मोबाईल नंबर पर यही मैसेज आता है कि उनके बाण्ड के संबंध में यहां कोई जानकारी दर्ज नहीं है। हैरत की बात तो यह है कि इस मामले में सहारा निवेशकों की कोई मदद जिला स्तर से अभी तक करने की कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है। चर्चा के दौरान कुछ निवेशकों ने बताया कि सीधी जिले से हजारों लोग अपने कागजात लेकर ऑनलाईन आवेदन करने के लिए जिला मुख्यालय कई बार आए। ऑनलाईन अप्लाई करने के बाद ही उनके खाते में राशि नहीं आ रही है। केवल यही मैसेज सभी को मिल रहा है कि उनके द्वारा भेजी गई जानकारी यहां मैच नहीं हो रही है। अपने सहारा कार्यालय से संपर्क करें।

सहारा कार्यालय स्थाई रूप से हो चुका है बंद

जिला मुख्यालय में सहारा का कार्यालय अंतिम समय में स्टेडियम मार्ग में सूखा नाला के ऊपर संचालित था। सालों यहां हमेंशा ताला ही लटकता रहता था। इस वजह से यदि कोई निवेशक कार्यालय में आकर राशि वापसी के संबंध में आवश्य जानकारी लेना चाहे तो नहीं मिलती थी। कार्यालय में एक-दो कर्मचारी यहां पदस्थ थे। कभी कभार कार्यालय का आधा शटर उठा हुआ देखा जाता था। सहारा के हजारों निवेशकों की भीड़ अपनी जमा पूंजी पाने के लिए कार्यालय में रोजाना पहुंचती थी। करीब 2 साल से सहारा कार्यालय स्थाई रूप से बंद हो चुका है। पहले जो व्यक्ति सहारा में एजेंट थे उनके द्वारा जब तक कार्य था कमीशन में काफी कमाई की गई। जब उनके निवेशकों की जमा पूंजी लौटने को लेकर अनिश्चितता निर्मित हो गई तो संबंधित एजेंट भी अपना पल्ला झाड़ चुके हैं। उनके द्वारा निवेशकों की कोई भी मदद नहीं की जा रही है। जिले के हजारों निवेशक अपनी जमा पूंजी पाने के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर हैं।

सहारा में निवेशकों की सालों से फंसी है राशि

जिले के हजारों निवेशकों की राशि सहारा बैंक में सालों से फंसी हुई है। खाता एवं बाण्ड की अवधि पूर्ण हो जाने के बाद भी राशि वापसी का कोई रास्ता नहीं निकल रहा है। जिसकी शिकायत पुलिस के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से निवेशक समय-समय पर करते रहे हैं। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पंकज कुमावत के प्रयासों से कुछ निवेशकों की राशि पुलिस की सख्ती के चलते वापस की गई थी। उस दौरान एक करोड़ से ज्यादा की राशि निवेशकों को वितरित की गई थी। बावजूद इसके वर्तमान में भी ऐसे हजारों निवेशक हैं जिनकी जमा पूंजी फंसी हुई है। उन्हें उम्मीदें थी कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लांच किये गये पोर्टल के माध्यम से राशि वापिस मिल जायेगी किन्तु निवेशक ऑनलाईन आवेदन कई बार कर चुके हैं और उनकी राशि वापसी के संबंध में भ्रामक मैसेज मोबाईल पर मिल रहे हैं।

थोक सब्जी मंडी में सुविधाओं का भारी अभाव: कमलेश्वर

पूर्व मंत्री ने लिया थोक सब्जी मंडी का जायजा

जागरण, सीधी

मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय कांग्रेस सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल ने शहर की थोक सब्जी मंडी का आज जायजा लिया। इस दौरान उन्होने थोक सब्जी मंडी परिसर की एक-एक सुविधाओं की जानकारियां व्यापारियों एवं सब्जी लेकर आए किसानों से ली। मीडिया से चर्चा के दौरान श्री पटेल ने कहा कि 2 करोड़ की लागत से थोक सब्जी मंडी का निर्माण कराया गया है। विगम माह ही मुख्यमंत्री यहां आकर थोक सब्जी मंडी का उद्घाटन किए। हैरत की बात तो यह है कि 2 करोड़ की राशि खत्म होने के बावजूद यहां थोक सब्जी विक्रेताओं के लिए समुचित व्यवस्थाएं नहीं हैं। पहले दिन बारिश में थोक सब्जी मंडी परिसर में भारी जल भराव हो चुका है। ऐसे में यहां के व्यापारी एवं सब्जियों को लेकर आने वाले किसानों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। श्री पटेल ने कहा कि जिस तरह से भारी भरकम राशि खर्च की गई है उससे आभाष होता है कि उसमें भारी भ्रष्टाचार हुआ है। यदि 2 करोड़ की लागत से थोक सब्जी मंडी का निर्माण किया गया होता तो यहां सभी सुविधाएं मुहैया हो सकती थी। थोक सब्जी मंडी परिसर में न तो बाउंड्रीवाल है और न ही पर्याप्त शेड बनाए गए हैं। जिससे काफी संख्या में व्यापारियों को तिरपाल लगाकर बाहर अपना व्यापार करना पड़ रहा है।

एक पेड़ मां कुसुम साहू के नाम का रोपण

जागरण, सीधी। राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के प्रतीक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर नगर परिषद रामपुर नैकिन में वृक्षारोपण किया गया। नगर परिषद रामपुर नैकिन अध्यक्ष एवं प्रदेश मंत्री भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा रामकुमार साहू ने माता श्रीमती कुसुम साहू के साथ वृक्षारोपण करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्र के प्रति निष्ठा, त्याग और बलिदान सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे। श्री साहू ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करने की अपील की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती समारोह का हुआ आयोजन

जागरण, सेमरिया। माय भारत नेहरू युवा केंद्र सीधी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती समारोह का आयोजन आज दिनांक 6 जुलाई 2025 को ग्राम कुबरी में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत क्षेत्र कुबरी के सरपंच संतोष कोल एवं विशिष्ट अतिथि रिटायर्ड कृषि सेवक जिला सहकारी बैंक सीधी लक्ष्मण कुशवाहा, रिटायर्ड प्रधानाध्यापक रामावतार कुशवाहा, शंकर कुशवाहा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्र में माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बलिदान और राष्ट्रभक्ति को याद किया गया एवं पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ नागरिक श्रीनिवास साहू, पवन कुशवाहा, रामायण कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, रामसिया कुशवाहा, राजेश विश्वकर्मा बब्लू, सुनील कुमार नवैत, अजय कुमार नवैत, रामगरीब कोरी, रवि साहू, राजेश कोल, काजल कोल एवं अन्य युवा साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों का आभार राजेश विश्वकर्मा बब्लू द्वारा व्यक्त किया गया एवं मंच का संचालन रावेंद्र प्रजापति द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने ली स्कूल की समीक्षा बैठक

जागरण, सीधी। आयुक्त रीवा संभाग बीएस जामोद, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी और सीईओ जिला पंचायत श्री अंशुमन राज से प्राप्त निर्देश एवं मार्गदर्शन के क्रियान्वयन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 5 जुलाई 2025 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र 2 सीधी में जिले भर के प्राचार्यो की बैठक आयोजित हुई। डीईओ पवन कुमार सिंह ने प्राचार्यो से चर्चा करते हुए निर्देशित किया कि शिक्षक समय से स्कूल पहुंचे एवं समय तक उपस्थित रहे। अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा। सीएम हेल्पलाइन का समय पर निराकरण करें। किसी भी स्थिति में जीर्ण शीर्ण भवन में कक्षा संचालित नहीं करें। विधि विभाग के नोडल राकेश जायसवाल ने विधि संबंधी प्रकरणों के तत्काल निराकरण हेतु चर्चा की गई। राम कृष्ण तिवारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन के तत्काल निराकरण की चर्चा की गई। बैठक में एडीपीसी प्रवीण शुक्ल द्वारा अपार आईडी, एक पेड़ मां के नाम, परीक्षा परिणाम हेतु प्राचार्य को बधाई देते हुए विस्तार से चर्चा की गई। एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र द्वारा विद्यार्थियों के नामांकन, पुस्तक वितरण, ब्रिज कोर्स का संचालन, शैक्षणिक सत्र 2025 -26 की कार्य योजना तैयार करने, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला, लाइब्रेरी, और टैबलेट का उपयोग, इंस्पायर अवार्ड 2025 के लिए नामांकन, मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के नामांकन, समावेशी शिक्षा में छात्रों का चिन्हांकन, विद्यांजलि पोर्टल, ड्रॉप आउट रोकने तथा ट्रांजिशन दर में वृद्धि हेतु प्रयास, शिक्षक दैनिन्दनी, निरीक्षण पंजी का संधारण, अवकाश पंजी, खगोलीय क्लब, उमंग कार्यक्रम, उज्जवल कार्यक्रम, स्काउट-रेड क्रॉस, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं नियमित कक्षा संचालन, 23 नए वोकेशनल स्कूल का संचालन, पुस्तकालय की स्थिति एवं उपयोग आदि विषय पर प्राचार्यो से विस्तार में चर्चा की गई।

व्यापारी संघ के इशारे पर प्रशासन ने की कार्रवाई: विवेक

शिवसेना उपाध्यक्ष के विरोध पर मुकदमा दर्ज

जागरण, सीधी

जिले में इन दिनों लोकतंत्र और न्याय प्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। व्यापारी संघ और प्रशासन के बीच सांठ-गांठ की तस्वीर सामने आ रही है, जहां सत्ता के संरक्षण में व्यापारियों पर जोर जबरदस्ती का खेल खेला जा रहा है। कथित जजिया कानून जैसे तानाशाही फरमानों के खिलाफ आवाज उठाने पर शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय पर मुकदमा दर्ज कर प्रशासन ने एकतरफा कार्रवाई कर डाली है। पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय ने कहा यह लड़ाई सिर्फ मेरे खिलाफ नहीं बल्कि पूरे व्यापार समाज की आवाज को कुचलने की कोशिश है। मैं अंतिम सास तक तानाशाही और गुंडागर्दी के खिलाफ लड़ाई जारी रखूंगा। मामले की शुरुआत तब हुई जब स्थानीय व्यापारी संघ ने बिना किसी आधिकारिक आदेश के पूरे शहर में बाजार बंद कराने की अपील की। बताया गया कि नियमों को ताक पर रखकर दुकानदारों को धमकाया गया और जुर्माने के नाम पर भय फैलाया गया। इसे लेकर व्यापारियों में रोष व्याप्त हो गया। शिवसेना नेता विवेक पाण्डेय ने इस एकतरफा निर्णय का कड़ा विरोध करते हुए इसे तानाशाही जजिया कानून करार दिया और खुले तौर पर व्यापारियों का समर्थन किया। उन्होंने छोटे दुकानदारों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। विवेक पाण्डेय ने मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाकर व्यापारी संघ की दबंगई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। लेकिन प्रशासन ने न्याय करने के बजाय उल्टा उन्हीं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया। इससे यह संदेश गया कि प्रशासन कहीं न कहीं व्यापारी संघ के दबाव में काम कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब विवेक पाण्डेय व्यापारियों की आवाज बनने सड़क पर उतरे, तो व्यापारी संघ के अध्यक्ष 50 से अधिक लोगों के साथ उनके सामने झड़प पर उतर आए। धक्का-मुक्की और अपशब्दों के बीच स्थिति तनावपूर्ण हो गई, लेकिन पाण्डेय पीछे नहीं हटे। इसके बाद विवेक पाण्डेय ने व्यापारी जागरूकता अभियान की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने दुकानदारों को उनके अधिकारों और प्रशासनिक नियमों की जानकारी दी। इस अभियान के जवाब में व्यापारी संघ अध्यक्ष पुनः 50 समर्थकों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे और पांडे के खिलाफ मामला दर्ज कराने का दबाव बनाया। आखिरकार, पुलिस ने विवेक पाण्डेय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। व्यापारी संघ के भारी दबाव और धमकियों के बावजूद, रविवार को पूरा बाजार खुला रहा। व्यापारियों ने विवेक पाण्डेय के नेतृत्व और समर्थन पर भरोसा जताया और बंदी की अपील को सिरे से खारिज कर दिया। इससे साफ हो गया कि व्यापारी संघ अब अपने निर्णय थोपने में विफल हो रहा है।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

हरियाली महोत्सव पर मझौली थाने में रोपित किए गए पौधे

जागरण, मझौली। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व निर्देशन में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाए जा रहे हरियाली महोत्सव के अवसर पर मझौली थाना प्रभारी विशाल शर्मा द्वारा विगत दिवस मझौली थाना प्रांगण में वृहद पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित कर एक सैकड़ा से अधिक फलदार, औषधीय, छायादार पौधे रोपित किए गए, जहां अधिवक्ता संघ एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड मझौली के सदस्यों के साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक पत्रकार व अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे। थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने मीडिया के चर्चा के दौरान बताए कि 1 जुलाई से 7 जुलाई तक हरियाली महोत्सव मनाया जा रहा है। जिस अवसर पर शासन के मनसा अनुसार पुलिस विभाग द्वारा पौधा रोपण अभियान चलाया गया है। जिसका शुभारंभ जिला मुख्यालय में किया गया है। तथा जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी प्रांगण में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार पौधा रोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज यहां पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए कई फलदार, औषधीय, छायादार वृक्ष लगाए गए हैं। इस कार्यक्रम में एक छोटी सी अपील में मझौली ब्लॉक के अधिवक्ता संघ, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड मझौली के सदस्य, पत्रकार शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाए। आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से नवीन निर्वाचित हुए अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एड. महेंद्र सिंह गौतम, पूर्व अध्यक्ष एड. सुधीन्द्र शुक्ला, एड. पवन तिवारी, एड. वीरेंद्र सिंह, एड. कमलेश रजक, अशोक सिंह, सचिव एड. श्याम कार्तिक पाण्डेय, एड. उमेश पाण्डेय, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश तिवारी, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड मझौली से पंकज तिवारी, शिवम शुक्ला, मनोज द्विवेदी, अनुपम सिंह, अविनाश सिंह, रोहित द्विवेदी, आकाश सिंह, सौरभ शुक्ला, नीतेश शुक्ला, आलोक शुक्ला, राहुल मिश्रा, आदर्श दुवेदी, पिंटू शुक्ला, रितिक शर्मा, रवि केवट के साथ मझौली थाने का पुलिस बल क्षेत्र क्षेत्रीय पत्रकार तथा लोग शामिल रहे।

मड़वास में मोहर्रम पर निकाली गई ताजिया, दी गई शहादत

मुस्लिम समुदाय के लिए गम और मातम का है माह

जागरण, सीधी

जिले के मड़वास मुस्लिम समुदाय द्वारा ताजिया नूरी मोहल्ला से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कर्बला शरीफ तक जुलूस निकालकर शहादत दी गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए मोहर्रम का महीना बहुत ही खास माना जाता है क्योंकि यह इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना होता है। मुस्लिम समुदाय के लिए रमजान के बाद मोहर्रम दूसरा सबसे पवित्र और खास महीना माना जाता है। मोहर्रम को दुनिया भर के मुसलमानो द्वारा एक पवित्र माह के रूप में मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार हर साल मोहर्रम की तारीख बदलती रहती है। इसका कारण यह है कि इस्लामिक कैलेंडर एक चांद कैलेंडर है। ऐसे में इस वर्ष 2025 में मोहर्रम 6 जुलाई को मनाया गया। वही मोहर्रम की दसवीं तारीख को यौम-ए-आशूरा में मनाया जाता है। मोहर्रम के ही दिन इस्लामी साल की शुरुआत होती है मोहर्रम के महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग पैगंबर मोहम्मद के नवासे की शहादत की गम मानते हैं। कहा जाता है कि सन 61 हिजरी 680वी में इराक के कर्बला में पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन समेत उनके 72 साथी शहीद हो गए थे यह जंग इराक के कर्बला में यजीद की सेना और हजरत इमामे हुसैन के बीच जंग हुई थी इसी जंग में ही इमामे हुसैन ने इस्लाम की रक्षा में अपने 72 साथियों के साथ शहादत दे दी थी। इमामे हुसैन और उनके साथियों के शहादत के गम में ही मोहर्रम का त्यौहार मुस्लिम भाइयों द्वारा मनाया जाता है और यह मोहर्रम का महीना गम का महीना होता है। यौम-ए-यौम-ए-आशूरा यह मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए मातम का दिन होता है। इस्लाम धर्म से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार, करीब 1400 साल पहले मुहर्रम के 10वें दिन ही पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। सुन्नी समुदाय के लोग मुहर्रम के नौंवी और दसवीं तारीख को रोजा रखते हैं। यौम-ए-आशूरा के दिन लोग काले कपड़े पहनते हैं और मातम मनाते हैं। शहरों के इमामबाड़े से ताजिए का जुलूस निकाला जाता है। ताजिया एक गुंबदनुमा आकार का होता है, जिसे बांस, कई रंगों के कागज और पन्नी की सहायता से बनाया जाता है। इसे हजरत इमाम हुसैन की कब्र के प्रतीक के रूप में तैयार किया जाता है। मोहर्रम पर्व पर मुस्लिम समुदाय द्वारा निकाली जाने वाले ताजिया जुलूस के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस व्यवस्था तैनात रही। मड़वास में निकाली गई ताजिया जुलूस में बतौर सुरक्षा व्यवस्था नायब तहसीलदार मड़वास धन कुमार टोप्पो, नवागत थाना प्रभारी मड़वास भूपेश कुमार वैस, सहायक उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह परिहार, मड़वास पुलिस स्टाफ सहित उपस्थित रही।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की नगदी रहित उपचार स्कीम

जागरण, सीधी। देश में सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी सम्पूर्ण देश में नियमित मॉनीटरिंग कर रही है। समय-समय पर यह कमेटी विभिन्न राज्यों से रिपोर्ट प्राप्त कर सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी गाइड-लाइन्स की समीक्षा कर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये नगदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिये कलेक्टर्स को निर्देश भी जारी किये हैं। निर्देशों में बताया गया है कि सड़क दुर्घटना प्रकरणों में जहाँ दोषी मोटरयान के पास वैध तृतीय पक्ष बीमा कव्हरेज था, उसका भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा साधारण बीमा कम्पनियों के सहयोग से बनाये गये फंड से स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए) द्वारा अस्पताल के दावे को मंजूरी दिये जाने के 10 दिनों की समयावधि में जिला कलेक्टर्स के अनुमोदन से जिला स्तर पर ही केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित फंड से किया जायेगा।

तीन माह तक बंद रहेगा संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पर्यटन

वर्ष में नौ माह तक चलता है कोर जोन में सफर

सैलानियों की आवक में 25 फीसदी का रहा इजाफा

जागरण, सीधी

जिले की पहचान संजय टाइगर रिजर्व का 30 जून को एक पर्यटन सत्र पूरा हो गया। अब आगामी तीन माह तक यहां प्रवेश पूरी तरह बंद कर दिया गया है। अक्टूबर से लेकर जून तक 9 माह में टाइगर रिजर्व का कोर एरिया खुला रहता है जिसमें ऑनलाइन परमिट के माध्यम से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को भ्रमण की अनुमति दी जाती है वर्तमान वर्ष में 30 जून को एक सत्र पूरा हुआ जिसमें जिप्सी वाहनों ने देशी विदेशी पर्यटकों को वन भ्रमण कराया गया। इस वर्ष पिछले वर्ष के मुकाबले 25 फीसदी ज्यादा संख्या में पर्यटकों ने संजय टाईगर रिजर्व में पहुंचकर वन भ्रमण का आनंद उठाया। ज्ञात हो कि जुलाई अगस्त और सितंबर माह में वन्यजीवों को स्वतंत्र रूप से विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता है और किसी प्रकार का अवरोध न हो इसलिए बरसात में 3 महीने पर्यटन का कोर क्षेत्र भी बंद रहता है वर्तमान में इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों के लिए मध्य प्रदेश पर्यटन पर परसिली रिजॉर्ट के साथ अन्य होटल खोले गए हैं जिनकी संख्या सात हो चुकी है। खास बात है कि एक सीजन में पर्यटन से विभाग को लगभग 50 लाख रुपए का राजस्व आता है जो वन प्रबंधन पर्यटन प्रचार-प्रसार एवं वन से संबंधित अन्य कार्यों में खर्च किया जाता है किंतु इस क्षेत्र में किसी प्रकार की सुविधा न होने पर विभाग से किसी प्रकार की सहयोग नहीं दी जाती।

रमणीक पर्यटन स्थलों पर नजर

संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र में कन्हैयादह परिक्षेत्र मोहन के अंतर्गत गरूलडांड में साथ नामक नाला में एक अत्यंत रमणीक जल प्रपात है। यहां पहुंचकर प्रकृति की मनोहारी प्रकृति की अनुभूति होती है। बेटीदह बस्तुआ परिक्षेत्र के जामडोल ग्राम के पास स्थित अत्यंत रमणीक जल की धारा है। यहां पानी की धार को पत्थरों पर अठखेलियां करते हुए देखना व उनके द्वारा चट्टानों को तराशते हुए देखना विश्मयकारी अनुभव है। वहीं ठोंगा मंदिर मझौली तहसील मुख्यालय से पोड़ी रोड पर मझौली से 5 किमी व जिला मुख्यालय से करीब 55 किमी की दूरी पर ठोंगा पहाड़ी पर चट्टानों की अद्भुत संरचना पर मंदिर का मनोरम नजारा लोगों के मन में स्वत: एक जिज्ञासा उत्पन्न करता है। यह मंदिर पहाड़ों की पतली खड़ी चट्टान पर स्थित है। गिद्धा पहाड़ मझौली से 12 किमी दूरी पर स्थित पहाड़ी क्षेत्र है। इस क्षेत्र में किसी समय गिद्धों की विभिन्न प्रजातियां निवास करती थी। इस कारण से इसका नाम गिद्ध पहाड़ पड़ा। यहां अभी भी गिद्ध की अनेक प्रजातियां निवास करती हैं। राजागढ़ी मड़वास बफर क्षेत्र में स्थित है। यहां पर लगभग 200 वर्ष पूर्व बालेंद्र वंश के राजाओं की राजधानी के अवशेष मिलते हैं। इस गढ़ी के आस पास देखने से विंध्य पर्वत मालाओं की श्रृंखलाएं अत्यंत सुंदर दिखाई देती हैं। संजय टाइगर रिजर्व के भुईमाड़ बफर के अंतर्गत भुइमाड़ से 2 किमी की दूरी पर स्थित करीब 300 वर्ष प्राचीन गुफा है, जिसमें स्थानीय मान्यताओं के अनुसार दूसरे राजाओं के आक्रमण या चढ़ाई के दौरान शरण लेते थे।

> संजय टाईगर रिजर्व सीधी में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 30 जून के बाद पर्यटकों की आवाजाही फिलहाल रोंक दी गई है। संजय टाईगर रिजर्व में अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से पर्यटकों की आवाजाही फिर शुरू हो जाएगी।
>
> **राजेश कन्ना टी, डीएफओ संजय टाईगर रिजर्व सीधी।**

औचक निरीक्षण कर लिया घटना का संज्ञान

खबर का असर

अवरूद्ध रास्ते को अतिशीघ्र खोलने का दिया आश्वासन, कार्यवाही का इंन्तजार

पन्ना। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर पन्ना- पहाड़ीखेड़ा मार्ग पर ग्राम पंचायत इटवां खास के अंतर्गत आने वाले जयपाल कालोनी मड़ईयन में 5 जुलाई को बारिश से गरीबों के घर पानी में डूब गए थे। जिसके लिए ग्रामीणों ने नाले के बीच प्रभावशील लोगों द्वारा अतिक्रमण करते हुए, पत्थरों की बाड़ खकरी खड़ी करने के आरोप लगाए थे। जिससे कारण बारिश का पानी नाले के अवरूद्ध होने से उनके घरों में भर गया था। इस मामले को दैनिक जागरण ने प्रमुखता से उठाया था। परिणामस्वरूप प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए, घटना के दूसरे दिन सुबह ही औचक निरीक्षण किया। आला अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एसडीओ जल संसाधन विभाग, नायब तहसीलदार शशिकांत दुबे और पटवारी महेंद्र पटेल ने निरीक्षण कर, पाया कि बरसाती नाले पर अतिक्रमण करते हुए बीच नाले में पत्थरों की बाड़ खकरी का निर्माण किया गया है और अन्य अतिक्रमण भी किया जा रहा है। जिस पर अतिशीघ्र कार्यवाही करते हुए, नाले के अवरूद्ध रास्ते को खोलने का आश्वासन दिया गया है। वहीं ग्रामीणों का कहना है, वह यहां पर पचास से अधिक सालों से घर बनाकर रह रहे हैं। लेकिन उन्हें इस तरह से जलभराव की समस्या से नहीं जूझना पड़ा है। बल्कि बरसाती नाले के अवरूद्ध किए जाने और सिरस्वाहा बांध में पानी के जलस्तर के अनियंत्रित होने से ही इस तरह की स्थिति निर्मित होती है। विदित है कि लगातार हो रही से बारिश से ग्रामीणों में घरों में फिर से पानी भरने और अनहोनी घटित होने की आशंका को लेकर दहशत का माहौल है। अब देखना ये है कि प्रशासन

आश्वासन के बाद कितनी जल्दी कार्यवाही करते हुए, बरसाती नाले के अवरूद्ध रास्ते को खुलवाकर, ग्रामीणों को दहशत से मुक्त करती है।

पवई में श्रद्धापूर्वक मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किए पुष्पांजलि अर्पित, वक्ताओं ने किए विचार साझा

पवई। रविवार को भाजपा के पितृपुरुष और एकात्म राष्ट्रवाद के प्रणेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती भाजपा मंडल पवई द्वारा विधायक कार्यालय में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पुष्पेंद्र पटेल, जिला महामंत्री दीपेंद्र सिंह परमार सहित अनेक वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, बलिदान और भारत की एकता व अखंडता के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बुंदेलखंड साहित्य अकादमी की स्थापना होने की पहल से चिन्तक ने किया हर्ष व्यक्त

वर्षों पुरानी मांग हुई पूर्ण

पन्ना। लगभग दो दशक से भोपाल में बुंदेली अकादमी स्थापित करने की मांग को लेकर संघर्ष करने वाले बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कवि लक्ष्मी नारायण चिरौलया ने कहा कि देर ही सही लेकिन दुरस्त भोपाल में बुंदेलखंड साहित्य अकादमी स्थापित होने की पहल से चिरौलिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को बधाई देते हुए कहा कि मेरी वर्षों पुरानी मांग पूर्ण हुई है भले उसका शीर्षक बुंदेली अकादमी ना होकर बुंदेलखंड साहित्य अकादमी नाम रखा गया! निश्चित रूप से संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने बुंदेली भाषा के उन्नयन की ओर एक दूर दृष्टा बनकर बुंदेलखंड साहित्य अकादमी को भोपाल में स्थापित करने की शुरुआत की तो निश्चित रूप से उन्होंने बुंदेली भाषा को उसके हक के अनुसार मान सम्मान देकर बुंदेलखंड वासियों का कर्ज चुकाने का भरसक प्रयास किया है तो वह बधाई के पात्र बन जाते हैं !अंत में बुंदेली साहित्य संस्कृति परिषद पन्ना के संयोजक चिरोल्या ने संक्षिप्त में बताया कि बुंदेली अकादमी अर्थात बुंदेलखंड साहित्य अकादमी की मांग को लेकर बीते दो दशकों में जो प्रयास किए वह संस्कृति मंत्री श्री लोधी को उन प्रयासों से अवगत कराया जाएगा।

भाजपा जिला कार्यकारिणी के गठन की सुगबुगाहट बढ़ी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव का छः माह से चल रहा था इंतजार

जागरण, रीवा

पिछले छः महीने का इंतजार अब जल्द ही खत्म होने वाला है। राजधानी में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव के बाद अब जिला कार्यकारिणी के गठन का रास्ता भी साफ हो गया है। उल्लेखनीय है कि 6 माह पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष के चुनाव के बाद तत्कालीन भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा गठित जिला कार्यकारिणी भंग हो गई थी। लेकिन नई कार्यकारिणी का गठन अभी तक नहीं हो पाया था। वे नेता व कार्यकर्ता जो पिछली कार्यकारिणी में अपनी जगह नहीं बना पाए थे, इस बार उम्मीद लगाए बैठे थे। लेकिन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव न होने के कारण जिला कार्यकारिणी का गठन नहीं हो पाया। जिला कार्यकारिणी का गठन न होने के कारण वे नेता अभी तक टकटकी लगाए हुए हैं। अब जबकि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव हो चुका है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल बन चुके हैं और उन्होंने अपनी नीति स्पष्ट कर दी है कि वे ही कार्यकर्ता पदाधिकारी होंगे जो पार्टी के लिए समर्पित होंगे। केवल स्टेटस सिंबल के लिए ओहदा लेने वालों को जगह नहीं मिलेगी। इस तरह साफ है भाजपा की जिला कार्यकारिणी के गठन में उन नेताओं व कार्यकर्ताओं को तवज्जो मिल सकती है जो पार्टी की मजबूती के लिए काम करते हैं, न कि अगली पंक्ति में फोटो खिंचवाने अपनी नेतागिरी चमकाने में लगे रहते हैं। यदि सत्ता का दखल कमजोर न रहा तो भाजपा के कर्मठ नेताओं को कार्यकारिणी में जगह मिलना तय है लेकिन यदि सत्ता की दखल हुई तो नेताओं के आगे-पीछे दौड़ने वाले लोगों को ही संगठन में जगह मिलेगी।

गणेश परिक्रमा शुरू

भाजपा जिला कार्यकारिणी में जगह पाने के लिए कुछ कार्यकताओं ने परिक्रमा शुरू कर दी है। वह सुबह शाम खुशामद करते नजर आ रहे हैं। ये नेता भाजपा जिला अध्यक्ष व पावरफुल नेताओं के आगे पीछे दौड़ना शुरू कर दिये हैं। कुछ भाजपा जिला अध्यक्ष व उनके पूरे परिवार के जन्म, विवाह की पूरी कुंडली तैयार चुके हैं। उनके साथ अपनी फोटो चिपकाकर फेसबुक व इंस्टाग्राम में बधाई पोस्ट डालकर करीबी का दिखावा करते नजर आना शुरू कर दिये हैं। अब देखना यह है कि मेहनती कार्यकताओं को स्थान मिलता है कि नेताओं की गणेश परिक्रमा करने वालों को स्थान मिलेगा।

स्वच्छता जागरुकता टीम द्वारा की गई पचमठा घाट में सफाई

जागरण रीवा। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किये गये। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नगर निगम की स्वच्छता जागरुकता टीम द्वारा जोन क्रमांक 01 वार्ड क्रमांक 35 में सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत बीहर नदी के पचमठा घाट में सफाई श्रमदान किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घाट एवं उसके आसपास कचरे की सफाई की गई। इसी के साथ स्वच्छता टीम के द्वारा जोन क्र. 04 वार्ड 26 स्थित वेदांता पब्लिक स्कूल, छत्रपति नगर में सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के तहत विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को बारिश के मौसम में होने वाली विभिन्न बीमारियों से सुरक्षा एवं बचाव हेतु विशेष जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि सबसे पहले स्वयं की सफाई, अपने घर की सफाई अपने आस-पड़ोस मोहल्ले, शहर को साफ स्वच्छ रखना होगा। जिससे किसी भी तरह की बीमारियां ना पनपें और हम बीमारियों से ग्रसित ना हो, विद्यालय परिसर में उपस्थित सभी अध्यापक व छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के संबंध में स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी बालगोविन्द चतुर्वेदी, स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड दरोगा, सफाई मित्र एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

घोघर में जमींदोज हुआ जर्जर मकान

गुरुवार आधी रात कबाड़ी मोहल्ले में गिर चुका है जर्जर मकान

जागरण, रीवा। बारिश का शुभारंभ होते ही शहर में जर्जर मकानों के धराशायी होने का सिलसिला भी जारी है। शुरुआत में रुक-रुक कर बारिश हो रही थी, अभी भी शहर व समीपस्थ क्षेत्रों में हुई बारिश को तेज अथवा अधिक बारिश नहीं बता सकते, किन्तु जो बारिश हो रही है उसमें ही शहर के जर्जर मकान जमींदोज हो रहे हैं। शनिवार को शहर के घोघर क्षेत्र में सड़क किनारे स्थित दो मंजिला मकान धराशायी हो गया। जिसका मलबा सड़क पर बिखर गया, आसपास निवासरत व यहां से निकलने वालों का नसीब कि जिस समय मकान जमींदोज हुआ आसपास कोई नहीं था। गुरुवार रात ही कबाड़ी मोहल्ले में दो मंजिला मकान गिर चुका है, शहर के कई मोहल्ले, वार्ड में सैकड़ों जर्जर मकान खड़े हैं, इनमें से कौन सा जर्जर भवन कब गिर जाए, कहा नहीं जा सकता।

निगम के आदेश का नहीं हुआ पालन

नगर निगम द्वारा गत वर्ष जर्जर आवास के मालिकों को नोटिस देकर अपने मकानों को डिस्मेंटल करने के निर्दश दिए गए थे, जिनमें से कुछ ने तो अपने मकान डिस्मेंटल करवा दिए किन्तु कुछ लोगों ने निगम के उक्त आदेश का पालन नहीं किया, वहीं निगम ने भी इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। जिससे शहर भर के कई स्थानों पर खड़े जर्जर भवन शहरवासियों की जान जोखिम में डाल सकते हैं।

बरसात में लोगों के लिए आफत बन गया फोरलेन बायपास सड़क का निर्माण

कम्पनी की मनमानी से चोरहटा से रतहरा तक जगह-जगह हो रहा सड़क के किनारे जलभराव

जागरण, रीवा। बरसात के चलते चोरहटा से रतहरा तक हो रहा फोरलेन बायपास सड़क का निर्माण लोगों के लिए आफत बन गया है। भौगोलिक संरचना का सर्वे किये बगैर सड़क निर्माण के लिए मिट्टी पाट देने के कारण जगह-जगह जलभराव होने से लोगों का अपने घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। कई जगह तो पूरे रास्ते में 3 से 4 फिट उपर तक पानी भरा हुआ है जिसकी वज़ह से कालोनी वासियों का आवागमन बंद हो गया है। योजनाबद्ध निर्माण नहीं किये जाने से दर्जनों गांवो के लोग परेशान हो रहे है। बताया गया है कि रतहरा बायपास टोल प्लाजा के पास रिहायशी कॉलोनी की ओर जाने वाले रास्ते में सड़क निर्माण के लिए मिट्टी डाली गई है जिसके कारण पानी निकासी पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है। पानी की निकासी नहीं होने से पूरे रास्ते में घुटने से कमर तक तक पानी भरा हुआ है। इस वजह से कॉलोनी वासी अपने घरों में कैद होकर रह गये हैं। हालत यह हो गई है कि वाहनों का आना जाना पूरी तरह से बंद हो गया है, कोई पैदल भी नहीं जा सकता है। यहां तक की जलभराव होने के कारण कोई भी बच्चा स्कूल नहीं जा रहा है। ऐसी स्थिति में यदि कोई बीमार हो जाए तो वह अस्पताल नहीं पहुंच सकता है।

बायपास पार नहीं कर पा रहे वाहन : फोरलेन बायपास सड़क निर्माण के लिए चोरहटा से रतहरा तक प्रत्येक अंडरपास के बगल में एक और अंडरपास का निर्माण का निर्माण किया जा रहा है। इन अंडरपास से आने जाने वालों की सुविधा के लिए कंपनी द्वारा बायपास के ऊपर से जो डायवर्सन मार्ग तैयार किये गये हैं, वे सभी के सभी कच्चे बनाये गये हैं जिनके कारण बरसात के दिनों में वाहनों का बायपास पार असंभव हो गया है। बायपास में अजगरहा, किटवरिया, दुआरी, मैदानी, गोड़हर अंडरपास निर्माण स्थलों में कच्चे डायवर्सन का निर्माण करने के कारण दर्जनों गांवों के वाहनों का जिला मुख्यालय आना बंद हो गया है।

पूरे बायपास में फंसते और पलटते है वाहन

फोरलेन बायपास सड़क नि्र्माण के लिए चोरहटा से रतहरा तक पुराने बायपास सड़क की पटरी को भी खोद दिया गया है जिसके कारण प्रतिदिन इससे गुजरने वाले वाहन कहीं भी फंस जाते हैं। कई वाहन तो पलट भी जाते हैं। फिर इनको सड़क पर लाने के लिए क्रेनों का सहारा लेना पड़ता है। भारी वाहनों को सीधा करके सड़क पा लाने के लिए दो से तीन क्रेन बुलानी पड़ती हैं।

पार्षद की जगह पुत्र अपने हस्ताक्षर से कर रहे दस्तावेजों का सत्यापन

जाति प्रमाण पत्र के लिए भटक रहा आवेदक, नहीं हो रहा प्रवेश

जागरण,रीवा। स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है, छात्रों को प्रवेश के लिए जाति प्रमाण पत्र की मांग की जा रही है लेकिन वार्ड पार्षद के सत्यापन के चलते यह जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदक भटक रहे हैं। इस प्रकार के एक मामले की शिकायत वार्ड क्रमांक 30 निवासी दिलीप चिकवा ने की है, उन्होंने सीएम हेल्पलाइन शिकायत क्रमांक 33219253 में बताया है कि उनको अपने बेटे गगन कुमार चिकवा का स्कूल में प्रवेश कराना है, इसके लिए स्कूल वालों ने जाति प्रमाण पत्र मांगा है, वह नहीं बना था और जब बनवाने गए तो वहां वार्ड पार्षद का सत्यापन मांगा गया। वार्ड पार्षद रुखसाना बेगम के पास गए तो उन्होंने कहा कि सत्यापन सहित अन्य कार्य उनका बेटा गुल मोहम्मद करता है। वह हस्ताक्षर नहीं करतीं। गुल मोहम्मद ही सभी दस्तावेजों में अपना हस्ताक्षर करता है और जब वह आ जाए तो आकर करा लेना। दिलीप चिकवा ने बताया कि जब वह गुल मोहम्मद के पास गए तो उन्होंने पहले तो कहा कि तुम लोगों ने मुझे वोट नहीं दिया है और जिसको वोट दिया था उससे जाकर सत्यापन करा लो। फिर बातचीत के बाद कहा कि बाद में आना और भटकाते रहे।

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल बैढ़न (सिंगरौली) म0प्र0

वार्षिक ई-निविदा सूचना आमंत्रण बर्ष 2025-26 षष्ठम आमंत्रण

जिला जेल बैढ़न (सिंगरौली) में परिरुद्ध बंदियों के उपयोंग हेतु 2025-26 के लिये सब्जी, दवाईयाँ क्रय करने हेतु वार्षिक ई-निविदा बेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 26/07/2025 को सायं 05.00 तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण ई-निविदा फार्म एवं ई-निविदा से संवंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in से प्राप्त करें। निविदा की निर्धारित तिथियाँ निम्नानुसार हैः-

क्र.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
01	प्रि-बिड मीटिंग	15/07/2025 प्रातः 11-00 बजे	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
02	ई-निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फार्म का मूल्य रूपये 05.00 लाख तक रूपये 500.00 एवं रूपये 05.00 लाख से अधिक रू.1000.00 लेखा शीर्ष 0056 जेलें 008 अन्य प्राप्तियों में जमा की जावेगी)	26/07/2025 प्रातः 05.00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
03	ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	26/07/2025 सायं 05.00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
04	सेम्पल जमा करने की अंतिम तिथि	27/07/2025 सायं 05.00 बजे तक	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
05	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज खोलने की अंतिम तिथि	28/07/2025 प्रातः 11.00 बजे	जिला जेल बैढ़न सिंगरौली (म.प्र.)
06	वित्तीय ई-निविदा खोलने की तिथि	30/07/2025 प्रातः 11.00 बजे तक	https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।

नोटः-
01-संबंधित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई-निविदा के नियम एवं शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी वेबसाइट पर https://www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी है।
02-व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि डिब्बा बंद/पैक सामग्रियों का मेक मॉडल/ब्राण्ड नेम का विवरण देना अनिवार्य है।

जेल अधीक्षक
जिला जेल वैढ़न (सिंगरौली) म.प्र.

जी–15245/25

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

शहर की प्रगति कहें या दुर्गति !

शहर के विकास के लिए जिम्मेदारों के पास नहीं मास्टर प्लान, पहले सड़कें, ओव्हर ब्रिज बना दिए, अब सीवरेज व पेयजल पाइपलाइन के लिए फिर कर रहे खनन

जागरण, रीवा। शहर की प्रगति के लिए जिम्मेदारों के पास लगता है कोई मास्टर प्लान नहीं है। तभी तो पहले शहर की सड़कें, ओव्हर ब्रिज निर्मित कर दिए। सड़क, ओव्हर ब्रिज बनने के बाद सीवरेज लाइन व पेयजल पाइपलाइन डालने के लिए बनाई गई सड़कों की पुनः खोदाई कर दी, जिम्मेदारों ने उक्त कार्य के लिए समय भी वर्षाकाल के पूर्व का चुना व शहर भर में खनन कर न सिर्फ शहरवासियों की समस्या बढ़ा दी है। अपितु इस दोहरे निर्माण के चलते शासन की राशि का भी दुरुपयोग हो रहा है। किसी भी शहर के विकास, प्रगति के पूर्व मास्टर प्लान बनाना अनिवार्य होता है, किन्तु उक्त नियम का लगता है रीवा शहर में पालन ही नहीं किया गया।

ओव्हर ब्रिज को पहुंच सकता है नुकसान

समान ओव्हर ब्रिज को निर्मित हुए चार-पांच वर्ष हुआ है, ब्रिज के नीचे फिर से पाइपलाइन डालने खनन किया जा रहा है, ओव्हर ब्रिज के पिलर के समीप किए जा रहे खनन से न सिर्फ पिलर को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि ब्रिज को भी नुकसान पहुंच सकता है। जिस प्रकार शहर की प्रगति के लिए ओव्हर ब्रिज, सड़क निर्माण प्रस्तावित हुआ होगा उसी प्रकार शहर में डाली जाने वाली पेयजल पाइपलाइन व सीवरेज लाइन डालने का कार्य भी पूर्व में ही प्रस्तावित हुआ रहा होगा। कायदे से सड़क व ओव्हर ब्रिज निर्माण के पूर्व पेयजल पाइपलाइन व सीवरेज लाइन डाली जा सकती थी, किन्तु ऐसा न कर पहले सड़क, ओव्हर ब्रिज निर्माण कर दिए गए, अब उन्हें दोबारा खोदा जा रहा है।

जिला भाजपा कार्यालय में मनाया गया डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती

कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

डॉ. मुखर्जी एक राष्ट्र समर्पित जीवन व्यक्तित्व : मिश्रा

जागरण, मंडला। भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को जनसंघ के संस्थापक व प्रखर राष्ट्रवादी डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती मनाई गई। इस दौरान जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, कार्यक्रम सह प्रभारी रवि सोनवानी, ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री राजेश पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष रोचीराम गुरवानी, बम्हनी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना हरदहा सहित भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी शिक्षा, राजनीति, समाज और संस्कृति के सभी क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे वर्ष 1929 में बंगाल विधान परिषद के सदस्य बने और 1934 से 1938 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति भी रहे।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने एक विचारधारा के लिए अपना पूरा जीवन लगाया। वे कभी सत्ता पर बैठने के लिए नहीं आए थे। वे अनेक बार सत्ता में आए और हमेशा विचारधारा के लिए सत्ता का त्याग भी किए थे। वही इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को मुखर्जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनहित योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे इन योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि विचारों में दृढ़ता, देशभक्ति की भावना, और सच्चाई के लिए संघर्ष करना ही सच्चा नेतृत्व होता है। आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बारे में पूरा देश जानता है कि वो जिये देश के लिए, मेरे देश के लिए, और अमर हो गए देश के लिए, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी मानते थे कि भारत केवल एक राजनीतिक सत्ता नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक इकाई है जिसकी आत्मा सनातन भारतीय परंपराओं में निहित है। उनका मानना था कि सभी भारतीय, चाहे उनकी भाषा, जाति या धर्म कुछ भी हो, एक साझी संस्कृति के उत्तराधिकारी हैं। वही जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी भारतीय उद्योगों और स्वदेशी वस्तुओं के प्रबल समर्थक थे। वे चाहते थे कि भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने, जिससे विदेशी निर्भरता कम हो और स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन मिले। डॉ. मुखर्जी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी वस्तुओं के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया जैसी पहल की नींव रखी। स्वदेशी वस्तुओं के उपभोग को बढ़ावा देने के लिए वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया तो वहीं देश और देश के नागरिक आत्मनिर्भर बने उसके लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान का शुभारंभ किया। वही मंच का संचालन सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा ने किया। वही कार्यक्रम के अंत में मंडला के वरिष्ठ समाजसेवी अशोक पांडे ने निधन उपरांत उनको भाजपा कार्यकर्ता के द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, वरिष्ठकार्यकर्ता, मातृशक्ति, जनप्रतिनिधि, नगर मण्डल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिलगढ़ा बांध का एक गेट खोला गया निचले इलाके के गांवों में अलर्ट जारी

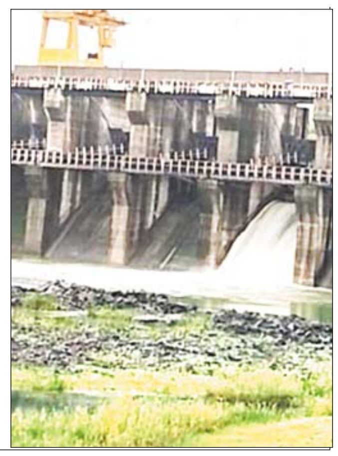

जागरण, डिंडोरी । जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते रविवार को भी दिनभर रुक-रुक कर बारिश का दौर चलता रहा। इसी बीच शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत बिलगढ़ा बांध में जलस्तर बढ़ने से प्रशासन को एक गेट खोलना पड़ा।बिलगढ़ा बांध के एसडीओ करन सिंह ने बताया कि अधिक बारिश के कारण बांध में पानी का स्तर अधिक हो गया था, जिसे नियंत्रित करने के लिए शाम करीब साढ़े पांच बजे गेट नंबर 05 को 20 सेंटीमीटर तक खोला गया। गेट खुलने से लगभग 7.86 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है।गेट खोलने से पहले ही निचले इलाके के गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया था। प्रशासन द्वारा बिलगांव, पिपरिया खुर्द, अमथेरा, बरगांव, करौंदी, इंदौरी, घुंडीसरई, डुंडी सरई, कारी गडहरी, चंदवाही, चाटी, पिंडरई और कुटरई गांवों में सिलगी नदी के किनारे न जाने और मवेशियों को भी नदी किनारे न छोड़ने की मुनादी कराई गई है।प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे पूरी सतर्कता बरतें और अनावश्यक रूप से नदी किनारे न जाएं। हालात पर नजर बनाए रखने के लिए जल संसाधन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

जमीनी विवाद में पुलिस के सामने चले लाठी-डंडे

वायरल वीडियो में दिखी हिंसक झड़प, चार आरोपी हिरासत में

छतरपुर । सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम अतानिया में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों से मारपीट की घटना हुई। विवाद को शांत करने पहुंची पुलिस के सामने यह मारपीट हुई, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को ग्राम श्यामरी के पास अतानिया में यादव समुदाय के दो परिवारों के बीच जमीन के कब्जे को लेकर विवाद शुरू हुआ। स्थिति तब बिगड़ गई जब एक पक्ष ने दूसरे गांव से 50 से अधिक लोगों को बुलाकर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से हुई इस मारपीट में एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए। विवाद को रोकने पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस के सामने हमलावरों ने आक्रमण किया। वायरल वीडियो में दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज और हिंसक झड़प साफ दिखाई दे रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को हिरासत में लिया है और पीड़ितों की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है।

नर्मदा सेवा में जुटा 'मैया अभियान' शंकर घाट से निकला एक ट्रैक्टर कचरा

जागरण, डिंडोरी । माँ नर्मदा सेवा के तहत चल रहे 'मैया अभियान' के अंतर्गत रविवार को गायत्री मंदिर शंकर घाट में सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान बीते तीन वर्षों से लगातार जारी है, जिसमें नगर के सरकारी कर्मचारी, विद्यार्थी और स्थानीय निवासी हर रविवार सुबह 7 बजे से स्वेच्छा से श्रमदान करते हैं।बरसात के मौसम में घाटों पर प्लास्टिक पन्नियां, पुराने कपड़े, कांच की बोतलें, कापू मिट्टी और अन्य कचरे के कारण नर्मदा जल दूषित होता है। इसी को देखते हुए 'मैया अभियान' के सदस्यों ने इस रविवार शंकर घाट से लगभग एक ट्रैक्टर कचरा निकालकर घाट को स्वच्छ किया।अभियान से जुड़े सदस्यों ने नगरवासियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से अपील की है कि वे भी हर रविवार सुबह 7 बजे माँ नर्मदा की सेवा में जरूर शामिल हों, तभी पवित्र नर्मदा को प्रदूषण मुक्त किया जा सकेगा।रविवार के सफाई अभियान में जिला आयुष अधिकारी डॉ. संतोष परस्ते, नेहरू युवा केन्द्र के जिला समन्वयक आर.पी. कुशवाहा, उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षक जितेंद्र दीक्षित, ओम वीर जाट, राकेश नामदेव, अवध रजक सहित कई लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

अवैध शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 170 लीटर शराब और 4 वाहन जब्त

जागरण, छतरपुर । पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों और शराब तस्करी के खिलाफ कड़ा अभियान चलाते हुए बिजावर, बाजना और बक्सवाहा थाना क्षेत्रों में 170 लीटर अवैध शराब, चार वाहनों सहित कुल 9 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, और उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए। बिजावर पुलिस ने बछरगांय रोड, नारायणपुरा तिगड्डे के पास अस्थाई नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी ली, जिसमें 63 लीटर अवैध शराब बरामद हुई। आरोपी सिविल तिवारी, पिता राममिलन तिवारी, निवासी मोहनगंज, बिजावर को गिरफ्तार किया गया। शराब और तस्करी में प्रयुक्त कार जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। वहीं बाजना थाना पुलिस ने एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को चेकिंग पॉइंट पर रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक भागने का प्रयास करने लगा। ग्राम हतना के पास खड़ी कार से 72 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। कार जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया, और फरार आरोपी की तलाश जारी है। इसी तरह बक्सवाहा थाना पुलिस ने बम्होरी गांव में दो मोटरसाइकिलों पर अवैध शराब तस्करी कर रहे आशु राय, पिता रमेश राय, निवासी सड़वा (हाल बम्होरी) और अर्जुन बंसल, पिता रतन बंसल, निवासी बम्होरी से 26 लीटर शराब और मोटरसाइकिल जब्त की गई। इसके अलावा, लाल घाटी के पास कृष्ण पाल सिंह ठाकुर, पिता प्रतिपाल सिंह, निवासी उड़वा, जिला पन्ना और रविंद्र राय, पिता रामदीन, निवासी बिलगांव, थाना बिजावर से 9 लीटर शराब और मोटरसाइकिल बरामद की गई।

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज 1 अगस्त को, पंजीयन की अंतिम तिथि 18 जुलाई

छतरपुर । मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के सहयोग से जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 1 अगस्त 2025 को आयोजित होगी। छतरपुर जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. प्रजापति ने बताया कि कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार के मार्गदर्शन में जिले के कक्षा 9वीं से 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पर्यटन एवं संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस क्विज प्रतियोगिता की प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी ने बताया कि प्रत्येक स्कूल से एक टीम आमंत्रित है। 1 अगस्त 2025 को लिखित परीक्षा के बाद 6 टीमें चयनित कर उसी दिन मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन किया जाएगा। इन चयनित 6 टीमों को मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों को घूमने का मौका मिलेगा। क्विज मास्टर नीरज कुमार खरे ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए पंजीयन ऑनलाइन प्रारंभ हो चुके हैं। जिनकी अंतिम तिथि 18 जुलाई 2025 है।

टैक्स चोर कॉलोनाइजर देवेन्द्र अग्रवाल, कृषि भूमि पर फ्लैट बना कर बेंच रहा कॉलोनी

नियम कानून को ताक पर रखकर ट्रांसपोर्ट नगर के सामने रामराजा कॉलोनी में बेंचे जा रहे फ्लैट

कई शासकीय नंबरों पर भी किया बाउंड्री बनाकर कब्जा

जागरण, छतरपुर । कॉलोनी बना कर बेंचने के लिए प्रशासनिक परमिशन सहित रेरा की परमिशन जरूरी होती है। लेकिन इस समय भू माफिया कृषि भूमि खरीद कर टेक्स चोरी कर अपने मुनाफे के लिए कालोनी बना कर बेंच रहे है।इतने ही नही बिना शासकीय परमीशन के लोगो को फ्लेट बेंचकर खरेददारो को भी परेशानी में डालने में लगे हुए हैं।ऐसा ही एक मामला छतरपुर शहर के नौगांव रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर के सामने रामराजा कॉलोनी में देखने को मिला जहां पर कॉलोनाइजर देवेंद्र अग्रवाल ने कृषि भूमि खरीदी और एक सी डिजाइन के मकान बनाना शुरू कर दिए। इसमें ना तो प्रशासनिक परमिशन ली गई और ना ही रेरा की परमिशन ली गई। टैक्स की चोरी करते हुए कृषि भूमि को कुछ भूमाफियाओं के द्वारा कॉलोनी बनाकर बेखौफ तरीके से बेची जा रही है। ऐसे में जिन खरीदारों ने रामराजा कॉलोनी में रजिस्ट्री कराई है या फ्लैट खरीदा है।उन पर कार्यवाही की गाज गिर सकती है।क्योंकि देवेंद्र अग्रवाल ने कृषि भूमि पर को खरीद कर उसमें व्यवसाय शुरू कर दिया। ऐसे में कॉलोनाइजर देवेंद्र अग्रवाल के द्वारा टैक्स चोरी करते हुए जिले के अधिकारियों की आंखों में धूल झोंक कर राम राजा कॉलोनी में प्लॉट बनाकर खुलेआम बेची जा रहे हैं। यह भी बताया जा रहा है कि इस राम राजा कॉलोनी को पूरी तरह से कवर्ड कर लिया गया है।जिसमें कई शासलीय नंबर भी मौजूद है। उन पर भी कालोनाइजर देवेंद्र अग्रवाल ने कब्जा कर लिया है इस मामले की एसडीएम अखिल राठौर से शिकायत हो चुकी है। जल्दी कॉलोनाइजर सहित राम राजा कॉलोनी में फ्लैट खरीदने वालों पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है।वही शिकायतकर्ता ने बताया कि अगर जिला स्तर से रामराज कॉलोनी और कालोनाइजर देवेंद्र अग्रवाल पर अगर कार्रवाई नहीं की गई तो इसकी जल्द ही सागर और भोपाल सहित रेरा में शिकायत की जाएगी।

दो दिवसीय दीक्षा समारोह आज से, हजारों लोग होंगे दीक्षित

चुनाव के बाद बिहार में पदयात्रा करने की घोषणा

जागरण, छतरपुर । बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री से दीक्षा लेने हजारों लोग बागेश्वर धाम आ चुके हैं। 7 एवं 8 जुलाई को दीक्षा समारोह है। पिछले 2 तारीख से 11 तारीख तक गुरू पूर्णिमा महोत्सव चल रहा है। इसी क्रम में मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम रखा गया है। महाराजश्री से बिहार के अल्पप्रवास पर कहा कि चुनाव के बाद बिहार में पदयात्रा करेंगे।

चक्रेश सुल्हेरे ने बताया कि इस समय बागेश्वर धाम में गुरूपूर्णिमा महोत्सव चल रहा है। महोत्सव के दौरान सोमवार एवं मंगलवार को मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम रखा गया है। चार हजार लोगों ने दीक्षा लेने के लिए ऑनलाईन एवं ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करवाए हैं। बालाजी की कृपा पाने एवं महाराजश्री के आशीर्वाद से जीवन पवित्र करने का उद्देश्य लेकर लोग दीक्षा लेने आए हैं। दीक्षा लेने के पहले धाम के जो नियम हैं उन नियमों का पालन दीक्षा लेने वाले व्यक्ति कर रहे हैं। रविवार को बागेश्वर धाम महाराज अपने अल्प्रवास पर बिहार पहुंचे जहां उन्होंने पटना के गांधी मैदान में सनातन महाकुंभ के अवसर पर कहा कि चुनाव के बाद वे बिहार में पदयात्रा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग तिरंगे में चांद की हसरत रखते हैं लेकिन हम वो सनातनी हैं जो चांद पर तिरंगा फहराने चाहते हैं। महाराजश्री ने कहा कि हम राजनीति नहीं रामनीति के चक्कर में आए हैं। उन्होंने जातिवाद छोड़ राष्ट्रवाद पकडऩे का मंत्र दिया। बागेश्वर धाम में लाखों लोग गुरू पूर्णिमा महोत्सव में शामिल हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बिहार के इसी गांधी मैदान में महाराजश्री एवं जगतगुरू पूज्य रामभद्राचार्य महाराज को कथा की अनुमति नहीं मिली थी।

अतिथि विद्वानों के रिक्त पदों की उच्च शिक्षा विभाग ने मांगी जानकारी

प्राचार्य नहीं अपलोड करते जानकारी, नहीं खुलती रीवा की सीटें

जागरण, रीवा। लंबे समय बाद अतिथि विद्वानों को स्थानांतरण देने के लिए रिलोकेशन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा खोला जाना है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जिले सहित प्रदेश भर के शासकीय महाविद्यालों के प्राचार्यों से रिक्त पदों की जानकारी मांगी गई है। इस संबंध में आदेश विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी आरके गोस्वामी द्वारा जारी किए गए हैं। उन्होंने रिक्त पदों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए समस्त प्राचार्यों को आदेशित किया है। इसके लिए प्रक्रिया का मैनुअल भी जारी किया गया है ताकि प्राचार्य आसानी से इस संबंध में जानकारी अपलोड कर सकें। बता दें कि जब पिछली दफा रिलोकेशन अतिथि विद्वानों के लिए खोला गया था तो उसके पहले जिले के शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों से रिक्त पदों की जानकारी मांगी गई थी लेकिन कई प्राचार्यों ने जानकारी अपलोड ही नहीं की, जिससे रीवा में एक भी सीट अतिथि विद्वानों के लिए किसी भी विषय में नहीं खुल सकी। मजबूरन रीवा निवासी अतिथि विद्वानों को रीवा की जगह आस-पास के जिलो में रिलोकेशन के लिए च्वाइस फिलिंग करनी पड़ी। यदि इस दफा भी प्राचार्य लापरवाही करते हैं तो अतिथि विद्वानों के लिए एक बार फिर समस्या हो जाएगी। अतिथि विद्वानों के अलावा पद रिक्त रहने से छात्रों को पढ़ाने वालों की कमी होती है। हालांकि प्राचार्यों का कहना है कि उनके द्वारा रिक्त पदों की जानकारी अपलोड कर दी जाती है लेकिन उच्च शिक्षा विभाग से सीटें नहीं खोली जाती हैं। बताया जा रहा है कि इस वर्ष आईटी सेल की कमान विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी आरके गोस्वामी के पास है और वह इस मामले में काफी सख्त हैं, उनके द्वारा सख्त निर्देश प्राचार्यों को दिए गए हैं कि अतिथि विद्वानों के रिक्त पदों की जानकारी समय सीमा पर अपलोड की जाए, ताकि अतिथि विद्वानों को अपने जिले के महाविद्यालयों में पढ़ाने का अवसर मिल सके।

आदिवासी क्षेत्र मे संसाधनों के नियंत्रण को लेकर आदिवासियों और सरकार के बीच द्वंद्व

जागरण, मंडला । देश के 15 प्रतिशत भूखंड में आदिवासी समूह रहते हैं।वन, खदान, बांध आदि परियोजनाओं ने आदिवासियों के जीवन व जीविका को काफी प्रभावित किया है।58 आदिवासी बहुल जिलों में 67 प्रतिशत से अधिक जंगल है। इन्हीं इलाकों के बडे भाग के जंगल को रिजर्व फॉरेस्ट, अभ्यारण्य और राष्टीय उद्यान रुप में बांट दिया गया है।इस कारण से यहां के रहने वाले आदिवासियों को जंगल का घुसपैठिया मान लिया गया है। देश का अधिकांश खनिज पदार्थ आदिवासी इलाके में है। इन्हीं खनिज पदार्थों को लेने के लिए बडे पैमाने पर जंगल की जमीन का हस्तांतरण किया गया है, जिससे भारी मात्रा में पर्यावरण प्रभावित हुआ है।साथ ही जंगल का नाश होना, आदिवासी समुदायों का आजिविका खत्म होना, विस्थापन होना और इस कारण आदिवासी क्षेत्रों में अशांति फैलना शुरु हो गया। बडे ङ्क बडे बांधों का निर्माण आज विस्थापन का सबसे बड़ा कारण है। आज आदिवासियों का विभिन्न विकास परियोजनाओं से भयंकर विस्थापन हो रहा है, अभी तक देश में लगभग 3 करोड़ आदिवासी विस्थापित हुए हैं।जब से इन कम्पनियों को पता चला है कि सारे प्राकृतिक संसाधनों का भंडार जंगल में है,भारी मात्रा में पैसा है,तब से जंगल को अपने कब्जे में लेने का मुहिम चालू है। समुदाय अपने जीवन यापन के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर होते हैं। जब सरकारें इन संसाधनों का नियंत्रण अपने हाथों में ले लेते हैं, तो समुदाय अपने अधिकारों और आजीविका के लिए संघर्ष करने को मजबूर हो जाते हैं। छत्तीसगढ़ में कोयला खनन के लिए हसदेव अरण्य और रायगढ़ के जंगलों को काटा जा रहा है। इसके विरोध में स्थानीय समुदायों के साथ देश भर के लोग जुङ गए हैं।नर्मदा घाटी के इलाकों में प्रस्तावित मोरांड ङ्क गंजाल और बसनिया (ओढारी) बांध में लगभग 5 हजार हेक्टेयर घना जंगल और वन भूमि डूब में आने का लेकर आदिवासी समुदाय विरोध कर रहा है।

पिछले जून माह में जन स्वाभिमान यात्रा के दौरान पता चला कि मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर और बिरसा विकास खण्ड के 55 वन खण्डों को रिजर्व फारेस्ट घोषित करने में 40 गांव प्रभावित होकर 36833.672 हेक्टेयर वन भूमि को रिजर्व फारेस्ट घोषित किया जा रहा है। वहीं बालाघाट के परसवाड़ा विकास खंड के लौगुर जंगल क्षेत्र में 250 हेक्टेयर वन भूमि खनिज के लिए आबंटित किया गया जा रहा है। पिछले माह भरी बारिश में मध्यप्रदेश के जिला देवास, खाते गांव, खिवनी और डिंडोरी करंजिया विकास खंड के जारासुरंग में मकान तोड़ कर वन भूमि से बेदखली का मामला ने तुल पकड़ लिया है। आदिवासी संगठनों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है।खिवनी को बल्लभ भाई पटेल भ्यारण्य के लिए खाली कराया जा रहा था।इस अभ्यारण्य के लिए कार्य कर रहे वन मंडलाधिकारी सिहोर का स्थानांतरण कर दिया गया है और अभ्यारण्य के कार्य को रोकने का आदेश सरकार को जारी करना पड़ा है। दूसरीओर एक नया मामला सामने आया है कि मध्यप्रदेश के भाजपा विधायक द्वारा कटनी जिले के अपने चार आदिवासी कर्मचारियों के नाम पर डिंडोरी जिले में बैगा आदिवासियों के साथ धोखाधड़ी कर वर्ष 2009 से अभी तक लगभग 795 एकड़ जमीनें खरीदी गई हैं। विधायक द्वारा आदिवासियों की इन जमीनों पर बॉक्साइट खदान स्वीकृत कराकर खनन करने की तैयारी है। इन चारों आदिवासी व्यक्तियों के नाम गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों की सूची में हैं।

इस धोखाधड़ी के खिलाफ आवाज उठाने आदिवासी संगठित हो गए हैं। देश के आदिवासी क्षेत्रों में इस तरह के कई संघर्ष चल रहे हैं और सरकार द्वारा आंदोलनों पर दमन किया जा रहा है।आदिवासी इलाके खनिजों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर हैं। भारत के बड़े व्यापारिक घरानों की नज़र इन पर है। ग्राम सभाओं की असहमति , आदिवासियों के असहयोग और प्रतिरोध के लिए लड़ने वाले कई प्रगतिशील संगठन इस लूट के खिलाफ खड़े हैं, जबकि सरकार कॉरपोरेट हितों की रक्षा के लिए आगे आती है और प्रशासनिक रूप से इन विरोधों को दबाती है। आदिवासियों और अन्य समूहों को उनके कानूनी अधिकारों से वंचित करने और उन्हें विस्थापित करने के लिए वह हर संभव ताकत का इस्तेमाल करती है।

रीवा के निखिल शिवा मिश्रा बने नेयू के जिला अध्यक्ष

छात्र आंदोलन में निभाई थी अहम भूमिका

रीवा। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन (नेयू) की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य राधे जाट और रंजीत किसानवंशी के मार्गदर्शन एवं अनुशंसा पर रीवा जिले के युवा सामाजिक कार्यकर्ता निखिल शिवा मिश्रा को नेयू का रीवा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह दायित्व संगठन की राष्ट्रीय मुख्य समिति की सहमति से सौंपा गया है। निखिल मिश्रा को यह जिम्मेदारी उनके निरंतर छात्रहित में किए गए संघर्षों को देखते हुए दी गई है। विशेष रूप से एमपी पीएनएसटी (मध्यप्रदेश प्री-नर्सिंग चयन परीक्षा) 2022 रिजल्ट की समस्या को लेकर जब हजारों छात्राओं को अपने भविष्य को लेकर संघर्ष करना पड़ा, तब निखिल मिश्रा ने नेतृत्व करते हुए रीवा में डिप्टी सीएम आवास का घेराव किया। जब वहां से समाधान नहीं मिला, तो वे छात्रों के साथ भोपाल पहुंचे और मुख्यमंत्री कार्यालय तक उनकी आवाज पहुंचाई।

प्रेम की कोई भाषा नहीं होती है, प्रेम का फूल मौन में खिलता है। प्रेम संगीत है, प्रेम अंतर्नाद है और प्रेम ही अनहद नाद भी है।
- ओशो

प्लास्टिक के बारे में उपभोक्ताओं को बेवकूफ बना रहे बड़े ब्रांड्स

■ सुदीप खन्ना ■

साबिरा चौधरी की पुस्तक 'कंज्यूम्ड' सिंगल-यूज प्लास्टिक के प्रसार में कॉर्पोरेट जगत की मिलीभगत और रीसाइक्लिंग के बारे में सच्चाई को उजागर करती है।

साबिरा चौधरी की 'कंज्यूम्ड- हाउ बिग ब्रांड्स गॉट अस हुक्ड ऑन प्लास्टिक' एक कॉर्पोरेट थ्रिलर की तरह है, सिवाय इसके कि खलनायक असली हैं और परिणाम विनाशकारी हैं। पुस्तक में उठाए गए सवाल भारत में भी हमारे चारों ओर नजर आते हैं, हमारे शहरों में विशाल लैंडफिल साइट्स में इन्हें आसानी से देखा जा सकता है। हमारे दैनिक जीवन में सिंगल-यूज प्लास्टिक को शामिल करने में मैकडॉनल्ड्स, कोका-कोला, प्रॉक्टर एंड गैंबल और यूनिलीवर जैसी विशाल बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निभाई गई कपटी भूमिका का एक मनोरंजक, सावधानीपूर्वक किए गए शोध के उपरांत पर्दाफाश इस पुस्तक में किया गया है। साबिरा एक अनुभवी पत्रकार हैं, उन्होंने पिछले 100 वर्षों में प्लास्टिक के बढ़ते चलन का पता लगाया है, साथ ही विस्तार से बताया है कि कैसे कॉर्पोरेट लालच, भ्रामक विपणन और रीसाइक्लिंग के अधूरे वादों ने दुनिया के लिए एक बड़े पर्यावरणीय संकट को बढ़ावा दिया है। जब मैकडॉनल्ड्स ने सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने का फैसला किया था, तब भी आम लोग भारी प्लास्टिक पैकेजिंग को लैंडफिल में भेजने का खर्च क्यों उठा रहे थे? दिल्ली में भलस्वा, कोलकाता में धापा या अहमदाबाद में पिराना जैसे विशाल लैंडफिल की विषाक्तता के साथ रहने वाले पीड़ित भारतीय लंबे समय से यही सवाल पूछ रहे हैं।, लेकिन आज तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। एक समय था जब प्लास्टिक को कागज और कांच जैसी सामग्रियों के लिए एक क्रांतिकारी, पर्यावरण के अनुकूल विकल्प के रूप में सराहा जाता था, जिन्हें बनाने के लिए संसाधनों की बहुत ज़रूरत होती थी। ऐसा माना जाता था कि स्नूकर बॉल और कंघियों जैसे उत्पादों में हाथीदांत और कछुए के खोल की जगह प्लास्टिक का इस्तेमाल करने से हाथी और कछुए जैसे जानवरों की जान बच जाएगी। 1950 के दशक में उन उम्मीद भरी शुरुआतों से लेकर आज के डिस्पोजेबिलिटी दुःस्वप्न तक की यात्रा उन अल्पकालिक फायदों की चेतावनी भरी कहानी है, जिसके दीर्घकालिक परिणाम भारी पड़ रहे हैं। मैकडॉनल्ड्स द्वारा हर साल लैंडफिल में अरबों पॉलीस्टाइनिन क्लैमशेल कंटेनर, यह झूठा दावा करते हुए डंप कराए कि वे 'मिट्टी को हवा देंगे'। जबकि असलियत में यह कंपनी की लागत कम करने, अपने फास्ट फूड को ज़्यादा बढ़ावा देने और भारी मुनाफा कमाने की भव्य योजना का हिस्सा था। इस बीच, प्रॉक्टर एंड गैंबल माता-पिता को यह समझाने के लिए मनोवैज्ञानिक मार्केटिंग का इस्तेमाल कर रहा था कि कपड़े के डायपर घटिया हैं, और कंपनी के डिस्पोजेबल डायपर के साथ आने वाली पीढ़ियों को बर्बादी के चक्र में फंसा रहा था। कंपनियों को जवाबदेह ठहराने के अलावा, चौधरी इस घटना से प्रभावित लोगों के साथ-साथ इसके लिए जिम्मेदार लोगों की ओर ध्यान आकर्षित करके इस मुद्दे को मानवीय बनाती हैं। चौधरी लगातार मिथकों को भी तोड़ती हैं। रीसाइकिलिंग कचरे से पार्क बेंच और पिकनिक टेबल बनाना व्यवहारिक नहीं है क्योंकि इसके लिए वे जो कीमत प्राप्त करते हैं वह पर्याप्त मात्रा में संग्रह और सफाई से कहीं ज्यादा है। चौधरी ने खुलासा किया कि, दरअसल रीसाइकिलिंग एक प्रचलित धोखा है। रंगीन प्लास्टिक की बोतलें रीसइकिल होकर कम मूल्य वाली पाइप के लिए ग्रे प्लास्टिक बन जाती हैं, लेकिन इससे नई बोतलों के लिए वर्जिन प्लास्टिक की मांग कम नहीं होती है। भारत जैसे बाजारों में एकल-उपयोग वाले पाउच का बाजार विशेष रूप से चौंकाने वाला है। शैम्पू से लेकर माउथ फ्रेशनर तक हर चीज के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये छोटे पैकेट लगभग नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। लेकिन पिरामिड के निचले स्तर के उपभोक्ताओं को लक्षित करके बाजार में उतारे गए ये छोटे प्लास्टिक के पाउच अरबों डॉलर के बाजार को खोलने के बाद, अब सर्वव्यापी हैं। पुस्तक इस बात पर जोर देती है कि रीसाइक्लिंग, एक समाधान के बजाए, स्थिरता के नाम पर सिर्फ़ एक चतुर विपणन है। इस प्रकार, समुद्री प्लास्टिक से बने उत्पाद विवेक के लिए आसान हो सकते हैं, लेकिन उनके मूल्य टैग उन्हें इतना निषेधात्मक बना देते हैं कि वे समस्या का कोई समाधान नहीं कर पाते। चौधरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे निर्माता प्लास्टिक को कागज़ जैसे विकल्पों से बदलने के लिए संघर्ष करते हैं, जो अक्सर कार्यक्षमता में कम होते हैं। यह विदित तथ्य है कि एकल-उपयोग प्लास्टिक तकनीकी रूप से कठिन है और अक्सर इसे रीसायकल करना नुकसान का सौदा है। यही कारण है कि प्लास्टिक उत्पादों को अक्सर डंप में अनुपचारित छोड़ दिया जाता है।

पौराणिक आख्यानों में देवी का क्रोध और मृत्युदंड

भारत की लोक देवियों की कहानियाँ अक्सर असंख्य मौखिक संस्करणों में खो जाती हैं। हम किनको प्रामाणिक मानते हैं? हम कह सकते हैं कि ये (लगभग) विवाह और (लगभग) हत्या की कहानियाँ हैं। क्या इन्हें शाब्दिक रूप से लिया जाना चाहिए या रूपक के रूप में?

■ देवदत्त पटनायक ■

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार जम्मू के पर्वतीय क्षेत्र में, वैष्णवी नामक एक स्त्री विष्णु से विवाह करने की आशा मे तपस्या कर रही थी, जब उस पर भैरव ने हमला किया। वह चाहता था कि वह उसके साथ तांत्रिक अनुष्ठानों में भाग ले। स्त्री ने उसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, लेकिन वह अड़ा रहा। वह भाग गई; वह पीछा करता रहा। अंत में, वह पलटी और अपने क्रोध में एक देवी में बदल गई, और उसका सिर काट दिया। जब वह मर रहा था, तो उसने क्षमा मांगी और देवी ने कहा कि जो कोई भी उसके मंदिर में आएगा, वह पहले उसके पास आएगा। इस घटना के प्रामण के तौर पर भैरव के मंदिर में केवल उसका सिर स्थापित है। गुजरात में, बहुचरा नामक एक राजकुमारी को आश्चर्य हुआ कि उनके पति उनकी शादी के बाद कभी उनके कक्ष में क्यों नहीं आए। इसके बजाय, वह रात में बाहर निकल गए। एक दिन वह उसका पीछा करती हुई एक मुर्गे की मदद से उसे ढूँढ़ लेती है। वह उसे एक महिला के वेश में पाती है। उसे एहसास होता है कि वह विचित्र है, वह क्रोध में देवी बन जाती है, उस पर धोखा देने का आरोप लगाती है, और उसे नपुंसक बना देती है। पति ने उससे माफ़ी माँगी, और उसने कहा कि अगर उसके जैसे पुरुषों को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति चाहिए, तो उन्हें ट्रांसजेंडर पुजारी के रूप में उसकी सेवा करनी होगी।

काला चेहरा और पूजा

केरल में, अली मप्पीला नामक एक मुस्लिम व्यापारी और जादूगर महिलाओं पर हमला करता था। इसलिए, देवी चामुंडी ने उसे मंत्रमुग्ध कर दिया, उससे उसका जादुई सुरक्षात्मक ताबीज उतरवा दिया और फिर उसका सिर काट दिया। अन्य कहानियों की तरह, अली ने माफ़ी माँगी और उसे बताया गया कि अगर वह चामुंडी के भक्तों की मदद करेगा तो उसे मुक्ति मिल सकती है। उसके बगल में एक मंदिर बनाया गया था, और कुछ थेय्यम अनुष्ठान समारोहों में - जिसमें थिएटर, स्वांग और पूजा का संयोजन होता है - एक जादूगर अली की आत्मा को उसके अंदर प्रवेश करने देता है। कलाकार का चेहरा काला होता है (शायद अफ्रीकी मूल को इंगित करने के लिए), फेज़ टोपी पहनता है (शायद तुर्की मूल को इंगित करने के लिए), उसे अली चामुंडी कहा जाता है, और स्थानीय मुस्लिम और हिंदू उसे पूजते हैं। विदर्भ, तेलंगाना और कर्नाटक के दक्कन क्षेत्रों में, एक महिला को पता चला कि उसके पति ने उसे धोखा दिया है। वह ब्राह्मण नहीं था, बल्कि कोई ऐसा व्यक्ति था जिसे गोमांस और सूअर का मांस खाना पसंद था। क्रोधित होकर उसने उसका सिर काट दिया। हर साल, पति का प्रतिनिधित्व एक नर भैंस के बछड़े द्वारा किया जाता है और उसे चढ़ाया जाता है। अनुष्ठान करने वाले व्यक्ति को उसका बेटा या भाई कहा जाता है, और पोताराजू (भैंस राजा) के रूप में पहचाना जाता है। उसे अक्सर काले रंग से रंगा जाता है, वह राक्षसी दिखता है, खुद को कोड़े मारता है, आग पर चलता है, देवी से माफी मांगता है, और उसकी पूजा करता है। इस कहानी का सबसे लोकप्रिय संस्कृत संस्करण दानव महिषासुर है जो शेर की सवारी करने वाली देवी दुर्गा की ओर आकर्षित होता है। उसने उसे द्वंद्वयुद्ध के लिए चुनौती दी और उसे त्रिशूल से घायल कर दिया। भैंसे को मारने वाली देवी की छवियाँ भारत में कुषाण काल से ही पाई जाती रही हैं, 2,000 साल पहले। बाद में उनकी छवियाँ मंदिरों पर उकेरी गईं और भैंसे को बुराई और अव्यवस्था की शक्तियों के बराबर माना गया। लेकिन लोक मंदिरों में, महिषासुर की स्मृति म्हसोबा, भैंसादेव - पति, पुत्र, प्रेमी या उल्लंघनकर्ता के रूप में है।

छिपा हुआ सबाल्टर्न नारीवादी इतिहास

कभी-कभी, यह महिला ही होती है जो पीड़ित होती है और मर जाती है। संस्कृत पौराणिक साहित्य में, शिव की पत्नी सती ने अपने पिता और अपने पति के बीच मतभेद से व्यथित होकर वैदिक अग्नि कुंड में खुद को मार डाला। उसकी लाश टुकड़ों में बंट गई, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में गिरी, जिन्हें अब शक्ति-पीठ या शक्ति की देवी के आसन के रूप में जाना जाता है। महाभारत में, आकाश में सात ऋषियों की कहानी है जो उत्तरी आकाश में ग्रेट बियर तारामंडल बनाते हैं, जिनकी सात पत्नियाँ थीं। एक दिन, इनमें से छह महिलाओं पर बेवफा होने का आरोप लगाया गया। क्रोधित होकर, महिलाओं ने अपने पतियों को छोड़ दिया और प्लीएडेस नक्षत्र, कृत्तिका नक्षत्र बन गईं। ये महिलाएँ, कभी छह, कभी सात, पूरे भारत में सात जंगली महिलाओं के रूप में पूजी जाती हैं जो गर्भपात और बच्चों में घातक बुखार का कारण बनती हैं जब तक कि उन्हें स्वीकार न किया जाए और दुल्हन के आभूषणों के उपहारों के साथ पूजा न की जाए। इस प्रकार, देवी को अपमानित करने वाला व्यक्ति भैरव, विचित्र व्यक्ति, मुसलमान, निम्न जाति का व्यक्ति, राक्षस या ऋषि, यहाँ तक कि ब्राह्मण पिता या पति भी हो सकता है। प्रत्येक मामले में, या तो उसकी सहमति नहीं ली जाती है या उसे धोखा दिया जाता है, उसे अनदेखा किया जाता है या उस पर गलत तरीके से पवित्र न होने का आरोप लगाया जाता है। देवियों की कहानियों के माध्यम से, समुदाय वर्ग/जाति/लिंग/लैंगिकता के अपने डर और चिंताओं को व्यक्त करते हैं जिन पर खुलकर चर्चा नहीं की जा सकती। वे एक छिपे हुए सबाल्टर्न नारीवादी इतिहास को भी उजागर करते हैं जिसे अधिकांश कुलीन इतिहासकार नकारते हैं।

डॉ. मुखर्जी के लिए राष्ट्रवाद ही पुरुषार्थ है: प्रहलाद सिंह पटेल

प्रहलाद सिंह पटेल

राष्ट्रहित में पद-प्रतिष्ठा, सुख-सुविधाओं को त्यागने वाले महामानव कर्मयोगी डॉ. मुखर्जी के लिए मेरे आराध्य परमपूज्य श्रीश्री बाबाश्री की वाणी सामायिक है-'आदमियों के सोचने के ढंग भले एक हों, लेकिन विचारों के तरीके अलग-अलग होते हैं।'

21 अक्टूबर, 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दूसरे आदमियों में यही मूल अंतर रहा। सोच कई प्रकार की हो सकती है। उदाहरण, एक विकसित भारत की परिकल्पना और संकल्प की सोच समस्त राजनीतिक पार्टियों की एक समान हो सकती है, लेकिन वैचारिक दृष्टिकोण आवश्यक नहीं कि समान हों। मोदी सरकार जिस राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने में पूर्ण प्रतिबद्धता से संलग्न है, उस वैचारिक दृष्टिकोण का आधार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हैं।

उनके मंत्र- 'एक निशान, एक प्रधान और एक विधान' को एक सोच नहीं; वैचारिक क्रांति के तौर पर देखा जाना चाहिए। निःसंदेह यह वाक्य तब विभाजन की पीड़ा भोग रहे और भारत से अलग-थलग पड़े जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में थी, लेकिन आज यह समग्र राष्ट्र के निए प्रासंगिक है। मोदी सरकार का ध्येय वाक्य-'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उसी विचार का परिष्कृत स्वरूप अर्थात, उन्नत संस्करण है। इसमें कश्मीर से कन्याकुमारी तक समग्र राष्ट्र के विकास, अखंडता और समता-समानता का भाव है।

5 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने कड़े विरोध के बावजूद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की घोषणा की, जो डॉ. मुखर्जी के अखंड भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक प्रयास था; एक कर्म था।

रामचरित मानस में एक चौपाई है-
कर्म प्रधान विश्व रचि राखा।
जो जस करहि सो तस फल चाखा॥

अर्थात, समस्त संसार कर्मों पर निर्भर है और हर व्यक्ति को कर्मों के अनुसार ही फल मिलता है। डॉ. मुखर्जी ने सदैव कर्म को प्रधानता दी।

6 जुलाई, 1901 ये केवल एक तिथि नहीं है। यह भारत के भूत-वर्तमान और भविष्य को दिशा और गति देने वाले महान व्यक्तित्व, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अवतरण का दिवस है। इन 124 सालों में भारत ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे; परंतु आज हम जिस पड़ाव पर हैं, वो इन्हीं महापुरुषों के निस्वार्थ कर्म और पुरुषार्थ का परिणाम है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन में पुरुषार्थ सर्वोपरि रहा। देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने उन्होंने अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। हिंदू धर्म के प्राचीनतम पवित्र ग्रंथ; जिन्हें श्रुति भी कहते हैं, यानी वेद शास्त्रों के अनुसार कर्म और पुरुषार्थ भारतीय दर्शन और जीवनशैली के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। पुरुषार्थ का अर्थ है-मानव का उद्देश्य। बगैर कर्म के पुरुषार्थ मतलब; जीवन का लक्ष्य असंभावी है। डॉ. मुखर्जी का एक ही पुरुषार्थ रहा-'भारत में केवल एक विधान, एक प्रधान और एक निशान होना चाहिए।' यही राष्ट्रवाद है। अपने देश के प्रति प्रेम, निष्ठा और समर्पण की भावना। यह तभी संभव है, जब समग्र देशवासी समता-समानता और एक झंडे तले एकता का परिचायक बनें। पुरुषार्थ की प्राप्ति के लिए बहुत कुछ त्यागना पड़ता है और जब उद्देश्य राष्ट्रवाद से जुड़ा हो; तब त्याग तपस्या बन जाता है। डॉ. मुखर्जी कलकत्ता(अब कोलकाता) के अत्यंत प्रतिष्ठित परिवार में जन्मे। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी और प्रख्यात शिक्षाविद थे। अपने पिता के पदचिह्नों पर अग्रसर डॉ. मुखर्जी 1926 में इंग्लैंड से बैरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे। 33 वर्ष की अल्पायु में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने। वे सबसे कम उम्र के कुलपति थे। वे चाहते, तो सम्पूर्ण जीवन विलासितापूर्वक गुजार सकते थे, लेकिन उन्होंने राजनीति की दुःरुह राह चुनी। डॉ. मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांतवादी थे। ब्रिटिश सरकार द्वारा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के कुत्सित प्रयासों के विरुद्ध उन्होंने अलख जगाने का कर्म किया। वे सदैव प्रयासरत रहे कि राष्ट्रहित के लिए, उसकी अखंडता के लिए एक ही विचारधारा रहे कि 'हम सब एक हैं' और यही आधारभूत सत्य है। 23 जून, 1953 को कश्मीर यात्रा के दौरान गिरफ्तारी और नजरबंदी के दौरान डॉ. मुखर्जी की रहस्यमयी मृत्यु इतिहास का वो काला धब्बा है, जिसे कभी नहीं मिटाया जा सकता। 23 जून, 2018 को मध्य प्रदेश के राजगढ़ में एक सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उल्लेख किया था-'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कहते थे कि कोई भी राष्ट्र अपनी ही ऊर्जा से सुरक्षित रह सकता है।'

डॉ. मुखर्जी ने अपने पुरुषार्थ से इसी राष्ट्रवाद की ऊर्जा को जन-जन के भीतर पहुंचाया। एक ऐसी चेतना शक्ति; जो हमारे भीतर के स्व से जाग्रत होती है। देश के 140 करोड़ भारतीयों में स्वयमेव मृगेन्द्रता का भाव ऐसे ही विचारों का नतीजा है। यानी हर भारतीय स्वयं को श्रेष्ठ बनाने में जुट गया है। आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य उसी समय से शुरू हो गया था, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता को सर्वोच्च पुरुषार्थ कहा था।

...(लेखक मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री हैं।)

खाने का स्वाद खराब है, तो आपकी सूंघने की क्षमता में भी गड़बड़ हो सकती है...

■ माजदा टुरेल ■

आपकी घ्राण तंत्रिका यानी सूंघने की ताकत वाली तंत्रिका का आपके स्वाद की भावना से बहुत कुछ लेना-देना है। क्योंकि स्वाद में कई सूक्ष्म बारीकियाँ वास्तव में भोजन की सुगंध के कारण होती हैं। इसलिए, इस खाने में स्वाद न आने की समस्या के लिए हर बार अपनी पत्नी को दोष न दें।

शरीर में 12 कपाल तंत्रिकाएँ होती हैं। हालांकि चिकित्सा की कुछ गूढ़ पाठ्यपुस्तकों में कहीं 13, तो कहीं 14 बताई गई हैं, लेकिन मूल रूप से 12 तंत्रिकाएं ही मुख्य हैं। बारह, पवित्र कहानियों और खगोलीय चार्ट के ताने-बाने में बुनी गई एक संख्या है, यह पूर्णता या ब्रह्मांडीय व्यवस्था का प्रतीक है। हमारे पास यीशु के 12 प्रेरित, 12 राशियाँ और वर्ष में 12 महीने हैं। एक बार मेरे पास 55 वर्षीय राज आए और बोले- मुझे कुछ भी गंध नहीं आ रही है। उनके बगल में बैठी उनकी पत्नी निराश थीं क्योंकि वह इस बात पर बड़बड़ा रहे थे कि उनके खाने का स्वाद कैसे बदल गया है। उनका सिर बिल्कुल गोल था और बॉडी काफी बड़ी थी। उनके चिकित्सक ने उन्हें एमआरआई करवा कर मेरे पास भेजा था। मैंने एमआरआई फिल्में एक्स-रे बॉक्स में लगाईं और उनके सिर के अंदर एक बिल्कुल गोल ट्यूमर देखकर चकित रह गया, जो लगभग क्रिकेट की गेंद के आकार का था। मुझे पक्का पता था कि यह घातक नहीं है।

मैंने पॉइंटर ट्यूमर के चारों ओर घुमाते हुए उन्हें दिखाया - आप गंध नहीं महसूस कर सकते क्योंकि यह ट्यूमर आपकी घ्राण तंत्रिका (ऑल्फेक्टरी नर्व)पर दबाव डाल रहा है। यह नर्व 12 कपाल तंत्रिकाओं में से पहली है, और यह स्वाद की हमारी धारणा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि स्वाद में कई सूक्ष्म बारीकियाँ वास्तव में भोजन की सुगंध के कारण होती हैं। इसलिए, इस समस्या के लिए अपनी पत्नी को दोष न दें, मैंने मुस्कुराते हुए कहा।

मुझे तसल्ली थी कि उसके डॉक्टर ने इसे पहचान लिया, क्योंकि कई लोग गंध की समस्या को कुछ भी नहीं मानकर अनदेखा कर देते हैं। खांसी या जुकाम या कोई एलर्जी मान लेते हैं। राज को एक घ्राण नाली मेनिंगियोमा था, खोपड़ी के आधार से पैदा होने वाला एक ट्यूमर, जहाँ नाक से घ्राण तंत्रिकाएँ मस्तिष्क में जाती हैं। उनके मामले में, यह ट्यूमर तंत्रिका को बुरी तरह से दबा रहा था, जिससे किसी भी संवेदी कार्य का संचरण नहीं हो पा रहा था। इसका इलाज एक छोटा सा ऑपरेशन था। आपरेशन के

तीन महीने बाद जब राज नियमित जाँच के लिए लौटा, तो उसकी बॉडी का आकार और बढ़ गया था। मैंने उस पर इशारा करते हुए पूछा कि इतनी समृद्धि का कारण क्या है। वह हंसते हुए बोला- अब भोजन इतना अच्छा महक रहा है और स्वाद भी बहुत अच्छा लगने लगा है, मैं क्या कर सकता हूँ!

(लेखक एक विख्यात न्यूरोसर्जन हैं।)

साझा संसाधन पानी, अब बन गया है भू-राजनीतिक हथियार

इस्माइल सेरागेल्डिन जब विश्व बैंक के उपाध्यक्ष थे, तब उन्होंने 1995 में चेतावनी दी थी कि अगली सदी में युद्ध पानी को लेकर होंगे, उस समय कई लोगों ने उनकी इस बात को भय पैदा करने वाला बताकर खारिज कर दिया था। लेकिन तीन दशक बाद उनके शब्द एशिया की अस्थिर सीमाओं पर स्पष्ट रूप से गूंज रहे हैं। जैसे-जैसे नदियां सूख रही हैं, ग्लेशियर पिघल रहे हैं और जनसंख्या बढ़ रही है, पानी एक साझा संसाधन से भयानक रूप से विवादित भू-राजनीतिक हथियार में बदल गया है।

■ केएस तोमर ■

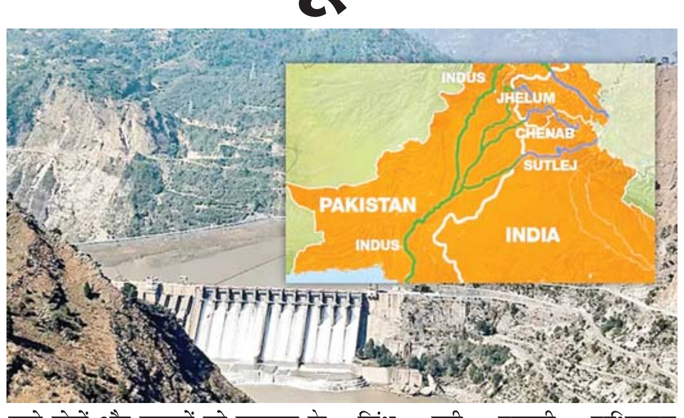

परमाणु संपन्न चीन, भारत और पाकिस्तान में मौजूदा हालात में पानी का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा गणना में प्रवेश कर चुका है। कुछ इसी प्रकार की भविष्यवाणी संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुतरस घाली ने की थी कि पानी 21वीं सदी में संघर्ष का मुख्य केंद्र होगा-विशेषकर शुष्क और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में। यह भविष्यवाणी अब दक्षिण एशिया में मूर्त रूप लेती दिख रही है, जहां परमाणु हथियार संपन्न पड़ोसी भारत, पाकिस्तान और चीन नदी प्रणाली के असहज सह-अस्तित्व में बंधे हुए हैं। ब्रह्मपुत्र पर चीन की प्रतिकूल महत्वाकांक्षाओं से लेकर भारत द्वारा सिंधु जल संधि का पुनर्मूल्यांकन करने और पहलगाम हमले के बाद इसे निलंबित करने तक तथा पाकिस्तान के सूखे खेतों और फसलों को नुकसान के बढ़ते डर तक, जल-राजनीति राष्ट्रीय सुरक्षा गणना में प्रवेश कर चुकी है। सिंधु जल संधि (1960) रद्द होने से पाकिस्तान में भारी जल संकट पैदा हो जाएगा। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत तो सिंधु नदी के पानी पर निर्भर हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, खरीफ सीजन (अप्रैल-जुलाई) में पाकिस्तान के वार्षिक फसल उत्पादन का लगभग 65 फीसदी हिस्सा होता है और खरीफ की लगभग 85 फीसदी बुवाई सिंधु-फेड नहरों से सिंचाई पर निर्भर है। पंजाब, जो पाकिस्तान के गेहूं उत्पादन में 70 प्रतिशत से अधिक और गन्ना उत्पादन में 50 प्रतिशत का योगदान देता है, में नहरी पानी की उपलब्धता कम होने के कारण धान और कपास की बुवाई में पहले ही तीन से चार सप्ताह की देरी हो चुकी है। सिंधु नदी प्रणाली प्राधिकरण (आईआरएसए) के अनुसार, सिंध, जहां गन्ना, कपास और धान की खेती प्रमुखता से होती है, वहां सिंचाई जल की उपलब्धता में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। मई की शुरुआत में उपग्रह से प्राप्त चित्रों और एनडीवीआई (सामान्यीकृत अंतर वनस्पति सूचकांक) के रुझान दर्शाते हैं कि पिछले वर्ष की औसत की तुलना में फसल की सघनता में 14 फीसदी की कमी आई है। ओकारा, मुल्तान, बहावलपुर, जकोबाबाद और लरकाना के किसानों ने फसल की खराब स्थिति, मुरझाते पौधों और भूजल में कमी का हवाला देते हुए विरोध प्रदर्शन किया है, क्योंकि नदी के रिसाव से पुनर्भरण की कमी के कारण ट्यूबवेल सूख गए हैं। भारत ने सिंधु जल संधि निलंबित कर फिलहाल तकनीकी रूप से नदी के प्रवाह को नहीं काटा है, ताकि वैश्विक प्रतिक्रिया न भड़के, लेकिन मानसून में नदी के प्रवाह और बाढ़ से संबंधित चेतावनियां साझा करना बंद कर दिया है, जिससे पाकिस्तान का राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) असहाय हो गया है, क्योंकि पाकिस्तान में बाढ़ संबंधी 90 फीसदी प्रारंभिक चेतावनियां भारत से प्राप्त होती हैं। भारत सरकार ने जल संग्रह बढ़ाने का खाका तैयार किया है, जिससे आगामी समय में निश्चित रूप से पाकिस्तान को पानी संबंधी परेशानियां होंगी। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान संधि बहाली के लिए विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र में गुहार लगा रहा है, लेकिन भारतीय विदेश मंत्री ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस पर तब तक कोई बात नहीं होगी, जब तक कि पाकिस्तान की धरती से पैदा होने वाले आतंकवाद पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि ने नदी प्रणाली का 80 फीसदी पानी पाकिस्तान को आवंटित किया था, जिसमें सिंधु, झेलम और चिनाब नदियां शामिल हैं, जबकि भारत ने रावी, ब्यास और सतलुज पर नियंत्रण बनाए रखा। उदारता की वजह से भारत ने अपना नुकसान भी सहा, लेकिन अब पानी सिर से काफी ऊपर जा चुका है। भारत ने सुनियोजित रूप से जल प्रवाह में व्यवधान पैदा कर पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था की कमजोरी उजागर कर दी।

संक्षिप्त खबरें

पोषण बजट पर हेमंत कटारे का हमला, भाजपा ने कहा- आंकड़े भ्रामक

भोपाल। मप्र में कुपोषण को लेकर उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने ट्वीट कर सरकार को घेरा और 4895 करोड़ के पोषण बजट के बावजूद राज्य में 38 फीसदी बच्चे कुपोषित होने पर सवाल उठाया। उन्होंने भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों की स्थिति भयावह बताई और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता आशीष उषा अग्रवाल ने कटारे पर भ्रामक ट्वीट और झूठे आंकड़े फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024–25 में पूरक पोषण का वास्तविक बजट 1154.83 करोड़ है, जिसे भारत सरकार के मानकों के अनुसार खर्च किया जा रहा है। अग्रवाल ने एनएफएचएस के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में कम वजन, बौनेपन और दुबलेपन की दर में कमी आई है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बाल स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रम और एम्स भोपाल के सहयोग से लगातार सुधार हो रहा है।

इंजीनियर और कृषि सखियों को प्रशिक्षण

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने प्रदेश के 2101 इंजीनियर और 626 कृषि सखियों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करना शुरू कर दिया है। यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जल–भूमि प्रबंध संस्थान भोपाल और क्षेत्रीय ग्रामीण विकास–पंचायतराज प्रशिक्षण केंद्रों में चल रहा है। प्रशिक्षण का मकसद पौधरोपण कार्य को वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से करना है जिससे लगाए गए पौधे अधिक से अधिक संख्या में जीवित रहें। मनरेगा के तहत प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारियों में 36 कार्यपालन यंत्री, 215 सहायक यंत्री, 47 डीपीएम और 1803 उप यंत्री हैं। इन्हें पौधरोपण की तकनीकी बारीकियों से भी अवगत कराया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश में पहली बार पौधरोपण अत्याधुनिक तकनीक सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। इसकी मदद से जलवायु, मिट्टी की गुणवत्ता, एग्रो क्लाइमेट ज़ोन, स्थल चयन और पानी की उपलब्धता जैसी जानकारियां जुटाकर पौधों की उपयुक्त प्रजातियों का चयन किया जाएगा।

लॉयन्स ऑफ भोपाल का सम्मान समारोह संपन्न

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लॉयन्स ऑफ भोपाल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम होटल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लॉयन प्रवीण वशिष्ठ मल्टीपल काउसिंल चेयरपर्सन व कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएम जेएफ लॉयन मनीष शाह थे। कार्याक्रम के विशेष अतिथि पूर्व मल्टीपल काउसिंल चेयरपर्सन एमजेएफ लॉयन डॉ. परमानंद रजानी एवं प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लॉयन महेश मालवीय एवं द्वितीय वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लॉयन पंकज मारू थे। इस अवसर पर लायन्स क्लब के सभी पूर्व गवर्नरो का सम्मान किया गया। इसमें एमजेएफ लॉयन एमके जैन, एमजेएफ लॉयन डॉ. प्रकाश सेठ, एमजेएफ लॉयन कमल भण्डारी, आदि का सम्मान किया गया है।

अब बीहड़ की बिजली से जगमगाएंगे मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश, रोजगार के अवसर पैदा होंगे

ग्वालियर-चंबल शीघ्र ही सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा, किसान जमीन न बेचें: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए संकल्पित है। हम सबके जीवन में उजाला लाने कटिबद्ध हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र शीघ्र ही राज्य का सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय किसानों से अपील की कि वे अपनी जमीन बेचने की कतई न सोंचे, क्योंकि इस क्षेत्र में शीघ्र ही रोजगार के नए अवसर और विकास की नई धाराएं बहने वाली हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को ग्वालियर के आईएसबीटी परिसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने यहां 265.56 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नदियों को जोड़ने का अभियान चल रहा है। केंद्र सरकार की मदद से यहां पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों को आपस में जोड़ने की राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना पर करीब 70 हजार करोड़ की लागत से काम किया जा रहा है। साथ ही केन–बेतवा राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना से भी ग्वालियर–चंबल क्षेत्र के किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ मिलने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के बीहड़ों में जल्द ही केंद्र सरकार के सहयोग से 2000 मेगावाट क्षमता का सोलर पॉवर प्लांट लगाया जा रहा है। यह मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की संयुक्त परियोजना होगी। इससे दोनों ही प्रदेशों को ऊर्जा आपूर्ति होगी। मप्र और उप्र 6–6 माह बराबरी से इस परियोजना से उत्पादित बिजली का उपभोग करेंगे।

चंबल के नौजवान सेना की बढ़ा रहे ताकत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर का हजीरा अस्पताल प्रदेश में नंबर–1 आया है। चंबल के नौजवान हमारी सेना की ताकत बढ़ा रहे हैं। ग्वालियर में 6 लेन हाई–वे का निर्माण प्रारंभ होने से आगरा के बड़े व्यापारी अपने उद्योग–धंधे स्थापित करने के लिए ग्वालियर आ रहे हैं। ग्वालियर के विकास की बात पर हम सबके साथ हैं, जो भी मांगा है, उसे क्रमबद्ध रूप से पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि आगरा से ग्वालियर के बीच बन रहे नये सिक्स–लेन नेशनल हाई–वे के चलते बड़े–बड़े उद्योगपतियों ने इस क्षेत्र में बड़ा निवेश करने में अपनी रुचि दिखाई है। इससे यहां तेजी से औद्योगिक विकास होगा और इस क्षेत्र का कायाकल्प भी सुनिश्चित होगा।

8 करोड़ से बन रहा डॉ. अंबेडकर धाम: सिंधिया

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर राच्य विकास मंत्री च्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास की नई इबारत लिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व पटल पर भारत के गौरव को प्रतिस्थापित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दिन-रात एक कर प्रदेश की जनता के लिए औद्योगिक क्रांति की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शगुन का लिफाफा लेकर ग्वालियर आए हैं। हमारी मांग थी कि ग्वालियर-चंबल संभाग में डॉ. अंबेडकर धाम की स्थापना हो, जो बाबा साहेब की विचारधारा का मंथन केंद्र बने। उन्होंने बताया कि ग्वालियर जिले के डबरा के जौरासी गांव में 8 करोड़ रुपए की लागत से डॉ. अंबेडकर धाम बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज इसी अंबेडकर धाम के विकास के दूसरे चरण में 50 हजार वर्गफीट भूमि में एक भव्य इमारत चौरासी गांव में ही बनाने की मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बन रहे सांदिपनि विद्यालयों में निजी स्कूलों के जैसी शिक्षा बच्चों को मिलेगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा आगरा से ग्वालियर तक 5000 करोड़ रुपए लागत से नये 6 लेन हाई-वे की सौगात दी गई है। इस 6 लेन हाई-वे के बनने पर सिर्फ 45 मिनट में आगरा से ग्वालियर पहुंचा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि ग्वालियर में वेस्टर्न हाई-वे बन रहा है। केंद्र और राच्य सरकार के सहयोग से ग्वालियर क्षेत्र में करीब 12 हजार करोड़ रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्य हो रहे हैं।

सरकार पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने प्रतिबद्ध है। बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके फैलाए गए भ्रम के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित रहा। आरक्षण के संबंध में तथ्यात्मक आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में बिल प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 14 प्रतिशत आरक्षण से शेष बचे लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। ऐसे विद्यार्थी जो न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण ज्वाइनिंग नहीं दे पाए, उनको ज्वाइन कराने के भी प्रयास किए जाएंगे।

इंडेक्स मेडिकल कॉलेज संचालक के खिलाफ जारी होगा लुक आउट नोटिस

विदेश भागने से रोकने में जुटी सीबीआई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने प्रदेश भर के मेडिकल कॉलेजों को पैसों के बदले फर्जी मान्यता दिलाने के मामले में इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर के संचालक सुरेश सिंह भदौरिया की तलाश है। दो दिन पहले सीबीआई की छापेमारी के बाद से वह फिलहाल अंडरग्राउंड हो गया है। सीबीआई फिलहाल उसकी तलाश में इंदौर, दिल्ली, भोपाल के अलावा देश के अन्य नगरों में भी जुटी हुई है। इस बीच सीबीआई को इनपुट मिला है कि भदौरिया इस केस में गिरफ्तारी से बचने के लिए विदेश भी भाग सकता है। सीबीआई इस संभावना को देखते हुए उसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर भी जारी करने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा सीबीआई ने फिलहाल सभी एयरपोर्ट्स को अलर्ट कर दिया है। शनिवार को सीबीआई के सूत्रों ने बताया कि छापे के दौरान भदौरिया के ठिकानों से मिले दस्तावेजों और हाल ही में छत्तीसगढ़ के नव रायपुर में स्थित रावतपुरा मेडिकल कॉलेज की मान्यता से जुड़े मामले में उसके शामिल होने के प्रमाण मिले हैं। बता दें कि भदौरिया का नाम प्रदेश में हुए व्यापमं घोटाले से भी जुड़ा रहा है। उसके खिलाफ 2013 की पीएमटी में अनियमितताओं और धांधली में शामिल होने का आरोप लगा था, जिसके लिए उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

घोस्ट फैकल्टीज से लेकर हवाला के जरिए लेन-देन भी उजागर

सीबीआई की जांच में सामने आया है कि भदौरिया ने अपने इंदौर स्थित इंडेक्स और देवास स्थित अमलतास मेडिकल कॉलेज के अलावा अन्य निजी मेडिकल कॉलेजों में मान्यता के नाम पर बड़ी धांधली की है। भदौरिया निजी मेडिकल कॉलेजों को मान्यता दिलाने का ठेका लेता था और इसके एवज में मोटी रकम वसूल करता था। वह मान्यता देने वाले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और नेशनल मेडिकल कमीशन के अधिकारियों और जांच के लिए भेजे जाने वाले डॉक्टरों के दल को मेडिकल कॉलेज की कमियां छिपाने रिश्वत देता था। उसने हवाला के जरिए इन तक मोटी रकम पहुंचाई ताकि कॉलेजों के लिए अनुचित तौर पर मान्यता मिल सके। इसके अलावा सीबीआई की जांच में चौंकाने वाला खुलासा घोस्ट फैकल्टीज का हुआ है। भदौरिया पर आरोप है कि वह ऐसे मेडिकल टीचर्स को कागजों पर काम करते दिखाता था, जो कॉलेज का स्टाफ नहीं है। फर्जी शिक्षकों की उपस्थिति के लिए क्लोन फिंगर इंप्रेशन बनवाए गए, ताकि बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में उनकी मौजूदगी दिखाई जा सके।

युवाओं को स्वावलंबी बनाने का माध्यम हैं सहकारी समितियां

अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस पर युवा संवाद कार्यक्रम

जागरण, भोपाल। दुग्ध–उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है, युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। मुख्यमंत्री शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारी दिवस पर समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद किया और जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप महिला को सिलाई किट प्रदान की।

पीजी में विषय बदलने 1100 विद्यार्थी देंगे साक्षात्कार

27 विषयों के लिए कमेटियां तैयार, परीक्षा की जगह साक्षात्कार से आंकी जाएगी पात्रता

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश के 1200 निजी और सरकारी कालेजों में प्रवेश देने आनलाइन कउंसलिंग कर रहा है। विभाग ने कालेज लेवल काउंसलिंग शुरू कर दी है। अब विभाग उन विद्यार्थियों को प्रवेश भी पीजी में देगा, जिन्होंने यूजी के आधार पर पीजी में मेजर और माइनर विषयों के अतिरिक्त कोई और विषय में प्रवेश लेना चाहते हैं, तो उन्हें यूजीसी के मुताबिक संबंधित विवि की एक परीक्षा पास करना होगी। वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। मौजूदा स्थिति में यह परीक्षा नहीं हो सकती है, इसलिए उच्च शिक्षा विभाग ने आपात स्थिति को देखते हुए परीक्षा के स्थान पर साक्षात्कार कराने का निर्णय लिया है। साक्षात्कार से उनकी पात्रता तैयार की जाएगी। इसके चलते बरकतउल्ला विवि ने साक्षात्कार का कार्यक्रम बना लिया है। यह साक्षात्कार दस और 11 जुलाई को बीयू के आधा दर्जन विभागों को तैयार किया गया है। इसमें तुलात्मक भाषा विभाग, समाजशास्त्र, आरपीईजी, मनोविज्ञान, बायोटेक्निलाजी, भौतिकी, वाणिज्य विभाग और सरस्वती सभागार एकेडमिक विभाग में रखे गए हैं। साक्षात्कार सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएंगे। 27 कमेटी के द्वारा विदिशा, नर्मदापुरम, सीहोर, हरदा, बैतूल, राजगढ़, भोपाल और रायसेन के करीब 1100 विद्यार्थियों के साक्षात्कार लिए जाएंगे। उक्त आठ जिले बीयू की सीमा में आते हैं। हरेक कमेटी में तीन तीन सदस्यों को रखा गया है। इसमें डीन, एचओडी और एक विषय विशेषज्ञ को शामिल किया गया है।

उक्त विषयों के लिए होंगे साक्षात्कार

बीयू ने नृत्य, ड्राइंग एंड पेंटिंग, अंग्रेजी, हिंदी, संगीत वादन, दर्शन शास्त्र, संस्कृत, उर्दू, मानवशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीति शास्त्र, लोक प्रशासन, समाज कार्य, समाज शास्त्र, बायोटेक्नालाजी, वनस्पति शास्त्र, माइक्रोबयोलाजी, प्राणाी शास्त्र, रसायन शास्त्र, गणित बीए, गणित एमएससी, वणिज्य, फूट एंड न्यूट्रीशियन एमएससी होम साइंस विषयों में साक्षात्कार लेने के लिए 81 प्रोफेसरों को शामिल किया गया है।

ई-पोर्टल पर अपलोड होंगे रिजल्ट

बीयू ने सदस्यों से कहा कि पात्रता प्रमाण पत्र जारी करने और साक्षात्कार के रिजल्ट ई-प्रवेश पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। यूटीडी में चल रहे कोर्स के प्रकरण कमेटी के सामने रखे जाएंगे। सभी एचओडी विद्यार्थियों को सूचित करेंगे। समस्त विद्यार्थी पात्रता हासिल करने साक्षात्कार के दौरान अपने दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे।

मंत्री की अध्यक्षता में लिया था निर्णय

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में पात्रता तैयार करने का निर्णय लिया गया था। इसमें अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन, आयुक्त निशांत बरबड़े, अध्यक्ष प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति डॉ. रविंद्र कान्हेरे, कुलगुरु सहित अन्य शीर्ष समिति के सदस्य सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया था कि निर्णय लिया गया कि ऐसे विद्यार्थी जो यूजी स्तर पर चयनित मेजर, माइनर और अन्य विषय में पीजी करना चाहते हैं, तो पात्रता का निर्धारण राच्य के विश्वविद्यालयों द्वारा साक्षात्कार से किया जाएगा। पीजी कोर्स के लिए पात्र विद्यार्थियों को यूजी स्तर के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

आय से अधिक संपत्ति मामले में रिटायर अफसर पर चलेगा केस

मुख्य संवाददाता, भोपाल। 2013 में लोकायुक्त पुलिस ने सागर के तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त रहे जगदीश राठी के इंदौर एवं सागर स्थित ठिकानों पर छापे मारे थे। इस दौरान राठी की आय से कई गुना अधिक संपत्ति मिली थी। इस मामले में अब जगदीश राठी पर 12 साल बाद अदालत में मुकदमा चलेगा। सालों पुराने इस केस में लोकायुक्त पुलिस को हाईकोर्ट से प्रकरण चलाने की अनुमति मिली है। इन छापों के दौरान राठी का एक मकान, एक फ्लैट, तीन आवासीय भूखंड, 11 कृषि भूखंड, चार दुकानें और व्यावसायिक उपयोग की 5 अचल संपत्तियां मिली थीं। ये सभी इंदौर और इसके आस–पास स्थित थीं। उसके घर से 14 लाख की नकदी के साथ करीब ढाई किलोग्राम सोने के जेवरात और 32 किलो के चांदी के जेवर और बर्तन मिले थे।

हाईकोर्ट का फैसला, 12 साल बाद चलेगा ट्रायल

अटका हुआ था मामला

लोकायुक्त पुलिस ने विवेचना के दौरान शासन से राठी के खिलाफ चालान पेश करने की अनुमति मांगी थी। उस समय अभियोजन स्वीकृति नहीं दी गई थी। बाद में दोबारा पत्राचार करने पर राठी के खिलाफ चालान पेश करने की अनुमति मिल गई। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने निचली अदालत में चालान पेश कर दिया। इसके खिलाफ राठी हाईकोर्ट पहुंचा और अभियोजन स्वीकृति को अवैध बताते हुए आपत्ति जताई। हाईकोर्ट ने राठी की याचिका को स्वीकारते हुए निचली अदालतमें चल रहे केस पर स्टे दे दिया। इसके बाद सालों तक यह मामला लंबित रहा और पिछले दिनों लोकायुक्त संगठन की ओर से हाईकोर्ट की इंदौर पीठ में रिव्यु याचिका दायर की गई थी। कोर्ट ने लोकायुक्त का पक्ष सुनने के बाद ट्रायल चलाने की अनुमति दे दी।

दादा ने टोका तो विजयवर्गीय ने खंडेलवाल मुर्दाबाद को किया जिंदाबाद

जागरण, इंदौर। संगठन की कमान संभालने के बाद पहली बार इंदौर आ रहे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के स्वागत की तैयारियों में जुटे प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जिंदाबाद–मुर्दाबाद में उलझ गए। तत्काल अपनी गलती सुधारते हुए वे बोले– हां यार मुर्दाबाद नहीं, खंडेलवाल जिंदाबाद। मीडिया से भी उन्होंने कहाकि निवेदन है डिलीट कर देना, इसमें कोई बदमाशी मत कर देना। असल में यह सब गफलत एक स्वर में बोलने में हो गई। भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल 7 जुलाई को इंदौर पहुंच रहे हैं। उनके प्रथम नगर आगमन पर होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन और कार्यक्रमों की तैयारियां देखने कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक मघु वर्मा पहुंचे थे। कार्यक्रम स्थल पर मीडिया से चर्चा में मंत्री विजयवर्गीय नए प्रदेशाध्यक्ष की सरलता और पार्टी की लोकतांत्रिक कार्यशैली की तारीफ कर रहे थे। पार्टी की लोकतांत्रिक व्यवस्था बताते हुए विजयवर्गीय बोले कि अभी कांग्रेस से बीजेपी में आए नेता हमें बता रहे थे कि हम तो कभी कांग्रेस में सोच भी नहीं सकते थे कि प्रदेश अध्यक्ष की ऐसे पर्ची खुल जाएगी। कोई जिंदाबाद–मुर्दाबाद नहीं होगा। कार्यकर्ता कल तक वीडी शर्मा जिंदाबाद बोल रहे थे आज खंडेलवाल मुर्दाबाद बोलने लग गए हैं। इतना अनुशासन हमनें कहीं नहीं देखा। इतने में पास बैठे विधायक मधु वर्मा ने कहा कि– मुर्दाबाद नहीं जिंदाबाद। तब विजयवर्गीय बोले– हां यार जिंदाबाद। इसके बाद हंसते हुए विजयवर्गीय बोले– हां यार उसको डिलीट कर देना, इसमें कुछ बदमाशी मत कर देना।

मंदसौर में करणी सेना और पुलिस में हुई झूमा-झटकी

जागरण, मंदसौर। राजपूत समाज के संगठन करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर पर मंदसौर जिले के भावगढ़ में एफआईआर दर्ज हुई है। इसके विरोध में शनिवार को वे अपने हजारों समर्थकों के साथ मंदसौर एसपी कार्यालय का घेराव करने के लिए पहुंचे। इस दौरान समर्थकों ने जमकर नारेबाजी भी की। वहीं एफआईआर वापस लेने और पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठ गए। सुरक्षा के मद्देनजर यहां बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया गया। वहीं एसपी अभिषेक आनंद कार्यालय पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने करणी सेना से कहा कि कानून का पालन करना हमारी जवाबदारी है। कोर्ट ने आपके खिलाफ गिरफ्तारी वारंटी जारी किया है, जिसके चलते हमें गिरफ्तारी करनी होगी। इसके बाद पुलिस और समर्थकों के बीच झूमाझटकी शुरू हो गई।

प्रथम पृष्ठ के शेष

छतों पर जलीं चिताएं...

उधमपुर जिले में तेज बारिश के कारण जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने अंडरपास में पानी भर गया है। इससे आवागमन में परेशानी हो रही है और ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा है। दिल्ली में रविवार सुबह से ही बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में जलभराव के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। दीमापुर में तेज बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति बन गई है। कई घरों में पानी घुस चुका है और प्रशासन राहत व बचाव कार्यों में जुटा है। वाराणसी में गंगा नदी खतरे के निशान की ओर बढ़ रही है। वर्तमान में इसका जलस्तर 62.62 मीटर है, जबकि चेतावनी स्तर 71.262 मीटर है। सबसे भयावह दृश्य मणिकर्णिका घाट का है, जहां पानी घाट के ऊपर तक पहुंच गया है, जिसके कारण शवों का अंतिम संस्कार अब घाट की छत पर किया जा रहा है। गंगा का हर घंटे 1 सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे आसपास के इलाकों में पानी भरने लगा है। राजस्थान में 29 जिलों में येलो अलर्ट जारी है। श्रीगंगानगर में दो मकानों की छतें गिर गईं, जिससे एक 5 साल के बच्चे की मौत हो गई। बूंदी जिले में एक कार घोड़ा पछाड़ नदी में गिर गई, हालांकि सभी यात्री सुरक्षित रहे। माउंट आबू में भारी बारिश के कारण झरनों का वेग इतना तेज हो गया कि पहाड़ों से पानी उफनकर सड़कों पर बहने लगा। कई संपर्क मार्ग बाधित हो गए हैं। नासिक में गोदावरी नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया है कि पंचवटी घाट के कई मंदिर 4 से 5 फीट तक पानी में डूब चुके हैं।

फाइनल, इंटर व फाउंडेशन...

करने वाले छात्रों को 'डिस्टिंक्शन' के साथ पास घोषित किया जाता है। मई 2025 की फाउंडेशन परीक्षा 15, 17, 19 और 21 मई को हुई थी, और इसके लिए एडमिट कार्ड 25 अप्रैल को जारी किए गए थे। इससे पहले जनवरी 2025 में हुई फाउंडेशन परीक्षा के लिए 1,10,887 छात्रों ने भाग लिया था, जिनमें से 23,861 पास हुए थे, और कुल पास प्रतिशत 21.52 फीसदी रहा था।

मध्य प्रदेश को मिले 52 सीएः इस बार मध्य प्रदेश को कुल 52 सीए मिले हैं। इनमें खंडवा को पांच सीए मिले हैं। अंकित गेलानी को सीए फाइनल में 410 अंक मिले हैं। वहीं, समीक्षा माहेश्वरी ने खंडवा से टॉप किया है, जिसने इंटरमीडिएट पास किया। इसी तरह 10 छात्रों ने फाउंडेशन लेवल पास कर लिया हैं। फाउंडेशन लेवल में प्रथमेश गोयल ने टॉप किया है।

अनदेखी | प्रदेश के पांच आईपीएस अफसरों को प्रमोशन के बाद भी नए पद पर नहीं मिली पोस्टिंग

पांच डीआईजी अब तक बने हुए हैं एसपी और कमांडेंट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के पांच आईपीएस अफसरों को प्रमोशन के बाद भी नए पद पर पोस्टिंग नहीं मिली है। ये अधिकारी पदोन्नति के बाद भी अपना पिछला पद ही संभाल रहे हैं। मामला एमपी के डीआईजी स्तर के अफसरों का है। पिछले साल के अंत में एमपी कैडर के 2010 बैच के 4 आईपीएस अफसरों को एसपी रैंक से प्रमोट कर डीआईजी बनाया गया था। इनमें विजय खत्री एसएसपी रेडियो भोपाल, मनोज कुमार सिंह एसपी धार, विनीत कुमार जैन एसपी अशोकनगर, राकेश कुमार सिंह कमांडेंट एसआईएसएफ के नाम शामिल थे। प्रमोशन के बाद से अब तक इनकी नई पोस्टिंग के आदेश ही जारी नहीं हुए। इसके बाद इसी साल मार्च में 2010 बैच के राजेश सिंह चंदेल प्रमोट होकर डीआईजी बने और उनकी पदस्थापना कमांडेंट 23 वीं बटालियन भोपाल से डीआईजी रीवा के पद पर कर दी गई। इसके बाद 31 अप्रैल को 32 वीं बटालियन उज्जैन के कमांडेंट शशिंद्र चौहान को भी डीआईजी बनाया गया, लेकिन उन्हें भी नई पोस्टिंग नहीं दी गई। ऐसे में इस साल डीआईजी बन चुके 2010 कैडर के छह में पांच आईपीएस अधिकारी अब तक अपनी नई पोस्टिंग का इंतजार कर रहे हैं। ये सभी प्रमोटी हैं।

2010 बैच को 2024 में मिलना था प्रमोशन

इस बैच के 23 में से 18 अफसर ही डीआईजी बन पाए हैं, जबकि राकेश कुमार सगर, भगत सिंह विर्दे, आरएस बेलवंशी, किरणलता केरकेट्टा और मनोज कुमार राय अभी तक एसपी कैडर के ही अधिकारी हैं। प्रदेश में डीआईजी के पद खाली न होने की वजह से इन पांचों का प्रमोशन अटक गया। संभावना है कि अब नए साल में इन अफसरों को डीआईजी बनाया जाएगा। हालांकि उस समय तक इन अफसरों में से भगत सिंह बिर्दे रिटायर हो चुके होंगे क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति इसी साल नवंबर में है। इससे पहले इसी साल भोपाल के ट्रेफिक डीसीपी और 2010 बैच के अफसर संजय सिंह भी बगैर डीआईजी बने रिटायर हो चुके हैं। अगर वरिष्ठता के अनुसार 2010 बैच के सभी अफसरों को 1 जनवरी 2024 तक डीआईजी के पद पर प्रमोट हो जाना था, पद रिक्त न होने के कारण यह स्थिति बनी।

एक ही बैच के अफसर एक ही रेंज में डीआईजी और एसपी

2010 बैच के दो अफसर ऐसे हैं जो एक ही रेंज में डीआईजी और एसपी का पद संभाल रहे हैं। यह मामला खरगोन रेंज का है। यहां पर डीआईजी का पद इसी बैच के सिद्धार्थ बहुगुणा के पास है, जबकि इसी पुलिस रेंज के अधीन आने वाले जिले खंडवा के एसपी मनोज कुमार राय है। हालांकि सिद्धार्थ बहुगुणा डायरेक्टर आईपीएस अफसर हैं वहीं मनोज कुमार राय प्रमोटी हैं। 2010 बैच के मनोज कुमार राय उन 5 अफसरों में हैं, जिन्हें इस साल डीआईजी के पद पर प्रमोशन नहीं मिल सका। इसके अलावा नर्मदापुरम के एसपी और 2014 बैच के आईपीएस गुरुकरण सिंह को जिले में इस पद पर तीन साल से अधिक का समय हो गया है। इसी तरह 2011 बैच के आईपीएस और भोपाल नगरीय क्षेत्र के डीसीपी जोन 3 रियाज इकबाल को भी इस पद पर बने हुए तीन साल से अधिक का समय हो गया है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही आईपीएस अफसरों की तबादला सूची जारी की जाएगी जिसमें सरकार इन सभी की नई पदस्थापना करेगी। इस संबंध में फिलहाल पीएचक्यू के आला अधिकारी भी कुछ कहने से बच रहे हैं।

धान खरीदी घोटाला : तत्कालीन प्रभारी जिला प्रबंधक गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। प्रदेश में करोड़ों के धान खरीदी और परिवहन घोटाला मामले का मास्टरमाइंड छतरपुर से गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन प्रभारी जिला प्रबंधक दिलीप किरार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 74 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। अब आरोपी को पाटन पुलिस जबलपुर लाकर पूछताछ कर रही है। दरअसल दिलीप किरार के खिलाफ जबलपुर के 12 थानों में धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। उपार्जन एजेंसी ने राइस मिलर के साथ मिलकर परिवहन घोटाला किया था। राइस मिलर्स ने धान बाहर भेजने की बजाए लोकल दलालों को बेच दिया था।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर तनखैया घोषित

लुधियाना। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम और शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल को एक बार फिर तनखैया घोषित किया गया है। शनिवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब से ये आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सुखबीर बादल को 2 बार अपना स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया गया था, लेकिन वह नहीं पहुंचे। इसके बाद ये फैसला लिया गया। वहीं अब इस मामले में एसजीपीजी प्रमुख एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे पंथक परंपराओं व अखंडता के खिलाफ बताया है। तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के फैसले के मुताबिक सुखबीर बादल ने सिद्धांतों, मर्यादाओं और पंज प्यारों के आदेशों का उल्लंघन किया। तख्त की प्रबंधक समिति के अधिकारों में दखल दिया।

डंकी मार्ग से मानव तस्करी, 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कुख्यात 'डंकी' मार्ग से अमेरिका में मानव तस्करी में कथित रूप से शामिल दो प्रमुख लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि हिमाचल प्रदेश, दिल्ली में एक-एक स्थान पर तलाशी के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। सांपों, मगरमच्छों से लेकर दाढ़ी काटने तक, पंजाब से अमेरिका में निर्वासित व्यक्ति ने खतरनाक 'डंकी रूट' को याद किया। एनआईए ने कहा, आरोपी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के धर्मशाला के सनी उर्फ सनी डोनकर और पंजाब के रोपड़ के शुभम संधाल उर्फ दीप हुंडी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया,जो बाहरी दिल्ली के पीरागढ़ी में रह रहा था। एजेंसी ने कहा कि दोनों गगनदीप सिंह उर्फ गोल्डी के सहयोगी थे, जिसे मार्च में गिरफ्तार किया गया था। गगनदीप को एक पीड़ित की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया था।

वोटर लिस्ट पुनरीक्षण को कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए 25 जून को दिए गए आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है, जिसमें तर्क दिया गया है कि यह बिना किसी उचित प्रक्रिया के लाखों मतदाताओं को मनमाने ढंग से मताधिकार से वंचित कर सकता है, जिससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रभावित होंगे और संविधान के मूल ढांचे पर आघात होगा। इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले, चुनाव आयोग ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश दिया है, जिसके तहत उन व्यक्तियों को पात्रता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभ्यास के हिस्से के रूप में 1 जुलाई 1987 से पहले जन्मे व्यक्तियों को अपनी जन्म तिथि और जन्म स्थान का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

बोले दलाई लामा, 40 साल और जिंदा रहूंगा

धर्मशाला। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि वे 130 साल की उम्र तक यानी अभी 40 साल और जिंदा रहेंगे। ९० साल के लामा ने कहा, उन्होंने पूरी मेहनत की है। प्रभु के आशीर्वाद से उम्मीद है कि वे 30-40 साल और जिंदा रहेंगे और बुद्ध धर्म और जीवों की सेवा करते रहेंगे। लामा ने ये बात हाल ही में अपनी मौत के बाद फिर से जन्म लेने (पुनर्जन्म) की इच्छा जाहिर करने के कुछ दिन बाद कही है। बयान के बाद उनके उत्तराधिकारी को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों पर भी रोक लग गई है। लामा ने यह बात धर्मशाला में एक दीर्घायु प्रार्थना सभा के दौरान कही, जहां हजारों अनुयायी उन्हें सुनने आए थे। उन्होंने इससे पहले दिसंबर में दिए इंटरव्यू में कहा था कि वे 110 साल तक जी सकते हैं।

दूसरा दिन: 22 हजार भक्तों ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

बोल बम के जयकारों के साथ तीसरा जत्था रवाना

जम्मू, जेएनएन। देशभर से श्रद्धालु मन में अपार श्रद्धा और विश्वास लिए भोले के धाम श्री अमरनाथ आ रहे हैं। शुक्रवार को उपराज्याल मनोज सिन्हा ने आधार शिविर बालटाल में 800 यात्रियों की व्यवस्था वाले यात्री निवास को समर्पित किया। एक पंजीकरण, सुरक्षा ब्लॉक भी है। बालटाल में स्थापित टेंट सिटी में हजारों श्रद्धालुओं के ठहरने की सुविधा है। नुनवन में यात्री निवास के अक्टूबर से पहले पूरा होने की उम्मीद है। इधर, जम्मू से तड़के 6,411 भक्तों का तीसरा जत्था यात्रा निकला। इनमें 3,622 यात्री पहलगाम, 2,789 बालटाल के लिए निकले, जो शाम को अपने-अपने आधार शिविर में पहुंच गए।

5 देशों की यात्रा का तीसरा पड़ाव: अर्जेंटीना दौरे पर पहुंचे पीएम की द्विपक्षीय बातचीत

खनिज, निवेश, ऊर्जा और कृषि सहित अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर

ब्यूनस आयर्स, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अर्जेंटीना के नेशनल हीरो और स्वतंत्रता सेनानी जनरल होसे डी सैन मार्टिन के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दक्षिण अमेरिकी देशों-अर्जेंटीना, चिली और पेरू को आजादी दिलाने वाले सैन मार्टिन को मुक्तिदाता भी कहा जाता है। मोदी ने इसके बाद राष्ट्रपति जेवियर मिलई से मुलाकात की। राष्ट्रपति जेवियर ने राजधानी ब्यूनस आयर्स में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर ने ब्यूनस आयर्स में डेलिगेशन लेवल पर बातचीत की। मोदी और जेवियर के बीच जरूरी खनिजों, व्यापार-निवेश, ऊर्जा, कृषि सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। दोनों देशों में लिथियम सप्लाई पर समझौता संभव है। अर्जेंटीना के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा लिथियम भंडार है। मोदी ने अर्जेंटीना के विदेश मंत्री गेरार्डो वर्थीन के साथ राजधानी ब्यूनस आयर्स में सैन मार्टिन को श्रद्धांजलि दी। खेती, ट्रेड

अर्जेंटीना पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया।

और खनिज को लेकर दोनों देशों ने कई समझौते किए। मोदी और राष्ट्रपति मिलई ने ट्रेड, सिक्योरिटी, एग्रीकल्चर और स्पेस कई अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने भारत-मर्कोसुर प्राइमरी ट्रेड एग्रीमेंट को आगे बढ़ाने के लिए अर्जेंटीना से समर्थन मांगा। उन्होंने कहा, यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा। दोनों नेताओं ने डिफेंस सेक्टर में भी सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने कहा, कृषि सेक्टर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए अहम है। इसके लिए जल्द कृषि पर जॉइंट एक्शन ग्रुप की बैठक होगी। मोदी ने भारत की हेल्थ और मेडिसन सेक्टर में ताकत पर जोर दिया, खासकर हाई क्वालिटी वाली सस्ती दवाओं के प्रोडेक्शन पर। उन्होंने अर्जेंटीना से भारतीय दवाओं को बाजार में आसानी से लाने के लिए नियमों में बदलाव की मांग की, जिससे अर्जेंटीना के लोगों को सस्ती, जीवनरक्षक दवाएं मिल सकें। अर्जेंटीना ने भारतीय दवाओं के इंपोर्ट के लिए फास्ट क्लियरेंस की जानकारी दी। दोनों नेताओं ने एनर्जी, खनिज सेक्टर में सहयोग पर चर्चा की। मोदी ने भारत की बढ़ती ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों पर जोर देते हुए कहा, अर्जेंटीना भारत का भरोसेमंद साझेदार बन सकता है। अर्जेंटीना के पास दुनिया के दूसरे सबसे बड़े शेल गैस भंडार हैं।लिथियम, तांबा व अन्य खनिजों के विशाल भंडार भी हैं। ये भारत की क्लीन एनर्जी और इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। भारतीय कंपनियां जैसे कोल इंडिया लिमिटेड और केएबीआईएल ने अर्जेंटीना में लिथियम खनन के लिए ५ समझौते किए हैं। भारत-अर्जेंटीना में अंतरिक्ष क्षेत्र में मजबूत साझेदारी है। 2007 में इसरो की मदद से अर्जेंटीना का पहला उपग्रह लॉन्च हुआ था। मोदी ने पहलगाम अटैक के बाद अर्जेंटीना के समर्थन के लिए राष्ट्रपति मिलई को शुक्रिया कहा।

पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो का बड़ा बयान

पाक हाफिज और मसूद को भारत को सौंपने को तैयार

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि उनके देश को विश्वास बहाली के उपाय के रूप में 'जांच के दायरे में आए व्यक्तियों' को भारत को प्रत्यर्पित करने में कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते नई दिल्ली इसमें सहयोग की इच्छा दिखाए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी अध्यक्ष बिलावल ने शुक्रवार को एक पाक चैनल से इंटरव्यू में यह टिप्पणी की। लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद, जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को संभावित समझौते और सद्भावनापूर्ण रुख के तहत भारत को प्रत्यर्पित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बिलावल ने यह टिप्पणी की।

बिलावल ने कहा, पाकिस्तान के साथ व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है, जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा। राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (नैक्टा) के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33

साल की सजा काट रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी नैक्टा ने प्रतिबंधित कर रखा है। बिलावल ने कहा, इन 'व्यक्तियों' के खिलाफ मुकदमे वाले मामले पाकिस्तान से संबंधित थे, जैसे आतंकी गतिविधियों का वित्तपोषण। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के लिए उन पर मुकदमा चलाना मुश्किल था, क्योंकि दिल्ली से बुनियादी चीजों का 'अनुपालन' नहीं किया गया। भारत कुछ बुनियादी चीजों का पालन करने से इनकार कर रहा है, जिसकी दोषसिद्धि के लिए जरूरत होती है। इन अदालतों में सबूत पेश करना, लोगों को भारत से गवाही देने के लिए आना, जो भी जवाबी आरोप लगेंगे उन्हें सहन करना। अगर भारत इस प्रक्रिया में सहयोग को तैयार है, तो मुझे यकीन है कि किसी भी जांच में आए व्यक्ति को प्रत्यर्पित करने में कोई बाधा नहीं आएगी।

अमेरिका में भारी बारिश से नदी में आई बाढ़

टेक्सास में बाढ़ का कहर, 24 की मौत, 23 लड़कियां लापता

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के टेक्सास में शुक्रवार को भारी बारिश के चलते ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ से 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लड़कियां लापता हैं। अब तक 400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि रेस्क्यू टीम काम कर रही है। इसमें नौ बचाव दल, 14 हेलिकॉप्टर और 12 ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। कर्विल के पास कैंप मिस्टिक, जो एक लड़कियों का समर कैंप है, पूरी तरह बाढ़ में डूब गया। कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया है। कैंप में बिजली नहीं है और कई बच्चे अभी भी रेस्क्यू का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि कितने लोग लापता हैं, इसका सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल है। टेक्सास की ग्वाडालूप नदी में शुक्रवार को अचानक उफान आने से कर्बविल, सेंटर पॉइंट, इंग्राम और कम्फर्ट जैसे इलाकों में बाढ़ आ गई। तेज बारिश से शुक्रवार को नदी का जल स्तर कुछ ही घंटे में 7 फीट से बढ़कर 29 फीट हो गया। नेशनल वेदर सर्विस ने शुक्रवार को बाढ़ आने से 12 घंटे पहले फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की थी। टेक्सास में शुक्रवार को बाढ़ आने से कई गाड़ियों को नुकसान हुआ। बारिश की वजह से नदी से लोकल नाले में उफान है, जिससे सड़कों पर पानी भर गया है। टेक्सास में अचानक आई बाढ़ के बाद कई पेड़ डूब गए हैं। टेक्सास की इमरजेंसी टीम शुक्रवार से ही हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू के काम में जुटी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में 14 हेलिकॉप्टर, 12 ड्रोन और नौ रेस्क्यू टीम और लगभग 500 लोग शामिल हैं। बचाव दल ने अब तक 400 से ज्यादा लोगों को बाढ़ में बहने से बचाया है।

'फिल्मिस्तान स्टूडियो' 183 करोड़ रुपए में बिका

मुंबई, जेएनएन। शुरुआती स्टूडियो में से एक फिल्मिस्तान स्टूडियो को रियल एस्टेट डेवलपर्स अर्केड डेवलपर्स ने 183 करोड़ रुपए की भारी रकम में खरीद लिया है। 1940 के दशक में इस स्टूडियो में फिल्मों की शूटिंग हुआ करती थी। इस कारण ये भारतीय सिनेमा का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन गया था, लेकिन अब इसे बेच दिया गया, जिससे उन लोगों को थोड़ा धक्का जरूर लगा, जो इससे करीबी रूप से जुड़े हुए थे।

फिल्मिस्तान स्टूडियो को काजोल और रानी मुखर्जी के दादा ससाधर मुखर्जी ने अपने बहनोई यानी बहन के पति और एक्टर अशोक कुमार के साथ मिलकर 1943 में स्थापित किया था। ज्ञान मुखर्जी और बहादुर चुन्नीलाल भी स्टूडियो के फाउंडर थे। इसे तब बनाया गया, जब अशोक कुमार ने शहर के सबसे नामी स्टूडियो बॉम्बे टॉकीज को छोड़ दिया था। शुरुआती समय में फिल्म स्टूडियो को सिर्फ एक इस तौर पर नहीं देखा जाता था कि यहां फिल्में बनाई जाती हैं बल्कि इसे प्रोडक्शन कंपनी के रूप में देखा जाता था, जो फिल्में बनाती थीं। अपने साउंड स्टेज, आउटडोर सेट और फिल्ममेकर के कारण फेमस फिल्मिस्तान ने कई दशक तक कई बॉलीवुड फिल्मों, टीवी सीरीयल्स और कमर्शियल्स शूट्स के लिए शूटिंग लोकेशन के रूप में काम किया है। हालांकि, हाल के समय में इसमें गिरावट देखी गई, क्योंकि एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस स्टूडियो ने शहर में अपना पैर पसारना शुरू कर दिया था।

चीफ जस्टिस बीआर गवई बोले-कई पीढ़ियों के समर्पण से बनी प्रतिष्ठा

10 से 5 की नौकरी नहीं है जज बनना

मुंबई, जेएनएन। देश के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि कानून या संविधान की व्याख्या व्यावहारिक होनी चाहिए और वह समाज की जरूरतों के अनुसार होनी चाहिए। जस्टिस गवई ने यहां बांबे हाई कोर्ट द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में कहा कि हाल में उन्हें कुछ सहकर्मियों के अशिष्ट व्यवहार के बारे में शिकायतें मिली थीं और उन्होंने न्यायाधीशों से न्यायपालिका की प्रतिष्ठा की रक्षा करने का अनुरोध किया। सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि किसी भी कानून या संविधान की व्याख्या वर्तमान पीढ़ी के सामने आने वाली समस्याओं के संदर्भ में की जानी चाहिए। उन्होंने कहा-'व्याख्या

व्यावहारिक होनी चाहिए। यह समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए।' जस्टिस गवई ने कहा कि न्यायाधीशों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने विवेक और कानून के अनुसार काम करें, लेकिन मामले का फैसला हो जाने के बाद उन्हें कभी विचलित नहीं होना चाहिए। न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में बात करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि किसी भी कीमत पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्टों में नियुक्तियां करते समय कोलेजियम यह सुनिश्चित करता है कि योग्यता के साथ-साथ विविधता और समावेशिता भी बनी रहे। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि हाल में उन्हें कुछ सहकर्मियों के अशिष्ट व्यवहार के बारे में बहुत सारी शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा-न्यायाधीश बनना 10 से पांच बजे की नौकरी नहीं है, यह समाज की सेवा करने का मौका है। यह राष्ट्र की सेवा करने का मौका है। सीजेआई ने कहा-कृपया ऐसा कुछ न करें, जिससे इस प्रतिष्ठित संस्थान की प्रतिष्ठा पर आंच आए। इसकी प्रतिष्ठा कई पीढ़ियों के वकीलों और न्यायाधीशों की निष्ठा और समर्पण से बनी है।

पीवीसी पाइप्स उत्पाद पर बीआईएस का कैप्सूल कोर्स सम्पन्न

भोपाल। भारतीय मानक ब्यूरो भोपाल शाखा कार्यालय द्वारा 03 एवं 04 जुलाई को पीवीसी पाइप्स उद्योगों के गुणवत्ता नियंत्रण कर्मियों हेतु दो दिवसीय कैप्सूल कोर्स का आयोजन चोकसी लेबोरेटरीज लिमिटेड, इंदौर मे किया गया। इस प्रशिक्षण में मोहम्मद रिजवान वैज्ञानक-ई/निदेशक एवं प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो, भोपाल शाखा कार्यालयने कैप्सूल कोर्स के उद्देश्य और महत्वता पर प्रकाश डाला। श्री रिजवान द्वारा बाजार के नमूनों और एफएस की आवृत्ति पर चर्चा की तथा बीआईएस पोर्टल और वेबसाइट, बीआईएस केयर मोबाइल एप्लिकेशन, लाइसेंस देने, लाइसेंस के नवीनीकरण और लाइसेंस के दायरे में बदलाव, बीआईएस अधिनियम के संबंध में बीआईएस दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तार से बताया गया। संजय कुमार विश्वकर्मा , वैज्ञानिक-सी/उपनिदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, भोपाल ने भारतीय मानक आईएस 4985, आईएस 12818 , आईएस 13592 और उनके उत्पाद मैनुअल, एसआईटी आदि पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को लैब भ्रमण के दौरान प्रायोगिक परीक्षणभी कराए गए। प्रशिक्षण में उपस्थित सभी तकनीकविदों ने बीआईएस द्वारा आयोजित कार्यशाला की प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्यूरो की इस कार्यशाला में मानकों एवं परीक्षण की तकनीकी बारीकियों के बारे में बताया जो उत्पादों के गुणवत्ता विकास के लिये अत्यंत उपयोगी होगा।

न्यायपालिका | गोवा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में बोले रिटायर जस्टिस ओक

आज भी खतरे में है कोर्ट की स्वतंत्रता

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस अभय एस ओक ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा नियुक्ति के लिए अनुशंसित जजों के नामों को मंजूरी देने में देरी के लिए सरकार को आड़े हाथों लिया है। जस्टिस ओक ने गोवा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्व. जस्टिस एचआर खन्ना मेमोरियल लेक्चर सीरीज़ के पहले संस्करण में कहा, आज भी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को चुनौती दी जा रही है। मैं एक उदाहरण देता हूं। हमारे पास कॉलेजियम सिस्टम है। इसके काम करने के तरीके से जुड़े हर दस्तावेज को पारदर्शी बनाया जाता है। आज कॉलेजियम द्वारा सिफारिश को मंजूरी दिए जाने के बाद इसे वेबसाइट पर डाल दिया जाता है, सरकार को जजों के नाम को मंजूरी देने में 9 महीने, 10 महीने, साल लग जाते हैं! एक बार जब सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का प्रस्ताव वेबसाइट पर आ जाता है, तो कृपया उस व्यक्ति की मानसिकता की कल्पना करें। उसे काम नहीं मिल पाता, उसे लगता है कि

वह जज बनने जा रहा है, लेकिन उसे 9 महीने, 10 महीने या एक साल या उससे भी ज्यादा इंतजार करना पड़ता है। क्या इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित नहीं होती? सीजेआई गवई ने बॉम्बे हाईकोर्ट में शुरू की लाइव स्ट्रीमिंग सुविधा व्याख्यान का विषय न्यायपालिका की स्वतंत्रता था। जस्टिस ओक के अलावा गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई, जस्टिस भारती डांगरे (गोवा में बॉम्बे हाईकोर्ट के जज), गोवा के एडवोकेट जनरल (और सीनियर एडवोकेट) देवीदास जे पंगम और सीनियर एडवोकेट (और जीएचसीबीए अध्यक्ष) जोस एल्मानो कोएलो परेरा भी मौजूद थे।

एडवोकेट मजूमदार ने एक साल से लंबित मंजूरी के चलते न्यायाधीश बनने की सहमति वापस ली

एडवोकेट श्वेतश्री मजूमदार ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्ति के लिए अपनी सहमति वापस ले ली है, क्योंकि केंद्र ने उनके नाम पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश को एक साल तक लंबित रखा है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की। हालांकि फैसले के लिए किसी भी कारण का खुलासा नहीं किया। 21 अगस्त, 2024 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की अध्यक्षता तब सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने की थी, उन्होंने दो अन्य वकीलों अजय दिगपॉल और हरीश वैद्यनाथन शंकर के साथ मजूमदार के नाम की सिफारिश की थी, जबकि केंद्र ने 6 जनवरी, 2025 को उसी प्रस्ताव में अन्य दो अधिवक्ताओं की नियुक्तियों को मंजूरी दे दी, मजूमदार का नाम बिना किसी कारण के लंबित छोड़ दिया गया था। नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु की पूर्व छात्रा मजूमदार

को दिल्ली हाईकोर्ट के मूल पक्ष में बौद्धिक संपदा अधिकारों के क्षेत्र में प्रैक्टिस के लिए जाना जाता है। उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट की विभिन्न पीठों द्वारा एमिकस क्यूरी नियुक्त किया गया है और दिल्ली हाईकोर्ट (मूल पक्ष) नियम, 2018 का मसौदा तैयार करने जिम्मेदार ६ सदस्यीय समिति में कार्य किया है। वह विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के साथ एक पैनलिस्ट भी हैं। यह एकमात्र उदाहरण नहीं है जब केंद्र कॉलेजियम प्रस्तावों पर समय पर कार्रवाई नहीं की। केंद्र ने अभी तक दिल्ली हाईकोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता सौरभ कृपाल की नियुक्ति को मंजूरी नहीं दी है, इसके बावजूद कि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2023 में उनके नाम को दोहराया था, उनके यौन अभिविन्यास से संबंधित आपत्तियों को खारिज करने के बाद। कानून के अनुसार, कॉलेजियम द्वारा दोहराया गया दोहराव केंद्र के लिए बाध्यकारी है।

बिग ब्यूटीफुल बिल पर ट्रंप ने किए साइन

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 4 जुलाई को टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले बिग ब्यूटीफुल बिल पास पर साइन किए। इसके साथ ही यह बिल अब कानून बन गया। यह बिल कल ही अमेरिकी संसद के अमेरिकी संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स) से पास हुआ। बिल के सपोर्ट में 218, जबकि विरोध में 214 लोगों ने वोट डाला। ट्रंप की ही पार्टी के दो सांसद थॉमस मैसी और ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक ने इस बिल के खिलाफ वोट दिया था। इसी बिल को लेकर ट्रम्प और इलॉन मस्क ने एक दूसरे के खिलाफ तीखी बयानबाजी की थी। यह बिल 3 दिन पहले ही अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 50-51 के मामूली अंतर से पास हुआ था। उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस बिल को लेकर निर्णायक वोट डाला था। इलॉन मस्क ने शनिवार को ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल की आलोचना की थी। मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा था-ट्रंप का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा।

जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर मुखर्जी की जयंती पर पूरे जिले के 931 बूथों पर किया गया स्मरण

कश्मीर में धारा 370 हटाने का सपना डॉक्टर मुखर्जी ने देखा और उसे मोदी जी ने पूरा किया : बृजेंद्र मिश्रा

पन्ना । भाजपा के पितृ पुरुष, जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर 6 जुलाई रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के 19 मंडलों के 931 बूथों पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई।

साथ ही संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण भी किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार,भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा के द्वारा जिले के अमानगंज मंडल में भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पौधारोपण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी के विचार हमें राष्ट्र सेवा की भावना और संगठन निर्माण के संकल्प की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी ने जनसंघ के रूप में जो बीज लगाया था,वह आज भाजपा के रूप में फलदार वृक्ष बन गया है,जिसकी छाया में भाजपा कार्यकर्ता जन सेवा और राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष जयप्रकाश चतुर्वेदी ने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी , डॉ मुखर्जी ने जन संघ की स्थापना की तथा डॉक्टर मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर के लिए एक देश में एक विधान एक निशान एक प्रधान की मांग की। आज हम डॉक्टर साहब मुखर्जी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं उनके योगदान को याद करते हैं कार्यक्रम की प्रस्तावना मंडल अध्यक्ष प्रशांत चतुर्वेदी ने रखी। और आभार प्रदर्शन दीपक यादव ने किया इस दौरान भाजपा नगर मंडल पन्ना द्वारा स्थानीय भाजपा कार्यालय में डॉ मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया गया। साथ ही संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती आशा गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डॉक्टर मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री त्रिपाठी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हैं कहा कि डॉ मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था डॉ मुखर्जी ने शिक्षा कोलकाता विश्वविद्यालय से प्राप्त की और बाद में भी लंदन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने डॉ मुख़र्जी महान नेता शिक्षाविद देशभक्त थे भारतीय राजनीति में उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री त्रिपाठी ने कहा कि इतिहास उनके समर्पण बलिदान को हमेशा याद करेगा जिनमें त्याग के कारण आज हम कश्मीर में स्वच्छंद होकर घूम पाते हैं श्री मुखर्जी के जन्म जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। अमानगंज मंडल के कार्यक्रम में मुख्य रूप से जयप्रकाश चतुर्वेदी,

संजय तिवारी, लल्लू लाल रावत, अंगद प्रजापति, मस्तराम राजपूत, राजू चौबे, लखन लाल तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, विजय सोनी, कमल जैन, प्रदीप अवस्थी, राजा प्रजापति, भूपेंद्र सिंह परमार ,बारे राजा आनंद सिंह राजपूत ,राजदीप गोस्वामी,बाला प्रसाद यादव यादव, त्रिलोक सिंह यादव, कीर्ति भान सिंह, घमंडी चौधरी दीपेन चौबे ,पंकज परोहा ,कौशल बागड़ी ,जितेंद्र यादव ,सत्यम पांडे रजनीश तिवारी ,बृजेश सिंह राजपूत, संतोष सोनी ,जगदीश लोधी ,अमित चांदपुरिया, नीरज बबड़ेरिया, सत्यम सेन, दादू राजा ,दिलीप पांडे ,हीरा सिंह यादवयादव, कार्यक्रम का सफल संचालन महामंत्री दीपक यादव द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आभार उपाध्यक्ष अमित द्विवेदी बंटी द्वारा किया गया।

पन्ना के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर दर्शनीय स्थलों के संकेतक लगे

पन्ना । पन्ना नगर को मंदिरों की नगरी के रूप में जाना जाता है । मगर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के सामने एक समस्या ये आती थी, कि नगर में प्रवेश से लेकर नगर तक में किसी भी मंदिर या दर्शनीय स्थलों की दिशा बताने के लिए कोई साइन बोर्ड या संकेतक नहीं लगे थे । इससे बाहरी व्यक्तियों को पूछ पूछ कर उन स्थलों तक जाना पड़ता था ।

कुछ महीने पूर्व पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने जिला पुरातत्व,पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक में मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के उपयंत्री विवेक चौबे को निर्देशित किया कि पन्ना शहर के पहुंच मार्ग एवं शहर के प्रमुख चौराहों व तिराहों पर पन्ना के मंदिरों एवं दर्शनीय स्थलों के संकेतक बोर्ड बनवा कर लगाए । जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के शासकीय सदस्य आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पाण्डेय को निर्देशित किया कि आप मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के साथ मिलकर संकेतक बोर्ड वाले स्थलों का सर्वे कर उस अनुसार संकेतक बोर्ड बनवाने में सहयोग करेंगे ।

मुकेश पाण्डेय ने बताया कि मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से जिले के प्रवेश स्थल और प्रमुख पर्यटन स्थल ग्राम मड़ला स्थित पन्ना टाइगर रिजर्व, हिनौता गेट मनौर, के साथ पन्ना नगर के अंदर बीटीआई तिराहा, कोतवाली तिराहा, छत्रसाल उद्यान तिराहा, बल्देव जी मंदिर, पावर हाउस चौराहा, गांधी चौक, जुगल किशोर मंदिर प्रवेश मार्ग के पास, प्राणनाथ चौक (पुरानी कचहरी चौक) में संकेतक बोर्ड लगाए गए है । साथ नगर के प्रवेश स्थल डायमंड चौक, मोहनव निवास तिराहा और पहाड़ीखेड़ा मार्ग पर स्थित जनकपुर मंदिर के पास कैंटीलिवर बोर्ड लगाए गए है।

माँ सरस्वती लाइब्रेरी का हुआ फीता काटकर शुभारम्भ

पन्ना। देवेन्द्रनगर अंतर्गत माँ सरस्वती लाइब्रेरी का शुभारम्भ किया गया है जिसमे उमेश शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता, रिटायर्ड प्राचार्य रामलखन शुक्ला, एवं प्राचार्य जिगदहा रामबली सिंह माझी के कर कमलों के द्वारा फीता कर शुभारम्भ किया गया इस कार्यक्रम मे अन्य अध्यापक एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच कार्यक्रम को किया गया। साथ ही शुक्ला जी के द्वारा सरस्वती वंदना करते हुए कार्यक्रम को सम्पन्न कराया। एवं नगर वासियो से अपील है की अपने जिन विद्यार्थियों को लाइब्रेरी ज्वाइन करना है शीघ्र ज्वाइन कर ले जिससे जो ऑफर दिया गया है उसका लाभ भी मिल सके। विद्यार्थी अपना लाइब्रेरी मे समय से आकर लाभ उठायें और अपना उज्जवल भविष्य बनायें।

दक्षिण पन्ना के मोहंद्रा रेंज में माँ कांकली मंदिर परिसर में पौधरोपण

पन्ना । दक्षिण वनमंडल पन्ना के मोहंद्रा परिक्षेत्र अंतर्गत बनौली स्थित माँ कांकली मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक, पवई विधानसभा क्षेत्र, प्रहलाद लोधी, समिति सदस्यों एवं वन विभाग के अधिकारियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति सदस्यों और स्थानीय लोगों को वनों और वन्यजीवों के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें वनों के संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षा के उपाय भी समझाए गए, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्ध प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सके। सभी समिति सदस्यों एवं उपस्थित लोगों ने वनों को बचाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने की सामूहिक प्रतिज्ञा भी ली। इस अवसर पर विधायक प्रहलाद लोधी, बनौली समिति के स्थानीय सदस्यगण, परिक्षेत्र अधिकारी मोहंद्रा अभय दुबे, परिक्षेत्र सहायक शंकर दहायत, वनरक्षक ओम प्रकाश सिंह एवं संदीप राय सहित वन अमला उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का वातावरण बना, जिससे क्षेत्र में हरित आच्छादन बढ़ाने के प्रयासों को नई गति मिलेगी।

खाद्यान चोरी करने वाले 02 आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 04 क्विंटल 50किलो चना एवं घटना मे प्रयुक्त साइकिल जप्त

पन्ना । पुलिस अधीक्षक पन्ना सांई कृष्ण एस थोटा द्वारा पन्ना जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अपने अपने थाना क्षेत्रो में घटित हुई चोरी की वारदातों के खुलासा करने हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना सिंह के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थानो में थाना स्तर पर पुलिस टीमो का गठन किया गया है । इसी तारतम्य में थाना रैपुरा के एक प्रकरण में खाद्यान चोरी करने वाले 02 आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर चोरी हुआ 04 क्विंटल चना बरामद किया गया है । मामले में फरियादी जीतेन्द्र सिंह पिता हल्के राजा बुंदेला निवासी इमलिया थाना रैपुरा ने थाना आकर रिपोर्ट किया कि दिनांक 4-5/7/2025 की दरमियानी रात्रि मे

अज्ञात चोरों द्वारा 04 क्विंटल 50 किलो चना चोरी कर लिया गया है फरियादी की रिपोर्ट पर थाना रैपुरा में अपराध क्रमांक 157/25 धारा 331(4), 305 इ्ठ्ठ्य का कायम कर विवेचना में लिया गया थाना प्रभारी रैपुरा उप निरी संतोष यादव द्वारा मामले की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई । वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार चोरी गया खाद्यान एवं अज्ञात आरोपी की तलाश हेतु गठित पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किये गये साथ ही अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया । पुलिस द्वारा किए गए सार्थक प्रयासों एवं मुखबिर सूचना के परिणाम स्वरूप पुलिस द्वारा 02 संदेही को चिन्हित किया जाकर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया । पुलिस द्वारा संदेहियो से पूछताछ किये जाने पर संदेही व्यक्ति द्वारा अपना जुर्म स्वीकार किया पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से चोरी हुआ खाद्यान 04 क्विंटल 50 किलो चना एवं घटना मे प्रयुक्त साइकिल बरामद की जाकर आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है ।

गिरफ्तार आरोपी – 01लखन यादव पिता मुन्नी यादव निवासी सोनमक्ला 02 सुम्मेर यादव पिता मुन्नी लाल यादव उपरोक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी रैपुरा संतोष यादव एवं उनके स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

स्कूली बच्चों व ग्रामीणों ने किया पौधरोपण, लिया संरक्षण का संकल्प

पन्ना । दक्षिण वनमंडल पन्ना अंन्तर्गत सलेहा परिक्षेत्र के ग्राम खभरी में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण की प्रेरक पहल देखने को मिली। वन विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों से लेकर ग्रामीणजन तक सभी ने वृक्षारोपण एवं प्रकृति संवाद में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के प्रथम चरण में शासकीय प्राथमिक शाला खभरी में विद्यार्थियों को वनों और पेड़ों के महत्व की जानकारी दी गई। पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता अजय चौरसिया ने बच्चों को पेड़ों के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ, जलवायु संतुलन, जैव विविधता और मानव जीवन पर उनके प्रभाव के बारे में सरल एवं प्रेरक शैली में बताया। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में आंवला, शीशम और नीम के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर वन परिक्षेत्राधिकारी सलेहा हरिसिंह गोंड, ग्राम पंचायत खभरी के सरपंच, बीट प्रभारी महेन्द्र अग्रहरी, विद्यालय की शिक्षिकाएँ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे और सभी ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। कार्यक्रम का दूसरा चरण शाम को खभरी बीट क्षेत्र में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित हुए। इस अवसर पर अजय चौरसिया ने वनों से मिलने वाले जीवनदायिनी लाभों, जल स्रोतों की सुरक्षा, वन्यजीव संरक्षण और वनों के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से वनों एवं वन्यजीवों के संरक्षण का संकल्प लिया। पूरे आयोजन में सैकड़ों लोगों की भागीदारी रही, जिसने यह सिद्ध किया कि ग्राम स्तर पर जनजागरूकता और सहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक परिवर्तन संभव है।

जेल कस्टडी में कैदी की संदिग्ध मौत से सनसनी

पवई। पन्ना जिले के पवई उपजेल में रविवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान हरिराम चौधरी (निवासी ङ्क विजवार, जिला दमोह) के रूप में हुई है, जिसे 30 जून को मोहंद्रा वन परिक्षेत्र की टीम ने शिकार के आरोप में उसके घर से गिरफ्तार किया था मृतक की पत्नी का कहना है कि जब वह मंगलवार को मोहंद्रा पहुंची और अपने पति से मिली, तो उसके शरीर पर गंभीर घाव थे और घुटने में पट्टी बंधी हुई थी। उनका आरोप है कि वनकर्मियों ने न सिर्फ हरिराम को, बल्कि उसे भी प्रताड़ित किया और बाद में दोनों को पवई जेल भेज दिया गया। मौत की खबर मिलते ही पवई जेल परिसर में परिजनों सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। हालात

तनावपूर्ण होते देख मौके पर एसडीएम समीक्षा जैन, एसडीओपी, तहसीलदार सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

विधायक प्रह्लाद लोधी ने अपने जन्मदिन पर पौधरोपण कर दिया पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

पवई। पवई विधानसभा के सहज, सरल एवं मिलनसार विधायक प्रह्लाद लोधी के जन्मदिन के अवसर पर समस्त विधानसभा क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। उनके शुभचिंतकों एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से तथा विधायक निवास पर पहुँचकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस विशेष दिन को यादगार बनाने हेतु विधायक लोधी द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के तमाम वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष निधि पटेरिया, जिला महामंत्री दीपेंद्र सिंह परमार, मधु गुलाब सोनी, पुष्पेंद्र पटेल, हरिराम पटेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनसमुदाय ने अपने लाडले विधायक के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

पवई नगर में मोहर्रम के अवसर पर ताजियों का निकाला गया भव्य जुलूस

पवई। मोहर्रम के पावन अवसर पर पवई नगर में पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ ताजियों का जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा भारी संख्या में सम्मिलित हुए। पूरे नगर में मातमी माहौल के बीच सौहार्द और अनुशासन की मिसाल देखने को मिली। ताजिया जुलूस के दौरान मुस्लिम युवाओं द्वारा जगह-जगह हैरतअंगेज कर्तव्य और मार्शल आर्ट जैसे प्रदर्शन भी किए गए, जिसे देखने के लिए नगरवासियों की भीड़ उमड़ पड़ी। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच चल रहे जुलूस में मातम मनाते नौजवानों ने हुसैन की शहादत को याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। नगर में मोहर्रम का यह जुलूस धार्मिक आस्था, एकता और भाईचारे का प्रतीक बन गया।

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो आज भारत के नक्शे में कश्मीर और बंगाल भी न होते : कांतदेव सिंह

डॉ. मुखर्जी के जन्म जयंती के कार्यक्रम मे बोले प्रदेश उपाध्यक्ष

जागरण, बैढ़न

6 जुलाई को जनसंघ के संस्थापक एवं आज की भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती है तथा 23 जून को मुखर्जी जी की पुण्यतिथि होती है जिसे भारतीय जनता पार्टी अखिल भारतीय स्तर पर बलिदान दिवस के रूप मे मनाती है । डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि 23 जून से उनकी जयंती 6 जुलाई तक को भाजपा एक विशेष पखवाड़े के रूप मे भी मनाती है जिसके अंतर्गत कई प्रकार के कार्यक्रम एवं सांगठनिक गतिविधियों का भी आयोजन होता है। डा मुखर्जी के जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली ने एक विशेष प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन जिला कार्यालय के सभागार में किया। इस प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करने के लिये भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह को मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप मे उपस्थित रहे तथा सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप मे सिंगरौली विधायक रामनिवास एवं सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम सुमिरन गुप्ता गिरीश द्विवेदी वीरेंद्र गोयल उपस्थित रहे। जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार ने बताया कि कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ पितृ पुरुषों की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन से हुआ तथा सम्मेलन में स्वागत उद्बोधन इस कार्यक्रम के संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल चतुर्वेदी ने दिया। उन्होंने समस्त उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया तथा विषय वस्तु पर अपना सारगर्भित उद्बोधन दिया। अपने उद्बोधन में जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने बलिदान दिवस पखवाड़े मे आयोजित विभिन्न सांगठनिक कार्यक्रमों तथा गतिविधियों की क्रमवार जानकारी प्रस्तुत की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि पिछले एक पखवाड़े से अब तक प्रधानमंत्री के आह्वान को समर्पित एक पेड़ मां के नाम अभियान में हजारों पौधों का रोपण हमारे कार्यकर्ताओं द्वारा प्रत्येक मंडलों में किया गया है तथा प्रत्येक पेड़ की देखभाल के लिए एक पालक भी नियुक्त किया गया है ताकि वह पौधा वृक्ष का रूप ले सके। अपने उद्बोधन मे मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक व्यक्ति ही नहीं बल्कि एक युग प्रवर्तक के रूप मे हम सभी को प्राप्त हुए थे। भारतीय इतिहास में अगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो आज भारत के मानचित्र पर जम्मू.कश्मीर एवं पश्चिम बंगाल भी न होते। बंटवारे के समय पूरा बंगाल एवं जम्मू.कश्मीर पाकिस्तान के हिस्से मे जा रहा था जिसका डॉ मुखर्जी ने पुरजोर विरोध किया तथा उसके फलस्वरूप पश्चिम बंगाल भारत में ही है किंतु पंडित नेहरू और शेख अब्दुल्ला की साजिशों ने जम्मू.कश्मीर को एक अलग राष्ट्र की तहत स्थापित कर दिया जिसका अलग प्रधानमंत्री अलग संविधान तथा अलग झंडा हुआ करता था। डाक्टर मुखर्जी अनुच्छेद 370 के मुखर विरोधी थे तथा उन्होंने तब की सरकार मे उद्योग मंत्री के पद को छोड़कर कांग्रेस से भी त्यागपत्र दिया। उन्होंने तत्कालीन संघ प्रमुख गुरु गोलवलकर की सलाह पर अलग राजनैतिक दल के गठन मे सम्मिलित हुये और एक प्रधान एक विधान और एक निशान के आंदोलन को नेतृत्व दिया। जून 1953 को कश्मीर आंदोलन को दिशा देने के लिए डॉ मुखर्जी बिना अनुमति जम्मू.कश्मीर मे दाखिल हुए और उन्हें कश्मीर के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया तथा तक की कांग्रेस सरकार के शह पर उनको अनेक यातनाएं दी गईं। उन्हें उंचाई पर रखा गया तथा एक छोटे से कमरे में बंद करके रखा गया जिससे उनका स्वास्थ्य खराब हुआ तथा उपचार के नाम पर उनको वो दवाईयां दी गईं जो उनके लिए प्रतिबंधित थी जिससे उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ा और उनकी मृत्यु हो गई। डाक्टर मुखर्जी की मृत्यु सामान्य मृत्यु नहीं एक षड्यंत्र पूर्वक हत्या थी। उन्होंने 23 जून 1953 को अपने प्राण जम्मू.कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए त्यागे थे इसलिए उनकी पुण्यतिथि को हम बलिदान दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। आज प्रधानमंत्री ने 370 का खात्मा कर जम्मू.कश्मीर को भारत का पूर्ण हिस्सा बनाया है तथा डॉ मुखर्जी के स्वप्न को साकार किया है। हमें इस बात का भी पूर्ण विश्वास है कि जो कश्मीर का भाग अनाधिकृत रूप से पाकिस्तान के पास है वो भी जल्दी ही भारत का अभिन्न अंग होगा। सम्मेलन का मंचीय संचालन इस कार्यक्रम की सह संयोजक एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा जायसवाल ने किया तथा आभार प्रकट का कार्य कार्यक्रम के सह संयोजक एवं जिला महामंत्री लालपति साकेत ने किया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष सरोज सिंह राजेश तिवारी सरोज शाह अरविंद दुबे आशा यादव जिला महामंत्री राजकुमार दुबे सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के वशिष्ठ पांडेय जिलामंत्री अरविंद तिवारी विनोद चौबे कार्यालय मंत्री कृष्ण कुमार कुशवाहा आइ टी प्रकोष्ठ संयोजक सुरेश गिरी मंडल अध्यक्ष सौरभ गुप्ता नीरज पांडेय कमलेश शाह संदीप झा विनोद सिंह कुरूवंशी मनोज शाह मंगल सिंह वरिष्ठ नेता नरेश शाह अरूण देव पांडेय सुरेन्द्र पांडेय किरन सोनी गिरिजा पांडेय समेत जिले भर से आये भाजपा कार्यकर्ता एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

खतरों के बीच विद्याध्ययन कर रहे नौनिहाल

जर्जर भवन, टूटा झूले, सुविधाघर का अभाव, पेयजल का संकट झेल रहा उर्रहट प्रथमिक विद्यालय, गेट पर लगी खुली डीपी

जागरण, रीवा। प्रतिवर्ष शिक्षा को बढ़ावा देने करोड़ों रुपया पानी की तरह बहाया जाता है, वर्ष भर में कइयों बार शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम होते हैं। इसके अलावा हर साल कोई न कोई नए प्रयोग भी किए जाते हैं, जिससे प्रदेश सहित देश में शिक्षा का स्तर बढ़ाया जा सके। शिक्षा प्रशासन द्वारा प्रशिक्षण, प्रयोग तो किए जा रहे हैं, लेकिन शासकीय विद्यालय के जर्जर भवनों को दुरुस्त करने व विद्यालयों में सुविधा मुहैया करवाए जाने किसी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जा रहा, नतीजतन धीरे-धीरे विद्यार्थियों सहित उनके अभिभवकों की रुचि शासकीय विद्यालयों के प्रति कम होती जा रही है। जिसका एक उदाहरण देखा जा सकता है शहर के उर्रहट क्षेत्र में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का, जहां आने वाले विद्यार्थी खतरों के बीच विद्याध्ययन करने को मजबूर हैं।

विद्यालय भवन हो चुका जर्जर : जहां वर्तमान में विद्यालय संचालित किया जा रहा है वह भवन जर्जर हो चुका है, छत का प्लास्टर उधड़ चुका है, कई जगह से फर्श उखड़ चुकी है, पहले ही यहां बने दो भवनों के कंडम होने से उन्हें अनुपयोगी घोषित कर बंद कर दिया गया है। विद्यालय परिसर में खड़ा जर्जर भवन बच्चों का कभी भी अहित कर सकता है। पाठ्य-पुस्तकों में कक्षा पांचवीं की अंग्रेजी की पुस्तक अभी तक छात्रों को वितरित नहीं की गई, शिक्षकों ने बताया की पुस्तकें आयी ही नहीं। गणवेश राशि अभी जमा नहीं हुई है, स्कूल की भूमि पर बगल में कब्जा किया हुआ है, परिसर में गंदगी का आलम है, आवारा मवेशी अंदर विचरण करते देखे जा सकते हैं। बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन समूह द्वारा बनाकर लाया जाता है, कुल मिलाकर यहां सुविधाएं शून्य हैं।

टूटे झूले से गिरकर छात्र हुआ घायल

विद्यालय में बालक-बालिका मिलाकर 32 बच्चे दर्ज हैं, विद्यालय के मुख्य द्वार पर ही खुली डीपी लगी है जो स्कूल आने वाले विद्यार्थियों के लिए सदैव खतरा बनी रहती है। मुख्य द्वार से अंदर पहुंचते ही टूटा झूला लगा है, जिसमें झूलने के चक्कर में शुक्रवार को यहां का एक छात्र घायल हो गया, शनिवार को घायल छात्र सहित उसके भाई-बहन भी स्कूल नहीं आए। शिक्षक दिनेश पाण्डेय ने बताया कि विद्यालय को झूला दान में मिला था, किन्तु उसके रखरखाव के लिए राशि आवंटित नहीं होती, झूला टूटा है, ध्यान रखते हैं, लेकिन बाथरूम के बहाने छात्र झूले तक पहुंच जाते हैं।

बालक-बालिका दोनों के लिए एक ही सुविधाघर : नियमानुसार बालक-बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक सुविधाघर होना अनिवार्य है, किन्तु यहां बालक-बालिकाओं के उपयोग हेतु एक ही सुविधाघर बना है। बच्चों को पीने के पानी की बोतल घर से लेकर आना पड़ रही है। यहां लगा हैंडपंप बरसात व शीतकाल में कुछ समय तक पानी देता है, ग्रीष्मकाल में पानी मिलना बंद हो जाता है।

जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है : उपायुक्त सहकारिता

जागरण, बैढ़न। उपायुक्त सहकारिता ने बताया कि जिले मे मार्कफेड गोदाम कचनी एवं जियावन देवसर से नियमित रूप से किसानों को खाद का वितरण किया जा रहा है। कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला द्वारा जिले में खाद की उपलब्धता की सतत् समीक्षा की जाती है। कलेक्टर के प्रयास से जिले में से 2634 टन यूरिया की एक रैक बरगवां आ चुकी है। जहाँ से जिले की समितियों एवं गुना मार्कफेड गोदाम कचनी एवं जियावन में खाद का भंडारण कराया जा रहा है। इनके अलावा यूरिया की 2600 टन की एक और रैक सिन्दरी झारखण्ड से बरगवां रैक प्वाईन्ट पर आज शाम तक पहुंच जाएगी जिलें के सभी समितियों में मांग अनुसार यूरिया खाद का भंडारण करा लिया जाएगा।

राज्य मंत्री ने छात्रावास के अधीक्षकों के साथ किया बैठक सत्र 25-26 की लिया भौतिक जानकारी

जागरण, चितरंगी। तहसील कार्यालय चितरंगी में राज्य मंत्री राधा सिंह ने छात्रावस अधीक्षकों के साथ मीटिंग किया। वर्ष 25 -.26 सत्र की भैतिक जानकारी लिया। जिसमे छात्रावस की बेड शौचालय पानी भवन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर एक कार्य योजना तैयार की गई जिसमें आने वाले समय मे सभी छात्रावासों को दुरस्त किया जा सके ताकि चितरंगी क्षेत्र के गरीब आदिवासी अनुसूचित जाति के छात्र छात्राओं को बेहतर सुविधा मुहैया कराई जा सके। शासन द्वारा गरीब बच्चों को जो सुविधा या योजना तैयार किया है उसका शत प्रतिशत क्रियान्यवन किया जा सके। बैठक में उपस्थित तहसीलदार चितरंगी ऋषि नारायण सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी चितरंगी मान सिंह सैयाम विकास खंड शिक्षा अधिकारी मिश्रीलाल सिंह एवं समस्त छात्रवस अधीक्षक अधीक्षिका मौजूद रही।

एसजीएमएच के 5 आउटसोर्स कर्मचारियों ने फिर किया रक्तदान

रीवा। संजय गांधी अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारी देवदूत बन गए हैं। मरीजों की जान बचाने के लिए हर सप्ताह रक्तदान कर रहे हैं। ब्लड बैंक खून से खाली न रह जाए इसके लिए आउटसोर्स कर्मचारियों ने संकल्प लिया है। 4 सप्ताह से इस परंपरा को आउटसोर्स कर्मचारी निभा रहे हैं। हर सप्ताह से तीन से पांच आउटसोर्स कर्मचारी ब्लड बैंक पहुंच कर स्वैच्छिक रक्तदान कर रहे हैं। 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस से इस अभियान की आउटसोर्स कर्मचारियो ने शुरुआत की थी। इनके प्रयास से मरीजों को नया जीवनदान मिल रहा है। कैंसर, थेलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझने वाले मरीजों को अब खून मिल रहा है। दलालों की चंगुल से मरीज के परिजन नहीं फंस रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन भी आउटसोर्स कर्मचारियों का उनके इस नेक काम में साथ दे रहा है। शनिवार को तुलसी गुप्ता, नृपेन्द्र सिंह, नीरज सोनी, आकाश साकेत और रंजीत नापित ने ब्लड बैंक पहुंच कर हंसी खुशी रक्तदान किया। आउटसोर्स कर्मचारी सिर्फ रक्तदान नहीं कर रहे, लोगों की आंख भी खोल रहे हैं। जो लोग रक्तदान करने से डरते हैं, उन्हें भी जागरूक करने का काम कर रहे हैं। महिला कर्मचारी भी ब्लड बैंक पहुचं कर इस नेक काम में शामिल हो रहीं हैं।

आईटीआई में प्रवेश हेतु पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग प्रारंभ

जागरण, बैढ़न। प्राचार्य शासकीय नोडल आईटीआई सिंगरौली द्वारा दी गई जानकारी अनुसार आईटीआई में प्रवेश हेतु पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग प्रारंभ हो गया है। 11 जुलाई तक पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग हेतु पोर्टल खोला गया है। जो आवेदक पंजीयन कर चुके हैं उन्हें पुनः चॉइस फिलिंग करना होगा एवं जो आवेदक जिन्होंने 16 जून के पश्चात पंजीयन पंजीयन कराया है उन्हें 11 जुलाई तक चॉइस फिलिंग करना अनिवार्य है अन्यथा उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। ऐसी महिला पुरुष आवेदक जो कक्षा आठवीं एवं दसवीं उत्तीर्ण है एवं उनकी उम्र 14 वर्ष से 40 वर्ष तक है अपना पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर आईटीआई में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे आवेदक जो पहले ही पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर चुके हैं एवं उनका नाम प्रथम चयन सूची में नहीं है उन्हें पुनः चॉइस फिलिंग करना अनिवार्य है। ताकि अगले चरण में चयन सूची में सम्मिलित हो सके।

हाईवे में हर रोज हो रही मवेशियों की मौत

रीवा। नेशनल हाईवे में मवेशियों की धमाचौकड़ी बारिश का मौसम शुरू होते ही बढ़ गई है। इसके चलते जहां सड़क दुर्घटना का शिकार आम लोग हो रहे है, तो वहीं इसके कारण कई गौवंश भी मौत की चपेट में आ रहे हैं। गढ़ थाना क्षेत्र के एनएच में पूर्व में एक दर्जन मवेशियों की मौत ट्रेलर ट्रक की चपेट में आने से हुई थी, इसके बाद रीवा-सीधी मार्ग में खड्डा टोल प्लाजा के पास भी ऐसी ही सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन मवेशी मौत के गाल में समा गए थे। अब ताजी घटना मनगवां हाईवे में सामने आई है। जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने 5 मवेशियों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनकी मौत हो गई। बताया गया कि शनिवार की अल सुबह करीब 3 बजे एक बार रीवा प्रयागराज हाईवे के मनगवां के समीप हाईवे पर मवेशियों को रौंदता हुआ एक वाहन गुजर गया जिसमें से पांच मवेशियों की मौके पर मौत हो गई और उनके खून से सड़क लाल हो गई।

पुलिस चौकी बगदरा अंतर्गत लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं एक ही दिन में किए दो घरों में चोरियां

जागरण, चितरंगी। बगदरा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में एक ही रात में शारदा सिंह बैस व राम सागर सिंह बैस के घर में चोरों ने दरवाजा व बक्से का ताला तोड़कर नगदी सहित कीमती सामान किए चोरी। जिससे अब गांव के लोग भी दहशत में है इस तरह लगातार चोरी की घटना बढ़ती जा रही है। आस पास के भी गांवों में हो चुकी हैं कई चोरियां लेकिन आज तक चोरों का कोई पता नहीं चला।

पेड़ पर गिरी आकाशीय बिजली, 3 की मौत

भैंस चराने के दौरान अचानक हुई बारिश से बचने पेड़ के नीचे छिपे थे, तभी गिर गई गाज

जागरण, रीवा। मऊगंज के सेमरिया रोड तुर्की के पास पेड़ के नीचे बारिश से बचने छिपे तीन लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। अचानक आसमान से आई आफत में दो वृद्ध के सहित एक किशोर बालक की मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद गांव में मातम छा गया। मिली जानकारी के मुताबिक मऊगंज के वार्ड क्रमांक 1 सेमरिहा रोड तुर्की के समीप आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। आकाशीय बिजली गिरने की सूचना के बाद तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल पहुंच गई और लोगों की चीख पुकार शुरू हो गई। बताया गया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने से सुखवेन्द्र पटेल पुत्र राम पटेल 65 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 1 दुबगवां कुर्मियान व चैतू कोल पुत्र छोटई कोल 70 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 1 दुबगवां कुर्मियान एवं 13 वर्षीय बालक लवकुश पटेल पुत्र वनस्पति पटेल की जान चली गई। ग्रामीणों के मुताबिक शनिवार को वृद्ध सहित किशोर अपनी भैंस चराने के लिए गए हुए थे, तीनों एक साथ सेमरिहा रोड तुर्की के पास गए थे। शाम करीब 4 बजे के लगभग अचानक गरज चमक के साथ तेज बारिश होने लगी तो तीनों पानी से बचने पास ही स्थित लभेर के पेड़ के नीचे छांव मे खड़े हो गए, तभी तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी और तीनों उसकी चपेट में आ गए। और घटनास्थल पर ही तीनों की मौत हो गई। आसापास के लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी जिसके बाद उन्हें मऊगंज के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल घटना के बाद तीनों के शव को अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है, वहीं घटना की जानकारी के बाद प्रशासनिक अमला भी अस्पताल पहुंचा जिनके द्वारा परिजनों को शासन द्वारा मिलने वाली सहायता राशि जल्द उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

निःशुल्क फिजियोथैरेपी शिविर में क्रॉसिंगवासी लाभांवित

आईजीएसआई के सौजन्य से फिजियोथैरेपी शिविर का नि शुल्क आयोजन

जागरण, सिंगरौली। इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी आफ इंडिया की गाजियाबाद चैप्टर द्वारा इंस्टिट्यूट ऑफ़ अप्लाइड मेडिसिन एंड रिसर्च के माध्यम से क्रॉसिंग रिपब्लिक के गोल्फ कोर्स में फिजियोथैरेपी का निशुल्क शिविर लगाया गया। उक्त शिविर का उद्घाटन मणिपाल मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल गाजियाबाद के डायरेक्टर के शमसुद्दीन के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। उदघाटन से पूर्व इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी आफ इंडिया के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि के.शमशुद्दीन को अंगवस्त्रम तथा मेमेंटो देकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर क्रॉसिंग रिपब्लिक के विभिन्न ग्रुपों को लीड कर रहे बीपीएस भाटिया आईजीएसआई के प्रेसिडेंट डॉक्टर अशोक शर्मा महासचिव कमल नाथ ठाकुर उपाध्यक्ष तरुण शर्मा डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव डॉ. यू के गुप्ता उमेश जैन डॉ. विकास शर्मा अश्विनी कुमार उज्जवल कुमार गणेश आदि कार्यक्रम के साक्षी रहे। इंस्टिट्यूट ऑफ़ अप्लाइड मेडिसिन एंड रिसर्च के फिजियोथेरेपी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर मोनिका शर्मा ने अपनी टीम डॉ. मीनाक्षी सिसोदिया डा.संजीव झा डॉ.रुचि वार्ष्णेय डॉ. स्मिता सिंह लगा था डॉक्टर इमरान डॉक्टर प्रिया आदि के साथ शिविर में आए क्रॉसिंग वासियों का चेक अप किया तथा उन्हें फिजियोथैरेपी की प्रैक्टिस कराए। उक्त शिविर में द इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट वूमेन सेल से जुड़ी हुई महिला थैरेपिस्ट की टीम भी सक्रिय दिखी। अपराह्न तक चले शिविर में सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। कार्यक्रम का संचालन आईजीएसआई के महासचिव कमलनाथ ठाकुर ने तथा संयोजन संस्था के अध्यक्ष डॉ अशोक शर्मा ने किया। उक्त अवसर पर इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी आफ इंडिया के पदाधिकारियों के अतिरिक्त क्रॉसिंग रिपब्लिक की सामाजिक संस्थाओं एनटीपीसी एंस क्रॉसिंग फेमिली ग्रुप हरि ओम ग्रुप के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

क्या पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार पर दांव खेलेगी पार्टी

कांग्रेस शहर/ग्रामीण जिला अध्यक्ष को लेकर कवायद तेज दावेदार लगा रहे हैं दिल्ली और भोपाल की परिक्रमा तीन दर्जन से अधिक दावेदारों ने की है दावेदारी

जागरण, सिंगरौली। जिले के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की मंशा अनुरूप प्रदेश में जमीनी स्तर से पार्टी को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत प्रदेश में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा हैं। जिसका उद्देश्य पार्टी ऐसे व्यक्तियों की तलाश कर रही है जो जन.-जन से जुड़े हो और जन भावनाओं के अनुरूप लोगों की समस्याओं के निराकरण और पार्टी को मजबूत बनाने तथा प्रदेश सरकार की गलत नीतियों का विरोध कर जरूरतमंदों को न्याय दिला सके इसी कड़ी में प्रदेश के अलग.अलग जिलों में पार्टी द्वारा प्रभारी एवं सह प्रभारी की नियुक्ति की गई थी जिनका कार्य प्रभार जिले में पहुंचकर ऐसे उम्मीदवार को टटोलना था जो राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे अभियान पर खरा उतरे इसके बाद जिले के प्रभारी और सह प्रभारी द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत उम्मीदवारों से अलग.अलग चर्चा की जानकारी के मुताबिक जिले में शहर एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष पद के लिए तीन दर्जन से अधिक उम्मीदवारों ने अपने आवेदन सौंप कर अपना पक्ष प्रभारी और सह प्रभारी के समक्ष रखा जानकारी के मुताबिक प्रभारी एवं सह प्रभारी द्वारा उम्मीदवारों से चर्चा उपरांत अपनी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दी है ऐसे में अब उम्मीदवार दिल्ली एवं भोपाल की परिक्रमा कर अपने दावेदारी को और पुख्ता कर रहे हैं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा जिले के प्रभारी और सह प्रभारी द्वारा सौंपी गई सूची और पैनल के आधार पर विचार विमर्श किया जा रहा है और अनुमान है कि जिले में कांग्रेस के शहर एवं ग्रामीण अध्यक्ष की घोषणा शीघ्र कर दी जाएगी वहीं सूत्र ने बताया कि पार्टी जिले में जाति के आधार को मुख्य रूप से केंद्रित करेगी ऐसे में सिंगरौली में शहर कांग्रेस के अध्यक्ष के लिए पार्टी ओबीसी पर दांव लगा सकती है वही ग्रामीण क्षेत्र में पार्टी आदिवासी चेहरे को सामने ला सकती है इसकी मुख्य वजह सिंगरौली विधानसभा में अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय का बाहुल्य है और कांग्रेस लगभग 3 दशकों से विधानसभा में अपनी उपस्थिति सिंगरौली से दर्ज नहीं कर पा रही है वहीं ओबीसी वर्ग को आगे कर कर भाजपा लगातार सिंगरौली में विधानसभा में जीत दर्ज कर रही जानकारी के मुताबिक सिंगरौली विधानसभा से वर्तमान विधायक रामनिवास शाह सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दिलीप शाह एवं भाजपा जिला सिंगरौली के अध्यक्ष सुंदरलाल शाह ओबीसी से है परंतु कांग्रेस द्वारा ओबीसी समुदाय को आगे लाकर भाजपा की काट तैयार करने की प्लानिंग की गई जानकारी के मुताबिक जिले में ओबीसी को नेतृत्व प्रमुख नहीं बनाना ही कांग्रेस के हार का कारण है जब से जिला बना तब से कांग्रेस एक भी चुनाव नहीं जीते जबकि भाजपा संगठन और सत्ता में पिछड़े वर्ग को सामने रखकर विजय पर विजय प्राप्त कर रही है। अगर कांग्रेस में ओबीसी को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देगी तो पुराने कांग्रेसी भाजपा से नाराज लोग जो जाति वर्ग के वजह से जुड़े हैं वे सब भी जुड़ेंगे अब देखना यह है कि पार्टी जातिगत आधार के आधार पर किस वर्ग को अपना प्रतिनिधित्व देती है।

आज तक पिछड़े वर्ग का नहीं बना जिलाध्यक्ष : सिंगरौली शहर पिछड़ा वर्ग बाहुल्य है तथा नगर निगम क्षेत्र है जिसमें 45 वार्ड हैं जहां पार्षद अधिकतर मतदाता भी पिछड़े वर्ग से हैं। जानकारी के मुताबिक जब से जिला सिंगरौली का गठन हुआ है तब से आज तक पिछड़े वर्ग का कोई जिलाध्यक्ष नहीं बना है। अब तक जिलाध्यक्ष राम अशोक शर्मा.ब्रह्मांण् वशमणि वर्मा अनु जाति स्व तिलक राज सिंह. अनु जन जाति अरविंद सिंह चंदेल.सामान्य रहे।

दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 336 रन से हराया, पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर

भारत की विदेश में सबसे बड़ी जीत

गिल की कप्तानी में भारत की पहली जीत

जेएनएन, बर्मिंघम

भारतीय टीम ने आखिरकार बर्मिंघम में टेस्ट क्रिकेट का सूखा खत्म कर दिया है। कई दशक की कोशिशों, नाकामियों और अधूरी कहानियों के बाद टीम इंडिया ने इस मैदान पर पहली बार जीत दर्ज की है। यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि इतिहास का वो पन्ना है, जिसे पलटने में सालों लगे। इंग्लैंड की जमीन पर, खासकर बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर भारत का रिकॉर्ड हमेशा कमजोर रहा है। भारतीय टीम ने 1967 में इस मैदान पर अपना पहला मैच खेला था और इस मैच से पहले उन्हें कभी जीत नहीं मिली। टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन इंग्लैंड को 336 रन से करारी शिकस्त दी। रनों के लिहाज से विदेशों में यह भारत की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले विदेशी धरती पर भारत की सबसे बड़ी जीत वेस्टइंडीज (318 रन) के खिलाफ थी, लेकिन इस मैच में भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हरा कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह बर्मिंघम में किसी भी एशियाई टीम की पहली जीत है। जसप्रीत बुमराह के बाहर बैठने, टॉस हारने और बर्मिंघम में पांचवें दिन सुबह बारिश के कारण खेल रुके रहने के बावजूद भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 336 रन से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। यह जीत और भी खास तब बन गई, जब बुमराह की जगह खेलने वाले आकाशदीप ने भारत की इस जीत पर मुहर लगाई। उन्होंने अपने टेस्ट करियर का पहला पंजा खोलते हुए 99 रन देकर 6 विकेट लिए और इंग्लैंड की दूसरी पारी को 271 पर समेट दिया। 608 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड कभी भी मुकाबले में नहीं था। प्लेयर ऑफ द मैच शुभमन गिल के लिए यह मैच यादगार बन गया। उन्होंने दोनों पारियों में शतक लगाए, जिसमें पहली पारी का दोहरा शतक और मैच में कुल 430 रन का रिकॉर्ड शामिल है। यह उनकी कप्तानी में भारत की पहली जीत है। आखिरी विकेट पर कैच भी उन्होंने ही लिया, जो आकाशदीप की गेंद पर आया। दोनों ने जोरदार जश्न मनाया और फिर एक-दूसरे को गले लगाते हुए पवेलियन की ओर लौट गए। दिन की शुरुआत में आकाशदीप ने पहले 25 मिनट में ही ओली पॉप और हैरी ब्रूक को आउट करके भारत को जीत के करीब किया। हालांकि इसके बाद बेन स्टोक्स और जेमी स्मिथ के बीच 70 रन की साझेदारी हुई। लेकिन वॉशिंगटन सुंदर ने अपने दूसरे ओवर में स्टोक्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। आकाशदीप ने शनिवार शाम की फॉर्म को आगे बढ़ाते हुए सुबह के छह ओवरों के स्पेल में दो विकेट लिए। उन्होंने पोप को एक ऐसी गेंद ने चकमा दिया, जो फुल लेंथ से असमतल उछाल के साथ उछली और वह प्लेड ऑन हो गए। इसके बाद उनकी एक इनस्विंग होती गेंद से ब्रूक के दाहिने पैर के अंदरूनी हिस्से से टकराई और वह पगबाधा थे। इंग्लैंड के कप्तान को 18 के स्कोर पर जीवनदान मिला जब उन्होंने बाएं हाथ के स्पिन रवींद्र जडेजा की गेंद को लेग स्लिप की दिशा में खेला, लेकिन कैच गिल के सामने गिर गया। हालांकि स्टोक्स जल्द ही वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बन गए, जिन्हें लंच ब्रेक से पहले सिर्फ दो ओवर दिए गए थे।

प्लेयर ऑफ द मैच शुभमन गिल 269 व 161 रन

1602 रन भारत और इंग्लैंड के बीच इस टेस्ट में बने। यह इन दोनों टीमों के किसी एक टेस्ट में बने सर्वाधिक रन है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 1673 रन लीड्स में बने थे।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 587
इंग्लैंड पहली पारी : 407
भारत दूसरी पारी : 427/6 (पारी घोषित)
इंग्लैंड दूसरी पारी : 271/10 (68.1 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
भारत दूसरी पारी : 64/1 (13 ओवर)				

	रन	गेंद	4	6
बेन डकेट बो. आकाशदीप	25	15	5	0
क्रॉली का. सुदर्शन बो. सिराज	0	7	0	0
ऑली पोप बो. आकाशदीप	24	50	3	0
जो रूट बो. आकाशदीप	6	16	1	0
ब्रूक पगबाधा बो. आकाशदीप	23	31	3	0
बेन स्टोक्स पगबाधा बो. सुंदर	33	73	6	0
स्मिथ का. सुंदर बो. आकाशदीप	88	99	9	4
वोक्स का. सिराज बो. कृष्णा	7	32	1	0
कार्स का. गिल बो. आकाशदीप	38	48	5	1
जोश टंग का. सिराज बो. जडेजा	2	29	0	0
शोएब बशीर नाबाद	12	12	1	1

अतिरिक्त : 13, **कुल** : 68.1 ओवर में 271 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन** : 1-11, 2-30, 3-50, 4-80, 5-83, 6-153, 7-199, 8-226, 9-246, 10-271, **गेंदबाजी** : आकाशदीप 21.1-2-99-6, सिराज 12-3-57-1, प्रसिद्ध कृष्णा 14-2-39-1, रविंद्र जडेजा 15-4-40-1, वॉशिंगटन सुंदर 6-2-28-1.

भारत की जीत के हीरो

शुभमन गिल : युवा खिलाड़ी गिल ने इस मैच में बेहतरीन कप्तानी के साथ शानदार बल्लेबाजी की। प्लेयर ऑफ द मैच गिल ने मैच में कुल 430 रन बनाए। गिल ने पहली पारी में (269) दोहरा शतक ठोका, जबकि दूसरी पारी में (161) सेंचुरी लगाई। वह एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय प्लेयर बन चुके हैं और ओवरऑल लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं।

आकाशदीप : तेज गेंदबाज आकाशदीप ने बर्मिंघम टेस्ट में 10 शिकार किए। उन्होंने पहली पारी में चार, जबकि दूसरी पारी में छह विकेट झटके। उन्होंने इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज बेन डेक्ट (25), ओली पोप (24), जो रूट (6), हैरी ब्रूक (23) और जेमी स्मिथ (88) जैसे खिलाड़ियों को पवेलियन भेजकर इंग्लैंड को हार की ओर धकेला। उन्होंने कार्स (34) को आउट कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। आकाश ने पहली बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट हासिल किए।

मोहम्मद सिराज : तेज गेंदबाज सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट झटके। उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को 407 रनों पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। भारत को पहली पारी के आधार पर 180 रनों की दमदार बढ़त मिली थी। सिराज एजबेस्टन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन चुके हैं। उन्होंने यहां दो टेस्ट में 11 विकेट लिए हैं।

रिषभ पंत : स्टार विकेटकीपर पंत ने आक्रामक बल्लेबाजी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के हौसले पस्त किए। पहली पारी में 25 रन बनाने वाले पंत(65) ने दूसरी पारी में अर्धशतक ठोका। पंत ने कप्तान गिल के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रनों की साझेदारी की। भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की थी और इंग्लैंड को 608 रन का अंसभव लक्ष्य दिया।

रविंद्र जडेजा : अनुभवी ऑलराउंडर जडेजा ने पहली पारी में भारत को 587 के स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जडेजा ने सातवें नंबर पर उतरने के बाद 89 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरी पारी में नाबाद 69 रन बनाए। उन्होंने गिल के साथ 175 रनों की अहम पार्टनरशिप की थी। जडेजा ने दूसरी पारी में एक विकेट लिया।

खेल एक नजर

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में बने नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका), जेएनएन। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया, जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

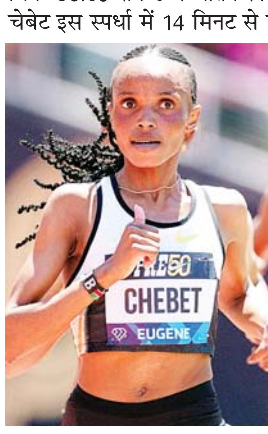

युवा वर्ल्ड चैंपियन साक्षी ने विश्व मुक्केबाजी कप में स्वर्ण पदक

अस्ताना, जेएनएन। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को दूसरे विश्व मुक्केबाजी कप में महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 24 साल की साक्षी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अमेरिका की योसलाइन पेरेज के खिलाफ सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। भारतीय दल ने विश्व मुक्केबाजी कप में कुल 11 पदक पक्के किए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ने गति और सटीक पंच के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में स्थानीय दावेदार नाजिम काइजाइबे को कड़ी चुनौती दी, लेकिन 2-3 के खंडित फैसले से हार गई।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लंदन के इंडिया हाउस में स्वागत

लंदन, जेएनएन। टी-20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे सीरीज खेलने के लिए इंग्लैंड के दौरे पर आई भारतीय महिला क्रिकेट टीम का इंडिया हाउस में एक समारोह में स्वागत किया गया। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम और मुख्य कोच अमोल मजूमदार के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ भारतीय उच्चायोग के प्रांगण में आयोजित समारोह में शामिल हुए। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर दोरईस्वामी ने कहा, उन्होंने जो किया है, वह खेलों में क्रांति लाने वाला है और यह भारत में हर चीज में भागीदारी के विचार में क्रांतिकारी बदलाव है। उन्होंने टीम को संबोधित करते हुए कहा, आज ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके बारे में भारत की युवा महिलाएं सोचती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं, क्योंकि आप और क्रिकेट खिलाड़ियों की एक पुरानी पीढ़ी ने ऐसा किया है। आपके पास जादू है और आप मैदान पर जहां भी खेलती हैं, इसे हमारे साथ साझा करती हैं, जिसके लिए हम बहुत-बहुत आभारी हैं।

जोकोविच विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी केकमानोविच को उपलब्धि हासिल की

जेएनएन, लंदन

नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा। महिला वर्ग में नौ बार विंबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल, जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं। जोकोविच ने कहा, मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं।

खाचानोव पहली बार क्वार्टर फाइनल में

रूस के कारेन खाचानोव ने अंतिम 16 दौर के मैच में विश्व रैंकिंग में 109वें स्थान पर काबिज कामिल माजचरजाक को शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। 17वीं वरीयता प्राप्त इस खिलाड़ी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचे माजचरजाक को सीधे सेटों में 6-4, 6-2, 6-3 से हराया। खाचानोव के सामने क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज की चुनौती होगी। यूएस ओपन के उपविजेता फ्रिट्ज ने अपने प्रतिद्वंद्वी जॉर्डन थॉम्पसन के चोट के कारण मुकाबला बीच में छोड़ने से क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। थॉम्पसन ने जब मुकाबले से हटने का फैसला किया उस समय फ्रिट्ज 6-1, 3-0 से आगे थे। फ्रट्ज चार वर्षों में तीसरी बार विम्बलडन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2029 व 2031 के लिए बोली लगाएगा भारत

बेंगलुरु, जेएनएन। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने रविवार को कहा कि भारत इस साल के अंत में प्रक्रिया शुरू होने पर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 2029 और 2031 दोनों सत्र की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा, जिससे उसे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के किसी एक सत्र की मेजबानी मिलने की उम्मीद है। खेल की वैश्विक संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स सितंबर 2026 में 2029 और 2031 दोनों सत्र के मेजबान की घोषणा करेगी। सदस्य देशों द्वारा मेजबानी रुचि व्यक्त करने की समय सीमा एक अक्टूबर 2025 है। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और एएफआई के पूर्व अध्यक्ष सुमारिवाला ने बताया, हम 2029 और 2031 (चैंपियनशिप) के लिए रणनीतिक बोली लगाने जा रहे हैं। दोनों सत्र की मेजबानी एक साथ सौंपी जाएगी और जिस भी सत्र की मेजबानी हमें मिले वह ठीक है। उन्होंने कहा कि अब भी कुछ समय है (प्रक्रिया शुरू होने में)। हम बोलियां सौंपेंगे। सुमारिवाला दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा द्वारा अपनी मेजबानी में जीते गए एनसी क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के पहले सत्र के लिए यहां आए थे। विश्व चैंपियनशिप के लिए शुरुआती आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एक अप्रैल 2026 है। इच्छुक देशों को पांच अगस्त 2026 तक अंतिम बोली आवेदन प्रस्तुत करना होगा, जिसके बाद विश्व एथलेटिक्स परिषद विश्व चैंपियनशिप के 2029 और 2031 सत्र के मेजबान शहरों की घोषणा करेगा। एएफआई ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की इच्छा के मद्देनजर कई प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं के लिए बोली लगाने का फैसला किया था। महासंघ ने पहले 2029 विश्व चैंपियनशिप के लिए बोली लगाने की बात की थी, लेकिन 2031 सत्र के लिए 'रणनीतिक' बोली लगाने का विचार इस कारण से भी हो सकता है कि एशिया इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के 2025 और 2027 दोनों सत्र की मेजबानी कर रहा है और भारत के लिए इसके अगले सत्र की मेजबानी प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है।

दीपिका का गोल मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सत्र के दौरान दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ किए गए मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकन शुक्रवार को जारी किए गए। विजेता का फैसला विश्व भर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया जाएगा। मतदान करने की अंतिम तिथि भारतीय समयानुसार 14 जुलाई सुबह तीन बजकर 29 मिनट है। इस पुरस्कार के लिए कुल तीन गोल को नामांकित किया गया है। दीपिका ने यह गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया यह मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी, तब दीपिका ने 35वें मिनट में यह अविश्वसनीय गोल किया।

विश्व क्लब चैंपियनशिप से बाहर हो सकता है पाकिस्तान

कराची, जेएनएन। अगले साल विश्व क्लब टी-20 चैंपियनशिप शुरू होने की उम्मीद है और इसमें से पाकिस्तान को बाहर किए जाने की संभावना है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में विजेता टीम को इस चैंपियनशिप के लिए आमंत्रित किए जाने की संभावना नहीं है। आईसीसी और इसके अध्यक्ष जय शाह विश्व क्लब चैंपियनशिप को शुरू करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। सूत्र ने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को पिछले महीने लंदन में क्रिकेट कनेक्ट बैठक के दौरान पीएसएल के सीईओ को भेजने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन कोई नहीं आया। उन्होंने कहा कि इंग्लिश एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की पहल और आईसीसी के समर्थन से आयोजित बैठक के लिए शीर्ष टी-20 फ्रेंचाइजी आधारित लीग के अधिकांश सीईओ एकत्र हुए। उन्होंने पुष्टि की, बैठक में प्रस्तावित विश्व क्लब चैंपियनशिप, इसकी विंडो, प्रारूप, कार्यक्रम आदि पर चर्चा हुई। बैठक में एमिरेट्स लीग, बिग बैश लीग, द हंड्रेड, एसए20, एमएलसी, कैरेबियन प्रीमियर लीग आदि के सीईओ शामिल हुए। पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया गया था। सूत्र ने बताया कि शुरुआत में विश्व क्लब टूर्नामेंट में पांच टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें आईपीएल की कोई टीम नहीं होगी। उन्होंने कहा, हालांकि टूर्नामेंट को भारतीय बोर्ड का समर्थन प्राप्त है, लेकिन चैंपियनशिप के उद्घाटन सत्र के लिए आईपीएल की भागीदारी नहीं होगी। सूत्र ने कहा कि सऊदी क्रिकेट लीग की योजना को पटरी से उतारने के लिए विश्व क्लब चैंपियनशिप को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

एमबाप्पे का बाइसिकल गोल रियाल मैड्रिड सेमीफाइनल में

क्लब विश्व कप : सेमीफाइनल में भिड़ेंगे रियाल मैड्रिड और पीएसजी

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका), जेएनएन। यूरोप के दो चोटी के क्लब रियाल मैड्रिड और पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। रियाल मैड्रिड ने शनिवार की रात को खेले गए मैच में किलियन एमबाप्पे के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में बाइसिकल किक से किए गए शानदार गोल की मदद से बोरूसिया डॉर्टमंड को 3-2 से हराया। गोंजालो गार्सिया और फ्रान गार्सिया ने पहले 20 मिनट में गोल करके मैड्रिड को 2-0 की बढ़त दिला दी। इससे मैड्रिड की जीत सुनिश्चित लग रही थी, लेकिन दूसरे हाफ का इंजरी टाइम घटना प्रधान रहा जिसमें तीन गोल हुए। डॉर्टमंड के मैक्सिमिलियन बेयर ने इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में गोल किया, लेकिन एमबाप्पे ने एक मिनट बाद बाइसिकल किक से खूबसूरत गोल किया, जिससे मैड्रिड ने फिर से दो गोल की बढ़त हासिल कर ली। सेरहो गुइरासी ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदल दिया। डॉर्टमंड को डीन हुइजसेन के फाउल करने के कारण यह पेनल्टी मिली थी। रियाल मैड्रिड के खिलाड़ी को रेड कार्ड मिला और वह सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे।

भरत मिश्रा ने जीते तिहरे खिताब

भोपाल, खेप्र। भरत मिश्रा ने अंतर्वर्गीय खेल प्रतियोगिता के तहत टेबल टेनिस प्रतिस्पर्धा में तीन खिताब जीते। अरेरा क्लब द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के ओपन सिंगल्स में भरत ने ने मनीष माथुर को हराकर खिताब अपने नाम किया। डबल्स में भरत ने मनीष माथुर के साथ जोड़ी बनाकर सत्येन्द्र गुप्ता एवं मनीष कपूरिया की जोड़ी को शिकस्त दी। लकी डबल्स में भरत और अनुराग जैन की जोड़ी ने संजीव सक्सेना एवं संजीव जैन की जोड़ी को परास्त कर खिताब पर कब्जा जमाया। विजेता खिलाड़ियों को मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पुरस्कृत किया। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी।

निःशुल्क कोचिंग के लिए आवेदन 3 अगस्त तक

सतना। सीड योजना के तहत विमुक्त घुमंतु एवं अर्द्धघुमंतु समुदायों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, एसपीएससीएस, एसएससी, आरआरबी, क्लैट, जेईई, नीट, सीएटी, सीएमएटी, एनडीए आदि की परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के तहत आनलाईन और क्लासरूम कोचिंग दोनों के लिए आनलाइन आवेदन भरे जा रहे है।

खेत पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्च सरकार वहन करेगी

सतना। फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेतों पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्चा राज्य सरकार वहन करेगी। अब राष्ट्रीय बागवानी एकीकृत विकास कार्यक्रम के तहत उद्यानकी फसल उगाने वाले कृषक अपने खेत के चारो ओर 5 तार व खम्बे की फेंसिंग लगवा सकते हैं। उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा इच्छुक किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं।

63 लीटर अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

कोटर पुलिस ने बाइक की बनाई जब्ती

आरोपी को न्यायालय ने भेजा जेल

जागरण, सतना। शराब की तस्करी करने वाले एक आरोपी को बाइक सहित कोटर टीआई दिलीप मिश्रा ने दबोच लिया है। पकडे गये आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी के विरूद्ध पुलिस ने धारा 34-2 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

ये है मामला : बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली थी बाइक से शराब की तस्करी होने वाली है सूचना मिलते ही कोटर पुलिस ने आरोपी आकाश कोल पिता छेदी लाल कोल उम्र 25 साल निवासी बिरसिंहपुर के कब्जे से 63 लीटर अवैध शराब जप्त करने में सफलता पाई है। यह कार्यवाही जैतवारा मेहुती रोड पर पुलिस ने की है। आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34-2 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे भेज दिया गया है।

विधानसभा क्षेत्र स्तर पर बीएलओ का प्रशिक्षण आज से 17 जुलाई तक

सतना। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार आयोग द्वारा बूथ लेवल आफिसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र स्तर पर बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 जुलाई से 13 जुलाई 2025 तक पूर्ण किये जाने के निर्देश जारी किये गये थे। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सतना एवं मैहर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं रिटर्निंग आफीसर को निर्देशित करते हुए कहा कि बीएलओ का प्रशिक्षण कार्यक्रम अब 7 जुलाई से प्रारंभ होकर 17 जुलाई 2025 तक पूर्ण किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की नवीन समय सारणी (प्रशिक्षण प्लान) भाग 2 और और भाग 3 तैयार कर कार्यालय को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। ताकि नवीन समय सारणी आयोग के यूआरएल में अपडेट की जा सके।

सिविल बेहतर होगी तो बैंक लोन देंगे, साहूकारों से बचें

जागरण, सतना। अपने खाते को दूसरों के हवाले न करें वित्तीय लेन.देन स्वयं करें बच्चों को मोबाइल दें तो वित्तीय एप्प पर पासवर्ड गोपनीय रखें साथ ही सिबिल बेहतर होगी तो बैंक लोन देंगे, साहूकारों से बचें बैंकिंग का उपयोग करें ये बात बीईयो तेज कुमार मिंज ने बजाज फाइनेंस के वित्तीय साक्षरता अभियान अर्थ सूत्र संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कही। रिजर्व बैंक के निर्देशन में वित्तीय साक्षरता अभियान . अर्थ सूत्र संवाद अंतर्गत शनिवार को बजाज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम पंचायत भवन, ग्राम. बाबूपुर,जनपद सोहावल में वित्तीय साक्षरता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में तेज कुमार मिंज, सीनियर पुलिस अधिकारी योगेन्द्र सिंह परिहार, सरपंच रामकेश अहिरवार एवं समाजसेवी अनुराग पटनाहा बजाज फाइनेंस के एरिया मैनेजर अमित सैनी उपस्थित रहे 26 जून को नर्मदापुरम से शुरु हुआ ये अखिल भारतीय कार्यक्रमए भारत के भीतरी इलाकों के गांवों में और बैंकिंग सुविधाओं से वंचित स्थानों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना हैं। बाबुपूर सुहावल के सरपंच रामकेश अहिरवार ने कहा कि ब्याज दर को परखने के बाद ही लोन लें किस्त को समय से चुकाते हैं तो आपकी सिबिल ठीक होगी और आगे भी लोन मिल सकेगा कर्ज उतना ही लें जितना चुका सकेंगे।

स्टेशन के गेट नम्बर दो में ऑटों चालकों का तांडव, आरपीएफ ने की कार्यवाही

जागरण, सतना। रेल्वे स्टेशन सतना के गेट नम्बर दो में इन दिनो आटो चालको द्वारा इस कदर मनमानी कर तांडव मचाया जाता है कि जब यात्री ट्रेन से उतरकर बाहर निकलते है उस दौरान आटो चालको द्वारा पूरे रोड में आटो खड़ा कर दिया जाता है जिससे लोग निकल नही पाते और आये दिन विवाद की स्थिति निर्मित होती है। इतना ही नही कईबार तो आटो चालक यात्रियों के हाथ पकड कर उन्हे जबरिया आटो में बैठने के लिए मजबूर कर देते है। यदि यात्री ने ननुकूर की तो उनसे अभद्रता भी की जाती है। रविवार को आटो चालको द्वारा गेटनम्बर दो में आटो से लगाये गये जाम का वीडियो वायरल होते ही आरपीएफ थाना प्रभारी ने संज्ञान लिया और तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आरपीएफ पुलिस ने मौके पर पहुचकर 6 आटो के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की है। इस कार्यवाही के बाद अब उन आटो चालको को सोमवार या मंगलवार को जबरपुर के रेल्वे न्यायालय में उपस्थित होना होगा। इसके बाद न्यायालय द्वारा जो भी जुर्माना किया जायेगा। उसे जमा करना होगा। आरपीएफ प्रभारी ने चर्चा करते हुये बताया कि अब आटो चालको पर सख्त नजर रखी जायेगी और गेट नम्बर दो को पूरी तरह से यात्रियों की सुविधा के लिए आटो चालको पर शिकंजा कसा जायेगा।

जिले में अब तक 222.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना। जिले में इस वर्ष 1 जून से 6 जुलाई तक 222.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 375.9 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 164 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 197.5 मि.मी, बिरसिंहपुर में 101 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 183.4 मि.मी., नागौद में 339.3 मि.मी., जसो (नागौद) में 72.2 मि.मी. एवं उचेहरा में 338.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 125.7 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

मैहर जिले में अब तक 217.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना। मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 6 जुलाई 2025 तक 217.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 211 मि.मी., मैहर में 184.4 मि.मी. एवं रामनगर में 258.3 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 171.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

घर में आग लगने से लाखों का सामान जलकर खाक

आरटीओ विभाग में पदस्थ है पीड़ित

जागरण, सतना। घर में आग लग जाने से लाखो रूपये का सामान जलकर खाक हो गया। यह घटना आरटीओ विभाग में पदस्थ राजऋषि तिवारी के घर में घटी है। बताया जाता है जवाहर नगर में रविवार सुबह आरटीओ हेड कांस्टेबल राजऋषि तिवारी के मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। मकान का निचला हिस्सा पूरी तरह जल गया। घटना के समय घर के ऊपरी हिस्से में श्री तिवारी और उनकी पत्नी सो रहे थे। नीचे से धुआं उठता देख उन्हें घटना का पता चला। नीचे का रास्ता धुएं और आग से भरा था। दंपती ने फोन से मदद मांगी। स्थानीय लोगों और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दंपती को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मकान के निचले हिस्से में रखा फर्नीचर इलेक्ट्रॉनिक्स और दस्तावेज जल गए। अनुमान है कि लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। सिटी कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। फायर ब्रिगेड ने आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया: गणेश सिंह

जागरण, सतना। डॉक्टर मुखर्जी जी के विचारों कोए अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक पहुंचाकर भाजपा को मजबूत बनाएं . पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती 26 मंडल के 1376 बूथ केंद्र पर बनाई गई। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सतना जिले के सभी 26 मंडलों के 1376 बूथ केंद्र पर रचनात्मक कार्यक्रम संपन्न हुए। जन्म जयंती समारोह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर पर्यावरण हेतु एक पेड़ मां के नाम पर वृक्षारोपण एवं विचार गोष्ठी का कार्यक्रम संपन्न किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। भारतीय जनता पार्टी के 'राष्ट्रीय परिषद के सदस्य सांसद गणेश सिंह एवं पार्टी जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय चित्रकूट विधायक सुरेंद सिंह गहरवारए पंडित रामदास मिश्रा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेन्द्र त्रिपाठी पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी ऊषा चौधरी पूर्व महापौर ममता पांडेय ने डॉक्टर मुखर्जी जी के छायाचित्र पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पुष्पांजलि अर्पित करते हुए संगोष्ठी को संबोधित किया। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती पर भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित विचार संगोष्ठी के माध्यम से पार्टी के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य 'सांसद गणेश सिंह' जी ने डॉक्टर मुखर्जी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ मुखर्जी जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र समाज सेवा और एक कश्मीर आंदोलन के लिए संघर्ष में रहा जिन्होंने इस कश्मीर के लिए अपना बलिदान दिया।

शिक्षक स्वाभिमान रैली का आयोजन 13 को

सतना। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ सतना के प्रांतीय प्रवक्ता विनय कनौजिया व जिलाध्यक्ष केशव प्रताप सिंह ने बताया की संघ के प्रांताध्यक्ष भाई भरत पटेल के आह्वान पर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में आगामी 13 जुलाई 2025 रविवार को एक साथ ई अटेंडेंस के विरोध में एवं केन्द्रीय कर्मचारियों के समान पेंशन लागू करने की मांग को लेकर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के द्वारा समस्त जिलों में संघ के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शिक्षक स्वाभिमान रैली का आयोजन किया जावेगा। इस आयोजन में प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम सतना कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस को ज्ञापन दिया जावेगा। सतना जिले में आगामी 13 जुलाई 2025 रविवार को जिला स्तरीय रैली का आयोजन करने की भरपूर तैयारियां चल रही हैं। जिला अध्यक्ष केशव प्रताप सिंह ने सभी ब्लॉकों के ब्लाक अध्यक्ष एवं सभी नवीन संवर्ग के शिक्षक साथियों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में शिक्षक स्वाभिमान रैली धवारी चौराहा सतना में शामिल हो।

ट्रेन से टकराया बाघ का शावक, उपचार के दौरान मौत

जागरण, सतना। मझगवां रेंज में बाघ का एक मादा शावक ट्रेन से टकरा गया जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि गंभीर रूप से घायल हुये शावक को वन विभाग के अधिकारियों ने उपचार के लिए उसे मुकुंदपुर पहुचाया मगर उसकी जान नही बच पाई। शवक की उम्र तकरीबन 6 से 7 माह के बीच की बताई जा रही है। घटना मझगवां रेंज के हजारा नाला के पास रविवार सुबह हुई। वन विभाग को सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची। शावक के पिछले हिस्से में चोट लगी है। वन विभाग की टीम उसे इलाज के लिए मुकुंदपुर जू सेंटर ले गई। ये घटना चितहरा.सतना रेल जंक्शन के बीच हुई। अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि किस ट्रेन से टक्कर हुई।

इनका कहना है

मझगवां रेंज में बाघ का मादा शावक ट्रेन से टकराया था। गंभीर रूप से घायल शवक को उपचार के लिए मुकुंदपुर जू सेंटर ले जाया गया मगर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मयंक चांदीवाल
डीएफओ सतना

रोटरी क्लब ने किया सीपीआर ट्रेंनिंग प्रोग्राम

जागरण, सतना। रोटरी क्लब सतना द्वारा पन्ना रोड स्थित सार्थक हॉस्पिटल सतना में पत्रकारों के लिए सीपीआर ट्रेनिंग रखी गयी जिसमे जीवन बचाओ के संदर्भ में अहम जानकारी और डेमो दिया गया रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल ने बताया कि सीपीआर एक आपातकालीन प्रक्रिया है जो छाती के संकुचन और बचाव सांसों को जोड़ती है ताकि मैन्युअल रूप से रक्त और ऑक्सीजन को उस व्यक्ति तक पहुंचा जा सके जिसका दिल धड़कना बंद हो गया है या वह प्रभावी ढंग से सांस नहीं ले पा रहा है यह जीवन रक्षक तकनीक है जिसका उपयोग पेशेवर चिकित्सा सहायता आने तक रक्त संचार और ऑक्सीजन को बनाए रखने के लिए किया जाता है। इस कार्यक्रम में अपने कुशल अनुभव से डॉ वी के गांधीए डॉ सुनील खारकुर डॉ विजेता राजपूत डॉ सुमित अग्रवाल ने सबको एक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के संयोजक हरिओम गुप्ताए अमित सोनी और कमल पुरुस्वानी थे सतना एकेडमी ऑफपीडियाट्रिक्स का इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा । कार्यक्रम का विधिवत सुभारम्भ रोटरी अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल जी के उद्बोधन से हुआ सचिव पवन गुप्ता ने सभी आगामी सभी कार्यक्रम की जानकारी सदन को दी । हरिओम गुप्ता ने सभी उपस्थित सदस्यों और पत्रकार बंधुओ का आभार व्यक्त किया।

कुटनी धाम आश्रम में 10 जुलाई को मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

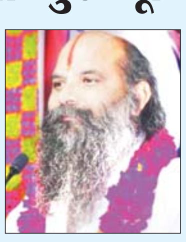

जागरण, सतना। कुटमी धाम आश्रम के वर्तमान महंत राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता स्वामी गुरु प्रसन्न दास महाराज की एवं पूज्य स्वामी रामकृष्ण दास महाराज की पावन सानिध्यता में इस वर्ष गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाएगा । जिसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं सतगुरुदेव ब्रह्मलीन स्वामी राम लखन दास महाराज की पावन तपस्थली कूटमी धाम में 10 जुलाई को हजारों की तादाद में लोगों के आने की संभावना बताई जा रही है सदियों से यह आश्रम भक्तों के आस्था का केंद्र था अद्भुत प्राकृतिक छटा को समेटे हुए यह आश्रम लोगों के मन को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है यहां पर एक प्राकृतिक झरना भी है जिसमें 12 महीने जल का प्रवाह होता रहता है जिस जल से कई गांवों का निस्तार होता है। इस झरने के जल को पीने सेए कई प्रकार की बीमारियां भी ठीक हो जाती है। ऐसा लोगो का मानना है। ऐसे पावन धाम श्री सिद्ध हनुमत भजन आश्रम कूटमी धाम में पधार कर सभी श्रद्धालु भागवत जनए गुरु भाई परिवार एवं शिष्य समुदायए अपने इस कुटमी धाम के कार्यक्रमों में सम्लित हो करए अपने जीवन को धन्य बनाएं। गुरु पूजन का कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। बहोत से लोग गुरु दीक्षा मंत्र ग्रहण करना चाहते है। उनके लिए भी गुरु पूर्णिमा एक विशेष पर्व है जिसको हम लोग आषाढ़ी पूर्णिमा एवं व्यास पूर्णिमा के नाम से जानते हैं वेदों के प्रणेता महर्षि वेदव्यास का जन्म आज के दिन ही हुआ था तभी से हम लोग आज के दिन अपने गुरुदेव भगवान का पूजन अर्चन एवं वंदन करते हैं। इस महापर्व में सम्मिलित होकर के सभी गुरु भाईजन अपने.अपने आचार्य का पूजन करेंगे स्वामी गुरु प्रसन्न दास महाराज ने बताया है विशाल भंडारे के साथ इस कार्यक्रम का समापन होगा।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com